जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

# राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, शुक्रवार 28 नवम्बर, 2025

ओसवाल सोप ग्रुप
SINCE ओसवाल 1956
OSWAL SOAP GROUP
हर रिश्ते का रखे ख्याल...
VOCAL FOR LOCAL
6 करोड़ परिवारों का विश्वास
क्वालिटी प्रोडक्ट्स की विशाल श्रृंखला
जब अपने घर का हो सवाल, तो सिर्फ ओसवाल
69 वर्षों का विश्वास
5Ltr. 1Ltr. मूंगफली तेल
1Ltr. 5Ltr. 500ml कच्ची घानी तेल
1Ltr. 5Ltr. 500ml रिफाइंड सोयाबीन तेल
1Ltr. रिफाइंड सोयाबीन तेल पाउच
1kg बासमती चावल
1kg ओसवाल चावल
800g पोहा
1kg चाय पत्ती
250g डस्ट चाय
1kg देसी खांड
1kg धागा मिश्री
500g हल्दी पाउडर
1kg मिर्च पाउडर
500g धनिया पाउडर
1kg जीरा
1kg सोया चंक्स
1kg मैज स्टार्च पाउडर
1kg सैंधा नमक
1kg काला नमक
1kg मूंग दाल
1kg हरी मूंग दाल
1kg उड़द धुली दाल
1kg तुअर दाल
1kg चना दाल
1kg काबुली चना
साँभर मसाला
चना मसाला
रायता मसाला
चाट मसाला
गरम मसाला
पाव भाजी मसाला
250ml अल्कलाइन वॉटर
ओसवाल सोप 1kg
1kg व्हाइट सोप
1kg मल्टीकलर सोप
1kg वॉशिंग पाउडर
1kg डिटर्जेंट पाउडर डिटर्जेंट केक
1Ltr. डिटर्जेंट लिक्विड
500ml डिशवॉश लिक्विड
1kg डिशवॉश टब डिशवॉश केक
100g बाथ सोप
75g ग्लिसरिन बाथ सोप
250ml लिक्विड हैंड वॉश
200ml शॉवर जैल
500ml ग्लास क्लीनर
1Ltr. टॉयलेट क्लीनर
1Ltr. फ्लोर क्लीनर
50g अगरबत्ती धूपबत्ती
250gm नेफ्थलीन बॉल्स
नीरवी पशु आहार
हैप्पी टच फ्लोर वाइपर
फूल झाड़ू
Oswal
ओसवाल सोप ग्रुप
अधिक जानकारी के लिए
+91 91161 71956, 96802 01956 पर कॉल करें
विपणन :
उत्तम चन्द देसराज
अब घर बैठे मँगवाये ओसवाल उत्पाद
OswalSoap.com पर जाएं या स्कैन करें और ओसवाल ऐप डाउनलोड करें
GET IT ON Google Play
नकली माल से सावधान

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

# राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

Ni'mat Khan's garden of triangles

The Bijapuri ruler had written a significant treatise called Nujum al-'Ulum (The Stars of the Sciences). This text had a particular description for Mirrikh (Mars/Mangal), that 'his buildings are triangular (musallas)'

Dr. B.R. Ambedkar's 1955 BBC Interview on Caste and Gandhi

# सुप्रीम कोर्ट ''आधार कार्डधारियों'' को सीधे ही नागरिकता का अधिकार देने के पक्ष में नहीं लगता?

## सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे पर उसके सम्मुख चल रही बहस के दौरान संकेत दिया, आधार कार्ड अपने आप नागरिक होने का अधिकार नहीं देता

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 नवंबर। आधार कार्ड प्राप्त करने में सफल रहे घुसपैठियों को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने पूछा है कि क्या एक गैर-नागरिक को आधार कार्ड होने पर मतदान का अधिकार दिया जाना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि आधार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सामाजिक कल्याण लाभ सभी तक पहुंचे, और यह दस्तावेज़ स्वचालित रूप से मतदान का अधिकार नहीं प्रदान कर सकता।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ, चुनाव आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत कई राज्यों में मतदाता सूची की समीक्षा करने के कदम को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है।

पीठ ने यह स्पष्ट किया कि आधार कार्ड ''नागरिकता का पूर्ण प्रमाण'' नहीं है। बैंच ने कहा, ''इसलिए हमने कहा था कि यह दस्तावेजों की सूची में एक दस्तावेज़ होगा। यदि किसी का नाम हटाया जाता है, तो उसे हटाने का नोटिस दिया जाएगा।''

- ''आधार कार्ड'' का सीमित मकसद था, कुछ सरकारी सुविधाएं, जैसे राशन उपलब्ध कराना। अगर किसी पड़ोसी देश से कोई भारत आता है, मजदूरी करने, तो उसे राशन की सुविधा, मानवीय कारणों से दी जाती है, पर, क्या उसे यह सुविधा देने का अर्थ उसे नागरिकता देना भी हो जाता है।
- कपिल सिब्बल ने इस तर्क का जवाब देते हुए कहा कि न्यायालय का फोकस, संवैधानिक अधिकारों की रक्षा करना होना चाहिए, न कि प्रक्रिया की शुद्धता। सिब्बल ने आगे कहा कि आधार कार्ड नागरिकता का प्रमाण तो नहीं, पर, आधार कार्ड से संभावना मेरे पक्ष में है कि मैं नागरिक हूँ, क्योंकि मैं यहाँ रहता हूँ। अगर इस कारण मुझे नागरिकता मिल सकती है, अगर गलत मिली है तो सरकार यह साबित करे, न्यायिक प्रक्रिया से, तथा तभी मेरी नागरिकता रद्द की जा सकती है।

आधार अधिनियम यह स्पष्ट करता है कि यह नागरिकता या निवास का प्रमाण नहीं है।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा, ''आधार एक वैधानिक दस्तावेज है, जिसे लाभ प्राप्त करने के लिए बनाया गया है। सिर्फ इसलिए कि किसी व्यक्ति को राशन पाने के लिए आधार दिया गया है, क्या उसे मतदाता भी बना दिया जाना चाहिए? मान लीजिए कोई व्यक्ति पड़ोसी देश का है और श्रमिक के रूप में काम करता है।''

कोर्ट ने यह भी कहा कि चुनाव आयोग को उस दस्तावेज़ की प्रमाणिकता का निर्धारण करने का अधिकार है, जो मतदाता सूची में नाम जोड़ने के लिए फॉर्म 6 आवेदन के साथ प्रस्तुत किया गया हो। कोर्ट ने कहा कि चुनाव आयोग ''पोस्ट ऑफिस'' नहीं है।

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# उपभोक्ता आयोग ने शाहरुख, देवगन, टाइगर श्रॉफ, अमायरा से जवाब मांगा

जयपुर, 27 अक्टूबर। जिला उपभोक्ता आयोग क्रम द्वितीय ने, ''विमल गुटखे के दाने-दाने में केसर का दम'' बताकर इसका भ्रामक विज्ञापन करने के मामले में फिल्म अभिनेत्री अमायरा दस्तूर, अभिनेता शाहरुख खान, अजय देवगन और टाइगर श्रॉफ सहित, विमल गुटखा ब्रांड के निर्माता जेबी इंडस्ट्रीज से जवाब तलब किया है। आयोग अध्यक्ष ग्यारसी लाल मीणा ने यह आदेश गौरव तिवाड़ी के परिवाद पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिया।

- आरोप है कि चारों ने विमल गुटखे में ''केसर बादाम'' बताकर भ्रामक प्रचार किया।

परिवाद में कहा गया कि जेबी इंडस्ट्रीज विमल गुटखे का निर्माण कर उसे देशभर में विक्रय करने के लिए सप्लाई करती है और तीनों अभिनेता व अभिनेत्री इसकी बिक्री बढ़ाने के लिए इसका विज्ञापन करते हैं। परिवाद में कहा गया कि विज्ञापन में बताया जाता है कि इसमें केसर का मिश्रण है, जबकि सच्चाई यह है कि केसर की कीमत करीब चार लाख रुपए प्रति किलोग्राम है और यह गुटखा पांच रुपए में आता

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# स्पीकर का पद भी छीना भाजपा ने नीतीश से

## शपथ ग्रहण के बाद भाजपा ने नीतीश को लगातार दूसरा झटका दिया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 नवंबर। बिहार के सत्ता गलियारों में एक बड़ा बदलाव देखा जा रहा है, क्योंकि भाजपा ने नीतीश के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार पर अपना दबदबा मजबूत कर लिया है। जेडीयू से अति महत्वपूर्ण गृह विभाग छीनने के बाद, भाजपा ने अब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को स्पीकर पद छोड़ने के लिए भी मजबूर कर दिया है, जो कि शपथ ग्रहण के बाद उनके लिये दूसरा बड़ा झटका है।

नव-निर्वाचित बिहार विधानसभा का पहला सत्र 1 दिसंबर से शुरू होगा, जब सभी 243 विधायकों को जेडीयू के प्रोटेम स्पीकर नरेन्द्र नारायण यादव शपथ दिलायेंगे। प्रारंभिक औपचारिकताओं के 2 दिसंबर तक समाप्त होने के साथ ही, नये स्पीकर का चुनाव होगा, जो भाजपा के पक्ष में एकतरफा प्रतीत हो रहा है।

भाजपा ने पहले ही गया के 9 बार के विधायक और वरिष्ठ दलित नेता प्रेम कुमार का नाम इस प्रतिष्ठित पद के लिए प्रस्तावित कर दिया है। उनके नाम की औपचारिक घोषणा सत्र के दौरान प्रोटेम स्पीकर द्वारा की जा सकती है।

यदि चुनाव होता है, तो अगले दिन मतदान कराया जा सकता है, लेकिन राजनीतिक पर्यवेक्षकों का कहना है कि जेडीयू अब इसका विरोध करने की स्थिति में नहीं है।

- एक दिसंबर को जद (यू) विधायक नरेन्द्र नारायण यादव प्रोटैम स्पीकर के रूप में विधायकों को शपथ दिलाएंगे और उसी समय नए स्पीकर के नाम की घोषणा करेंगे। अगर कोई प्रतिद्वंदी नहीं हुआ तो वे निर्विरोध स्पीकर घोषित कर दिए जाएंगे। भाजपा ने इस पद के लिए वरिष्ठ दलित नेता प्रेम कुमार का नाम आगे किया है।
- आंतरिक सूत्रों ने बताया कि नीतीश पर केन्द्र का भारी दबाव है, फिलहाल वे ''वेट एण्ड वॉच'' की नीति पर चल रहे हैं।
- इस बार स्पष्ट संकेत मिल रहे हैं कि मुख्यमंत्री भले ही नीतीश हों, पर सरकार पर नियंत्रण भाजपा का ही होगा।

अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, केन्द्र के जबरदस्त दबाव के कारण नीतीश कुमार ने भाजपा से आगे टकराव से बचने के लिए ''प्रतीक्षा करो और देखो'' की रणनीति अपनाई है। गृह विभाग छिन जाने और अब स्पीकर पद भी जाता हुआ दिखाई देने की स्थिति में, गठबंधन में जेडीयू की सौदेबाजी की ताकत बहुत कम हो गई है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि बिहार में सत्ता का संतुलन निर्णायक रूप से बदल चुका है। नीतीश मुख्यमंत्री भले ही बने रहें, लेकिन अब प्रशासनिक फैसले भाजपा नेतृत्व द्वारा, खासकर दिल्ली से मार्गदर्शन प्राप्त करके ही, लिए जाएंगे।

स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि भाजपा

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के पास तैयार है प्लान बी

## अगर नेतृत्व ने उन्हें बदलने या डीके शिवकुमार को लाने के संकेत दिए तो.......

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 नवम्बर। कांग्रेस के भीतर 'लीडरशिप गेम्स' का कर्नाटक संस्करण गुरुवार को तेज हो गया।

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया का खेमा अब पूरी तरह सतर्क है और जरूरत पड़ते ही दिल्ली पहुंचकर पार्टी पर दबाव बनाने की तैयारी में है कि शीर्ष पद पर वही बने रहें। इस सप्ताह उन्होंने पार्टी में पैदा हुई 'उलझन' को स्वीकार किया था और कहा था कि पार्टी को अब इस पर 'पूर्ण विराम' लगा देना चाहिए। इसके बाद सूत्रों का कहना है कि वे 'वेट-एंड-वॉच' मोड में हैं।

सूत्रों का कहना है कि यदि पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी और राहुल गांधी की ओर से जरा भी संकेत मिला कि उनके प्रतिद्वंद्वी उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार , जो सार्वजनिक रुप से मुख्यमंत्री पद के प्रति झुकाव को नकार चुके हैं, को आगे बढ़ाया जा सकता है, तो सिद्धारमैया के समर्थक तुरंत सक्रिय हो जाएंगे।

- सूत्रों का कहना है कि आलाकमान ने अगर नेतृत्व परिवर्तन के संकेत दिए तो सिद्धारमैया विकल्प के रूप में अपने करीबी का नाम आगे कर सकते हैं, जैसे जी. परमेश्वरा, जो एक प्रभावशाली दलित नेता हैं और खुद को मुख्यमंत्री पद की दौड़ मे बता रहे हैं।
- बताया जाता है कि यह रणनीति पीडब्ल्यूडी मंत्री सतीश जारकीहोली, जो सिद्धारमैया समर्थक हैं, के घर पर बनाई गई है।
- हालांकि, डीके शिवकुमार ने मुख्यमंत्री बनने के लिए खुलकर कोई जिज्ञासा जाहिर नहीं की, पर, वे पुराने वादे पूरे करने की बात कर रहे हैं, जिसमें यह वादा भी शामिल है कि सिद्धारमैया ढाई साल बाद मुख्यमंत्री का पद छोड़ देंगे और डीकेएस को मुख्यमंत्री बनाया जाएगा।

सूत्रों ने कहा, और यदि पार्टी नया मुख्यमंत्री नियुक्त करने पर फिर भी अड़ती है, तो सिद्धारमैया खेमे की योजना है कि नामों की एक वैकल्पिक सूची पार्टी के समक्ष सामने रखी जाए।

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# असम में बहुविवाह पर रोक लगी

गुवाहटी, 27 नवंबर। असम विधानसभा ने गुरुवार को एक अहम बिल पास किया है, जिसके तहत अब राज्य में बहुविवाह (एक से ज्यादा शादी) करना कानूनी अपराध होगा।

- असम विधानसभा ने गुरुवार यह बिल पास किया।

मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने बताया कि इस नए कानून का मकसद महिलाओं की सुरक्षा और उनके अधिकारों को मजबूत करना है।

बिल के मुताबिक, अगर कोई व्यक्ति पहले से शादीशुदा होते हुए दूसरी शादी करता है या उसकी पिछली शादी कानूनी रूप से खत्म नहीं हुई है, तो यह अपराध माना जाएगा।

इस ''असम प्रोहिबिशन ऑफ पॉलीगैमी'' बिल 2025 में दोषी पाए जाने पर अधिकतम 7 साल की जेल की सजा हो सकती है। साथ ही, पीड़ित महिला को मुआवजा देने का प्रावधान भी रखा गया है, ताकि उसकी आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# क्या बुलेट ट्रेन प्रोजैक्ट में जापान पर निर्भरता कम करना चाहता है रेल्वे

## जापान लीकी केबल सिस्टम और शिकान्सेन रैक्स के इस्तेमाल पर जोर दे रहा है, जबकि रेल्वे उसके सस्ते विकल्प तलाश रहा है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 नवम्बर। भारतीय रेलवे ने अगस्त 2027 तक मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल (एमएएचएसआर) परियोजना के तहत सूरत से वापी खंड में 100 किलोमीटर की दूरी पर 250 किमी/घंटा की गति से विश्वसनीयता, उपलब्धता, रखरखाव और स्थिरता का परीक्षण करने का लक्ष्य रखा है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पिछले सप्ताह कहा था, ''508 किलोमीटर लंबे गलियारे की पूरी लंबाई 2029 में शुरू हो जाएगी, जिससे मुंबई से अहमदाबाद की यात्रा का समय घटकर 1 घंटा 58 मिनट रह जाएगा।''

भारत के पहले हाई-स्पीड रेल गलियारे के लिए लोक निर्माण कार्य प्रगति पर है। नागरिक कार्यों की प्रगति हो रही है। हालांकि, जापान और भारत के बीच महत्वपूर्ण मुद्दों जैसे सिग्नलिंग सिस्टम और रोलिंग स्टॉक पर मतभेदों के कारण समय और लागत में वृद्धि हो रही है। जापान, जो इस परियोजना की 80 प्रतिशत लागत का वित्तपोषण कर रहा है, लीकी कोऑक्सिकल सिस्टम (एलसीएक्स) सिस्टम की तैनाती और शिंकान्सेन रैक की पसंद पर जोर दे रहा है।

- जापान इस प्रोजैक्ट का 80 प्रतिशत खर्च उठा रहा है। सवाल यह है कि रेल्वे की सस्ते विकल्प ढूंढने की रणनीति जापान को कहीं नाराज़ ना कर दे।
- रेल्वे अगस्त 2027 में सूरत से वापी के बीच 256 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार पर हाई स्पीड ट्रेन की विश्वसनीयता, रख रखाव, टिकाऊपन और उपलब्धता का परीक्षण करेगा। रेल मंत्री ने 2029 तक बुलेट ट्रेन शुरु होने की संभावना जताई।

भारत यूरोपीय निर्माताओं से रोलिंग स्टॉक की आवश्यकता को आधी कीमत पर प्राप्त करना चाहता है, जो जापान द्वारा 49 दस-कोच हाई-स्पीड ट्रेन सैट्स के लिए उद्धत की गई कीमत से लगभग आधी है। अधिकारियों ने बताया, जापान ने इस आपूर्ति को ई-10 शिंकान्सेन रैक के माध्यम से 2000 करोड़ रुपये में देने का प्रस्ताव दिया है, जबकि पश्चिमी देशों से यह स्टॉक लगभग 10,000 करोड़ रुपये की लागत पर खरीदा जा सकता है।

लागत को कम करने और जापान पर निर्भरता घटाने के उद्देश्य से, भारतीय रेलवे ने 250 किलोमीटर प्रति घंटा की स्टैंडर्ड गेज ट्रेनसेट्स के स्वदेशी निर्माण की योजना को तेज कर दिया है, जो वर्तमान में सरकारी -स्वामित्व वाले भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड (बीईएमएल) द्वारा निर्मित किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पिछले सप्ताह सूरत एचएसआर स्टेशन की समीक्षा यात्रा के बाद, बीईएमएल को इन ट्रेनसेट्स को 2027 की शुरुआत तक पूरा करने का निर्देश दिया गया है। सूत्रों का कहना है दो प्रोटोटाइप रैक सूरत-वापी खंड में विश्वसनीयता उपलब्धता रखरखाव व स्थिरता परीक्षणों के लिए उपयोग किए जाएंगे।

भारतीय रेलवे ने लीकी केबल सिस्टम के बजाय 'ओपन सोर्स'

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# ईडी ने कई राज्यों में मेडिकल कॉलेजों पर छापे मारे

नयी दिल्ली, 27 नवंबर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को चिकित्सा महाविद्यालयों से जुड़े भ्रष्टाचार घोटाले के सिलसिले में आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ , गुजरात, राजस्थान, बिहार, उत्तर प्रदेश और दिल्ली के 15 स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया।

- राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के अधिकारियों को गोपनीय निरीक्षण पर रिश्वत देने के मामले में यह कार्यवाही हुई।

यह छापेमारी केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की दर्ज प्राथमिकी के आधार पर की गयी है। सीबीआई की प्राथमिकी में आरोप लगाया है कि राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) के

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# इण्डो-अमेरिकन व्यापारिक समझौता अभी जल्दी ही फाइनल होने वाला नहीं है?

## हालांकि, भारत के वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल व उनकी टीम, बार-बार ढिंढोरा पीट रही है कि ''ट्रेड डील'' की केवल घोषणा ही होनी बची है

-सुकुमार साह -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 नवम्बर। वरिष्ठ अधिकारियों और स्वयं वाणिज्य मंत्री द्वारा यह उम्मीद जताने के बावजूद, कि भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौता लगभग तय होने वाला है, बातचीत में दोनों पक्षों को कोई असली कामयाबी नहीं मिल पा रही है। सच्चाई यह है कि कई गहरे मतभेद दोनों देशों के बीच बड़ी बाधा बने हुए हैं। दोनों पक्ष शुरुआती समझौते को अंतिम रूप देने की इच्छा जरूर दिखा रहे हैं, लेकिन जिन मुद्दों पर मतभेद कायम हैं, उन्हें देखते हुए कोई भी समझौता सीमित दायरे वाला ही होगा और यह इस बात पर निर्भर करेगा कि दोनों देश राजनीतिक और आर्थिक रूप से संवेदनशील मांगों पर कितना समझौता करने को तैयार हैं।

सबसे बड़ी रुकावट कृषि क्षेत्र से जुड़ी है, खासकर अमेरिका से मक्का, सोयाबीन, कुछ अनाज और डेयरी उत्पादों के आयात को लेकर। अमेरिका चाहता है कि इन पर शुल्क कम हो और डेयरी, पोल्ट्री, मक्का, सोयाबीन, सेब, मेवे, प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ (प्रोसैस्ड फूड्स) और एथेनॉल जैसे उत्पादों को भारतीय बाजार में ज्यादा पहुंच मिले। वहीं भारत के लिए कृषि, विशेषकर डेयरी, खाद्यान्न और जीएम फसलें, एक बेहद संवेदनशील क्षेत्र है। भारत का तर्क है कि सस्ते और सब्सिडी वाले अमेरिकी कृषि उत्पाद छोटे किसानों की आजीविका को नुकसान पहुंचा सकते हैं, खाद्य सुरक्षा पर असर डाल सकते हैं और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को कमजोर कर सकते हैं।

- कृषि उत्पाद व डेयरी प्रोडक्ट्स पर मतभेद अभी भी उसी स्थिति में है, जो बातचीत के प्रथम दिवस से था।
- अमेरिका चाहता है, डेयरी, खाद्यान्न के बेचने के लिए उसे खुली छूट मिले। पर, डेयरी प्रोडक्ट्स उन मवेशियों के दूध से तैयार किये जाते हैं, जो पशु बाय प्रोडक्ट्स मिश्रित चारे पर पले होते हैं। अतः भारत की आम जनता सांस्कृतिक (कल्चर) कारणों से इन डेयरी प्रोडक्ट्स को स्वीकार नहीं करेगी। पर, ये डेयरी प्रोडक्ट्स काफी सस्ते होंगे और इजाज़त मिली तो भारत के मार्केट पर कब्जा कर लेंगे तथा भारत में छोटे-छोटे सहकारी प्रयासों से चल रहा डेयरी उद्योग चौपट हो जाएगा।

सांस्कृतिक और खान-पान की आदतों की वजह से डेयरी आयात का मुद्दा खास तौर पर संवेदनशील है, और क्योंकि भारतीय डेयरी कोऑपरेटिव और छोटे डेयरी किसान घरेलू रैगुलेटरी और टैरिफ रुकावटों पर बहुत ज्यादा निर्भर हैं। भारत ने हमेशा व्यापार समझौतों में डेयरी क्षेत्र को उदारीकरण से बाहर रखा है और इस बार भी यही रुख कायम है। अमेरिकी डेयरी उत्पादों, खासकर जानवरों के बाय-प्रोडक्ट या जी.एम. कंटैंट वाले चारे पर पलने वाले मवेशियों से बने प्रॉडक्ट्स के लिये अपने बाज़ार खोलना, लोगों के साथ-साथ, रैगुलेटरी चिंताओं को भी बढ़ाता है।

कृषि और डेयरी के अलावा भी, कई क्षेत्र विवाद का कारण बने हुए हैं। अमेरिका चाहता है कि भारत ऑटोमोबाइल (विशेषकर इलेक्ट्रिक वाहन), पेट्रोकेमिकल और कुछ अन्य औद्योगिक उत्पादों पर शुल्क कम करे। इसके बदले भारत उम्मीद करता है कि अमेरिका इस्पात, एल्युमिनियम, ऑटो-पुर्ज़े, इंजीनियरिंग सामान और वस्त्र, चमड़ा, रत्न-आभूषण जैसे श्रम-प्रधान भारतीय उत्पादों पर लगाए गए भारी शुल्क में राहत दे।

रुकावटों में रैगुलेटरी और नॉन टैरिफ रुकावटें भी खास तौर पर शामिल हैं। भारत अपनी रैगुलेटरी ऑटोनोमी बनाए रखना चाहता है, जिसमें, खेती और खाने के इंपोर्ट के लिए क्वालिटी और सेफ्टी स्टैण्डर्ड तथा जी.एम. प्रॉडक्ट पर रोक शामिल है। लेकिन अमेरिका अपने एक्सपोर्ट के लिए ज्यादा आसान, ज्यादा सरल ट्रेड और कम रैगुलेटरी रुकावटों के लिए जोर दे सकता है।

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# दिल्ली विस्फोट का मुख्य आरोपी बिलाल वानी एनआईए रिमांड पर

श्रीनगर, 27 नवंबर। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने गुरुवार को दिल्ली कार बम विस्फोट के मुख्य आरोपी जसीर बिलाल वानी को सात दिन की रिमांड पर ले लिया। दिल्ली की एक स्पेशल कोर्ट ने वानी को सात दिन की हिरासत में भेजने का फैसला किया।

- एजेंसी का दावा है कि वानी ने आतंकवादी गतिविधियों के लिये ड्रोन में टैक्निकल बदलाव किये।

दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के काजीगुंड के रहने वाले वानी को एनआईए ने 17 नवंबर को श्रीनगर से गिरफ्तार किया था। एजेंसी का दावा है कि वानी ने आतंकवादी गतिविधियों के लिए ड्रोन में टेक्निकल बदलाव किए और रॉकेट बनाने की भी कोशिश की,

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## विचार बिन्दु

**हम यहाँ किसी विशेष कारण से हैं। इसीलिए अपने भूत का कैदी बनना छोड़िये। अपने भविष्य के निर्माता बनिए। –रोबिन शर्मा**

# राष्ट्रपति के प्रश्न तीन के उत्तर में संविधान पीठ ने माना कि राज्यपाल का function justiciable mandamus नहीं है फिर Mandamus जारी करने के निदेशन से कोर्ट स्वयं ही संकट में आ सकती है

कुछ दिनों पूर्व तमिलनाडू राज्य की सरकार की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट की खण्डपीठ ने अपने निर्णय में यह राज्यपाल और राष्ट्रपति के लिये विधेयकों (बिलों) पर निर्णय लेने की सीमा तय की थी। संविधान के सम्बन्धित प्रावधानों में समय सीमा का कोई प्रावधान नहीं है। अत: संविधान के अनुच्छेद 2000 व 2001 की सही व्याख्या का प्रश्न उत्पन्न हुआ। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने अनुच्छेद 143 के अन्तर्गत सुप्रीम कोर्ट से सलाह मांगी। राष्ट्रपति ने सुप्रीम कोर्ट से 14 कानूनी बिन्दुओं पर राय मांगी। मूल प्रश्न पर सुप्रीम कोर्ट ने अपनी राय में माना कि राष्ट्रपति राज्यपाल के लिये बिलों पर निर्णय की सीमा नहीं है।

भारत के संविधान में राष्ट्रपति व राज्यपाल की नियुक्ति के प्रावधान भिन्न हैं। प्रारम्भ में ऐसा कहा जाता था कि ये दोनों ही संवैधानिक प्रमुख रबर स्टाम्प की तरह अपना काम करेंगे; किन्तु समय ने यह सिखा दिया कि ऐसा सोचना सही नहीं था। संविधान के अनुसार राष्ट्रपति अनुच्छेद 54 एवं 55 की प्रक्रिया के अनुसार चुना जाता है और राज्यपाल (गवर्नर) की नियुक्ति अनुच्छेद 155 की प्रक्रिया से राष्ट्रपति करते हैं। दोनों ही संवैधानिक प्रमुखों को कार्यपालिका व विधायिका के अधिकार प्रप्त हैं। अनुच्छेद 154, 161, 163 व 166 उन्हें कार्यपालिका के अधिकार देते हैं और अनुच्छेद 168, 158, 200, 201, 213 व अनुच्छेद 174 उन्हें विधायिकका के अधिकार देते हैं। जजों की संविधान पीठ ने अर्थात् सीजेआई गवई, जस्टिस सूर्यकान्त, जस्टिस विक्रमनाथ, जस्टिस चंदुरकर व जस्टिस नरसिम्हा ने अपनी राय एक सुर में दी है। अनुच्छेद 200 की जो विशद व्याख्या की गई है वह अद्भुत व प्रशंसनीय है। सोलीसिटर जनरल तुषार मेहता के शब्दों में वह ज्ञानवर्धक है और वरिष्ठ अधिवक्ता कपित सिब्बल ने निर्णय को विवेकपूर्ण व विचारशील बताया।

सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने सर्वसम्मति से यह माना कि कोर्ट संविधान के आर्टिकल 200 व 201 के तहत राज्यपाल व राष्ट्रपति को विधयेक पर निर्णय लेने के लिये कोई समय सीमा तय नही कर सकती। इस प्रकार संविधान पीठ ने यह माना कि खण्डपीठ का निर्णय दिनांक 08 अप्रेल, 2025 त्रुटिपूर्ण था, जिसमें खण्डपीठ ने राज्य विधानसभा से पारित विधेयकों पर निर्णय लेने के लिये राज्यपाल व राष्ट्रपति के लिये समय सीमा तीन माह तय की थी। इसी फैसले के सम्बन्ध में राष्ट्रपति ने सुप्रीम कोर्ट से 14 बिन्दुओं पर राय मांगी थी।

**सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने सर्वसम्मति से यह माना कि कोर्ट संविधान के आर्टिकल 200 व 201 के तहत राज्यपाल व राष्ट्रपति को विधयेक पर निर्णय लेने के लिये कोई समय सीमा तय नहीं कर सकती**

सुप्रीम कोर्ट ने प्रश्न 1 के सम्बन्ध में स्पष्ट किया कि अनुच्छेद 200 के तहत राज्यपाल के पास तीन संवैधानिक विकल्प हैं वे मंजूरी दें, राष्ट्रपति के विचारार्थ सुरक्षित रखें या पुन: विचार के लिये टिप्पणी के साथ विधान मण्डल को लौटा दें। उनके पास बिल रोकने का विकल्प नहीं है। प्रश्न 2 के उत्तर में संविधान पीठ ने स्पष्ट किया कि अनुच्छेद में ऐसी कोई बाध्यता नहीं है कि राज्यपाल मंत्री परिषद से सला लेवें। प्रश्न 3 के उत्तर में संविधान पीठ ने कहा कि राज्यपाल के विवेक प्रयोग की समीक्षा न्यायपालिका नहीं कर सकती; किन्तु संविधान पीठ ने इस मत की अभिव्यक्ति करते हुये भी यह कह दिया कि यदि लम्बे समय तक, अस्पष्ट निर्णय या अनिश्चित काल तक निर्णय या अनिश्चित काल तक निर्णय न लेने पर कोर्ट विचार कर अपना निर्देश दे सकती है। संविधान पीठ ने अपने निर्णय (राय) दिनांक 20.11.2025 के पेरा 165 में उपरोक्त कथन को निम्नलिखित रूप से इस प्रकार स्पष्ट किया है :-

"165.3: The discharge of the Governor's function under Article 200, is not justiciable. The Court cannot enter into a merits review of the decision so taken. However, in glaring circumstances of inaction that is prolonged, unexplained, and indefinite — the Court can issue a limited mandamus for the Governor to discharge his function under Article 200 within a reasonable time period, without making any observations on the merits of the exercise of his discretion."

संविधान पीठ ने एक ओर तो विधेयकों पर राज्यपाल से समय सीमा पर मंजूरी प्राप्त न होने पर स्वत: मंजूरी (Deemed Assent) को संविधान की भावना के विपरीत और शक्तियों के पृथककरण के सिद्धान्त के विरूद्ध माना है। दूसरी ओर उपरोक्त पेरा 165.3 में जो भावना अभिव्यक्त की है वह प्रश्न एक के उत्तर पर प्रश्न चिन्ह् लगा देती है। सब कुछ कहने और स्पष्ट करने पर भी मूल प्रश्न का उत्तर अनुत्तरित ही दिखाई देता है, क्योंकि संवैधानिक प्रमुख कोर्ट की अनिश्चितकाल अथवा अस्पष्ट बात वाली सलाह पर कोई कदम नहीं उठाते हैं तो फिर क्या होगा?

सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ का निर्णय स्पष्ट करता है कि बिल के कानून बन जाने के बाद judicial Adjudication के सिद्धान्त लागू होते हैं, इससे पूर्व राज्यपाल के विवेकपूर्ण निर्णयों पर कोर्ट का दखल स्वीकार नहीं किया गया है। अनुच्छेद 200 व 201 के प्रावधानों की जो व्याख्या सुप्रीम कोर्ट ने की है वह सचमुच में ज्ञानवर्धक है, और स्पष्ट करती है कि राज्यपाल और राष्ट्रपति को केवल वे विकल्प प्राप्त हैं जिनका उल्लेख प्रश्न 1 के उत्तर में दिया गया है। समय देना या deemed asscnt का सिद्धान्त अनुच्छेद 200 की शब्दावली में संशोधन करना होग, जो अनुच्छेद 368 की प्रक्रिया के प्रयोग के बिना नहीं हो सकता।

सर्वोच्च न्यायालय की संविधान पीठ के द्वारा राष्ट्रपति पर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर के बाद, अब केवल यह विकल्प कार्यपालिका के पास है कि संविधान में यशोचित संशोधन अनुच्छेद 368 की प्रक्रिया के अनुसार शीघ्र ही किया जावे और इस उलझी हुई स्थिति से देश को मुक्ति दिलाई जावे। जनहित व देशहित में सही सत्मार्ग है।

हमारे संविधान की संघीय व्यवस्था में केन्द्र में केन्द्रीय सरकार है और राज्यों में राज्य की सरकारें। हम एक लोकतान्त्रिक गणराज्य हैं। केन्द्र और राज्यों में अलग-2 राजनीतिक पार्टियों की सरकारें शासन का संचालन करती हैं। ऐसी स्थिति में केन्द्र व राज्य सरकारों की जिम्मेदारी अधिक होती है। इनमें सन्तुलन बनाये रखना आवश्यक है। हमारे संवैधानिक प्रमुख जैसे प्रेसीडेन्ट व गवर्नर केवल मात्र शोभा के पात्र अथवा रबर स्टाम्प मात्र नहीं हैं। उनकी भूमिका का अपना ही महत्व है उन्हें विवेक व संतुलन के आधार पर अपना कर्त्तव्य पालन करना होता है तथा अपनी शपथ के अनुसार संविधान की रक्षा करना है, उसकी पालना करना है। संविधान पीठ ने संवैधानिक प्रमुखों की स्वतंत्रता का अक्षुण्णता प्रदान की है। केन्द्र और राज्य में विभिन्न राजनीतिक मतावलम्बियों की सरकारों में आपसी टकराव देखने को मिल रहे हैं, उनमें आपसी सन्तुलन रखना जहां आवश्यक है वहीं बहुत ही नाजुक भी है। अनुच्छेद 200 की व्याख्या करते समय यह तो कोर्ट ने माना है कि राज्यपाल के लिये बिलों पर निर्णय की सीमा नहीं है, किन्तु यह कह दिया कि अनिश्चितकाल तक निर्णय को रोका जाना भी उचित नहीं है और ऐसी परिस्थितियों में कोर्ट का दखल संविधान की गतिशीलता के लिये आवश्यक है, इस प्रकार संविधान पीठ ने लोकतांत्रिक प्रतिक्रियाओं को गतिरोध के चक्करों में फंसने से बचाने का प्रयत्न किया है। लोकतंत्र की गतिविधियों में चैक व बेलेंस होना आवश्यक है ताकि शक्ति का संचालन में केन्द्रीकरण का खतरा न हो सके। संविधान पीठ ने अपने साहसिक, ज्ञानवर्धक तथा प्रतिभाशाली निर्णय और भविष्य की सुरक्षा के लिये अपनी कलात्मक अनिश्चितकारी टिप्पणी से राहत तो देती; किन्तु अपने स्वंय के लिए एक बडी आफत को भी जन्म दे दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने स्वंय अनुच्छेद 21 में शब्द 'स्पमि' की व्याख्या करते हुये माना है कि स्पमि यानी जीवन की गरिमा के लिये न्याय सस्ता, सुलभ व त्वरित होना आवश्यक है, किन्तु देश के नागरिकों को त्वरित न्याय से सर्वथा वंचित दिखाई देते हैं। न्यायालय के प्रत्येक व्यवहार में विलम्ब हो रहा है। वर्षों से मुकदमें लम्बित हैं। फैसलों ही इंतजार ही में जीवन लीला समाप्त हो जाती है। जमानत की अर्जियों तक फैसलों की प्रतीक्षा में दिखाई देती है। जेल में सजा काट रहे कैदियों की अपील, सजा समाप्ति तक निर्णित नहीं होती। सिविल के मुकदमों का निर्णय पोतों के जीवन में भी ही जायेगा, इसकी सम्भावना नहीं है। न्याय सुलभ भी नहीं है और न्याय मंहगा भी बहुत है। कहा जाता है सुप्रीम कोर्ट के बडे वकीलों की फीस लाखों रूपये प्रति पेशी तक है।

न्याय त्वरित नहीं है, सही है; किन्तु न्याय के सुलभ तथा शीघ्र निस्तारण के लिये न्यायालय कोई कारगर कदम भी नहीं उठा रही है।

राजस्थान हाईकोर्ट का कार्य पुराने नियमों के अनुसार ही हो रहा है। नये रूल बनाने में ही वर्षों का समय लगने के बाद भी, लागू तक नहीं किये गये हैं। डिजिटलाईजेशन का उपयोग व प्रयोग कोई संतोषजनक गति नहीं पा सका है।

संविधान की पीठ ने तमिलनाडू के केस के सम्बन्ध राष्ट्रपति द्वारा पूछे गये 14 प्रश्नों का उत्तर special reference no.1of 2025 में संविधान पीठ ने दिनांक 20.11.2025 को दिया है और उसमें स्पष्ट शब्दों में पेरा नं0 165.3 में कहा है कि न्यायालय को उन परिस्थितियों जिनका उल्लेख ऊपर कहा गया है कोर्ट सीमित mandamus जारी कर सकती है। अत: प्रश्न उठाया जा सकता कोर्ट के कार्य में विलम्ब के विषय में कितनी mandamus के हेतु याचिकायें पेश होंगी सोचकर ही सिर चकरा जायेगा।

sir का प्रश्न संवैधानिक संस्था चुनाव आयोग से सम्बन्ध रखता है, जिसे निर्वाचन के अधीक्षण, निदेशन और नियन्त्रण के सम्पूर्ण अधिकार संविधान ने दिये अनुच्छेद 324 में दिये हैं अर्थात् इस विशेष पर चुनाव आयोग का निर्णय, न्यायिक समीक्षा से परे है। यदि हम संविधान पीठ के उत्तर की पृष्ठभूमि पर उसे लागू करें तो सम्भव है सभी याचिकायें justiciable नहीं रहेंगी। इसके अतिरिक्त भी निर्वाचन संबंधित मामलों में न्यायालयों के हस्तक्षेप का अनुच्छेद 329 में वर्जन है।

**सत्यमेव जयते!**

**-अतिथि सम्पादक**

**पानाचन्द जैन, पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाईकोर्ट**

# प्रदेश का सड़क तंत्र बन रहा मजबूत

## विकास, विश्वास और सुगमता की नई राह पर राजस्थान

**अलका सक्सेना**

राजस्थान आज अपने विकास यात्रा के उस दौर में है, जहां सड़कें केवल गंतव्य तक पहुंचने का माध्यम नहीं रहीं, बल्कि वे प्रगति, समृद्धि और सुशासन की सशक्त पहचान बन चुकी हैं। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने सड़कों के व्यापक नेटवर्क को विस्तार देने, गुणवत्ता सुधारने और सुगमता बढ़ाने का जो अभियान शुरू किया है, उसने प्रदेश के बुनियादी ढांचे को एक नई गति प्रदान की है। ग्रामीण अंचल से लेकर शहरी क्षेत्रों तक, राष्ट्रीय राजमार्गों से लेकर गांवों की गलियों तक, हर दिशा में विकास का पहिया गति पकड़ चुका है।

राजस्थान में सड़क तंत्र को मज़बूत करने के लिए राज्य सरकार ने अब तक 24,976 करोड़ की राशि व्यय कर 36,140 किलोमीटर सड़कों का निर्माण कर उल्लेखनीय कीर्तिमान स्थापित किया है। यह उपलब्धि केवल संख्याओं का खेल नहीं, बल्कि यह सरकार के उस विजन का परिणाम है जिसमें हर नागरिक तक सुगम, सुरक्षित और तेज़ आवागमन की सुविधा पहुँचाना सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री शर्मा के निर्देश पर प्रदेश भर में सड़कों के विकास हेतु 12,391 कार्य स्वीकृत किए जा चुके हैं। इसके अंतर्गत 28,600 किलोमीटर लंबाई की सड़कों के विकास के लिए 14,816 करोड़ की स्वीकृति दी गई है। गांवों को शहरों से जोड़ने वाली सड़कों ने न केवल ग्रामीण अंचलों की काया पलट दी है, बल्कि वहां के लोगों के जीवन स्तर में भी अभूतपूर्व सुधार लाया है। अब तक 1,564 गांव और बसावटें सड़कों से जुड़ चुकी हैं। साथ ही 3,543 किलोमीटर लंबाई की 'मिसिंग लिंक' सड़कों के लिए 1,328 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई है, जिससे पहले से कटे या दुर्गम क्षेत्रों में भी विकास की राह खुली है।

इसी तरह, 327 अटल प्रगति पथों के निर्माण के लिए 813 करोड़ की स्वीकृति दी गई है, जो ग्रामीण अर्थव्यवस्था और स्थानीय व्यापार को नई ऊर्जा प्रदान करेंगे। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि अब गांव केवल खेती तक सीमित नहीं, बल्कि तेज़ी से विकास के केंद्र बनते जा रहे हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के 22 माह से अधिक के कार्यकाल में राज्य राजमार्गों का अभूतपूर्व विस्तार हुआ है। सरकार के विजन के अनुरूप 8,194 करोड़ की लागत से 6,249 किलोमीटर लंबाई के राज्य राजमार्गों का विकास पूरा किया जा चुका है, जबकि 2,547 करोड़ की लागत से 8 राज्य राजमार्गों पर कार्य प्रगति पर है।

इसके अतिरिक्त, जिला मुख्यालयों से संपर्क को सुगम बनाने के लिए 5,000 किलोमीटर से अधिक लंबाई की सड़कों को मुख्य जिला सड़कों के रूप में क्रमोन्नत किया गया है। इसका लाभ दूरस्थ क्षेत्रों तक प्रशासनिक और सामाजिक सेवाओं की सहज पहुंच के रूप में दिखाई दे रहा है। डबल इंजन सरकार की नीतियों के अनुरूप राजस्थान में राष्ट्रीय राजमार्गों का तेजी से सुदृढ़ीकरण किया जा रहा है। अब तक 600 किलोमीटर लंबाई के राष्ट्रीय राजमार्गों का चौड़ीकरण और मजबूतीकरण पूरा किया जा चुका है, जबकि 457 किलोमीटर सड़कों पर कार्य प्रगति पर है।

रेलवे क्रॉसिंग को सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से 10 आरओबी (रेल ओवर ब्रिज) और 14 आरयूबी (रेल अंडर ब्रिज) का निर्माण पूर्ण हो चुका है। वहीं 33 आरओबी और 14 आरयूबी पर कार्य जारी है। इसके साथ ही, 11 उच्च स्तरीय पुलों का निर्माण पूरा हो चुका है तथा 15 पुलों पर कार्य प्रगति पर है। इन संरचनाओं ने न केवल सड़क सुरक्षा को मज़बूती दी है, बल्कि यात्रियों का समय और ईंधन दोनों की बचत भी सुनिश्चित की है। नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2024 तक राजस्थान का कुल सड़क नेटवर्क 3,17,121 किलोमीटर तक पहुंच गया है। सड़क घनत्व अब 100 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में 92.66 किलोमीटर तक बढ़ चुका है। यह दर्शाता है कि राज्य के हर हिस्से में कनेक्टिविटी और पहुंच में गुणात्मक सुधार हुआ है।

राज्य में कुल 39,408 गांव अब सड़कों से जुड़े हैं। वहीं 47 राष्ट्रीय राजमार्ग और 23 राज्य राजमार्ग को उच्च गति यात्रा के लिए उन्नत किया जा रहा है। वर्तमान में प्रदेश में 10,790 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग, 17,376 किलोमीटर राज्य राजमार्ग और 2,06,318 किलोमीटर ग्रामीण सड़कें सक्रिय हैं।

यह नेटवर्क न केवल राजस्थान के आंतरिक विकास को गति दे रहा है, बल्कि पड़ोसी राज्यों और राष्ट्रीय राजमार्गों से निर्बाध संपर्क भी सुनिश्चित कर रहा है। राजस्थान की सड़क नीति केवल निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका दृष्टिकोण व्यापक है - यह समठा विकास का माध्यम बन चुकी है। बेहतर सड़कें व्यापार, उद्योग, पर्यटन, कृषि और शिक्षा जैसे सभी क्षेत्रों के लिए आधारशिला सिद्ध हो रही हैं। गांवों से मंडियों तक उत्पादों की सुगम आवाजाही से किसानों की आमदनी बढ़ी है। उद्योगों और पर्यटन स्थलों तक पहुंच बेहतर होने से निवेश और रोजगार के अवसरों का विस्तार हुआ है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का मानना है कि सड़कें विकास की धमनियां हैं। उनके नेतृत्व में राज्य सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि कोई भी क्षेत्र विकास की मुख्यधारा से वंचित न रहे। सड़क निर्माण में पारदर्शिता, गुणवत्ता और समयबद्धता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। इस अभियान के परिणामस्वरूप राजस्थान में न केवल सड़क तंत्र मजबूत हुआ है, बल्कि लोगों के जीवन में सहजता, सुरक्षा और सुगमता आई है। सड़कों के इस सुविचारित नेटवर्क ने प्रदेश को एक ऐसे मुकाम पर ला खड़ा किया है जहां विकास केवल शहरों तक सीमित नहीं, बल्कि हर गांव, हर कस्बे तक पहुंच चुका है।

राजस्थान आज उस दिशा में अग्रसर है जहां सड़कें केवल भौगोलिक दूरी नहीं, बल्कि आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक जुड़ाव का प्रतीक बन गई हैं। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य का सड़क तंत्र मज़बूती, सुरक्षा और गुणवत्ता के नए मानक स्थापित कर रहा है। सड़क से विकास की दिशा निकलती है और राजस्थान इस दिशा में देश के अठाणी राज्यों में शामिल हो चुका है। सड़कों पर दौड़ते वाहन अब केवल यातायात का प्रतीक नहीं, बल्कि एक सशक्त, आत्मनिर्भर और विकसित राजस्थान के स्वप्न को साकार करने की यात्रा का हिस्सा हैं।

**अलका सक्सेना,**
**अतिरिक्त निदेशक सेनि.,**
**सूचना एवं जनसंपर्क विभाग,**
**राजस्थान**

# सवालों के उत्तर मिलने चाहिए/सवाल कई हैं

**रचना सिद्धा**

पिछले दिनों दो खबरें प्रमुखता से अखबार में दिखी और कई दिनों तक चली। न केवल प्रिंट मीडिया में बल्कि इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में भी। आज इक्कीसवीं सदी के आधुनिक और सभ्य कहे जाने वाले समाज में दो बेटियों की जीवनलीला दहेज के दानव ने समाप्त कर दी। पहली खबर उत्तर प्रदेश की है और दूसरी खबर राजस्थान की। उत्तर प्रदेश में बेटी को जला कर मार डाला गया और राजस्थान में बेटी ने स्वयं आग लगाकर आत्महत्या कर ली और साथ में अपनी तीन साल की बच्ची को भी मार डाला। दोनों ही दुर्घटनाओं की विस्तृत छानबीन चल रही है। परंतु प्रथम दृष्टया दोनों ही मामले दहेज हत्या के बताए जा रहे हैं। इन दोनों दुर्घटनाओं के बारे में पढ़कर मन में कई तरह के सवाल उठते हैं।

पहले बात करते हैं उत्तर प्रदेश की दुर्घटना की। निक्की जिसकी मौत हुई उसकी बड़ी बहन की शादी भी उसी घर में हुई। दोनों बहन के साथ साथ जेठानी देवरानी भी थीं। निक्की को सात साल का एक बेटा भी है। कहा जा रहा है कि निक्की को उसके बच्चे के सामने पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी गई। बच्चे ने भी पुलिस को बयान दिया है कि मम्मा को पापा ने लाइटर से जला दिया। यह सब जब हो रहा था तब निक्की की सास भी अपने बेटे का साथ दे रही थी। निक्की की बड़ी बहन ने उसे बचाने की बहुत कोशिश की पर उसे भी मारा पीटा गया। बड़ी बहन ने बताया कि निक्की के साथ दहेज को लेकर अक्सर मार पीट होती थी। शादी के समय लड़के वालों की हर फरमाईश पूरी की गई और शादी के बाद भी अक्सर उनकी मांग आती रही जिसे निक्की के माता पिता ने किसी भी तरह पूरा किया। अब उससे 35 लाख रुपये लाने की बात कही जा रही थी। अब बात करते हैं राजस्थान के जोधपुर जिले की जहां सरकारी स्कूल की एक व्याख्याता ने अपनी तीन साल की मासूम और अबोध बच्ची को गोद में बिठाकर अपने को आग के हवाले कर दिया। उस बच्ची को तो अंदाजा भी नहीं था कि उसकी मां उसे गोद में क्यों बिठा रही थी। संजू के पिता ओमाराम ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराते हुए लिखा है कि संजू को दहेज के लिए प्रताड़ित किया जाता था। उन्होंने कार के अलावा भी उनकी बहुत सी मांगें पूरी की थीं। लेकिन उनकी और मांगों की सूची खत्म नहीं हो रही थी और इसके लिए संजू को प्रताड़ित किया जाता था। उनका कहना है कि बच्ची के जन्म के बाद स्थितियां और खराब हो गई थीं। पुलिस को भी संजू का आत्महत्या नोट मिला है जिसमें उसने ससुराल वालों पर उसे प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। संजू की आत्महत्या के समय घर पर कोई नहीं था।

दोनों ही दुर्घटनाओं से मेरे मन में कई सवाल उठ रहे हैं। निक्की पढ़ी लिखी सुंदर लड़की थी। वह अपना पार्लर चलाती थी। संजू सरकारी नौकरी कर रही थी। दोनों ही परिपक्व उम्र की थीं। फिर भी वे दहेज के लिए अत्याचार क्यों सह रही थीं? निक्की और संजू के माता पिता क्यों बार बार लड़के वालों की दहेज की मांग को पूरा कर रहे थे? उन्होंने उन्हें अपने पास वापस क्यों नहीं बुला लिया? क्यों नहीं निक्की और संजू या उनके पीहर वालों ने घरेलू हिंसा और दहेज के मामले में पुलिस को शिकायत की? अब जबकि निक्की और संजू की मौत हो गई है और उनके पीहर वाले दहेज का मामला दर्ज करा रहे हैं तो क्या इस मामले में वे भी उतने ही दोषी नहीं हैं जबकि वे उनकी दहेज की मांग को लगातार पूरा कर रहे थे। क्या उनके खिलाफ भी मामला दर्ज नहीं किया जाना चाहिए जबकि दहेज लेना और देना दोनों ही कानून की नजर में अपराध माना गया है।

निक्की के पास हुनर था उसने क्यों नहीं अपने हुनर के साथ उस घर को छोड़ दिया जहां उसके साथ जानवरों जैसा व्यवहार किया जाता था। वैसे ही संजू के पास सरकारी नौकरी थी उसने क्यों नहीं आवाज उठाई और अपने सम्मान और जीवन के लिए संघर्ष क्यों नहीं किया। कुछ सवाल शिक्षा व्यवस्था को लेकर कुछ सवाल समाज की सोच को लेकर और कुछ सवाल पीहर वालों के अपनी बेटियों के प्रति फिक्र को लेकर सहज ही उठ जाते हैं। शिक्षा क्या केवल किताबी ज्ञान देने का का नाम है। कहा जाता है शिक्षा से सबलता आती है पर दोनों ही स्थितियों में पढ़ी लिखी लड़कियां अपनी आत्मरक्षा के लिए खड़ी नहीं हो पाईं। या क्या सबलता का अर्थ लड़कियों का नौकरी पा लेना भर है? फिर ऐसी शिक्षा का क्या फायदा? क्यों शिक्षा ने उन्हें अपने आत्मसम्मान की रक्षा करना नहीं सिखाया। क्यों शिक्षा से उन्हें यह समझदारी नहीं मिल पाई कि लड़के और लड़कियों में कोई ऊंच नीच का भेदभाव नहीं है? क्यों उन्हें दहेज विरोधी और घरेलू हिंसा विरोधी कानून के बारे में जानकारी नहीं मिल पाई जिससे वे अपनी आत्मरक्षा के लिए कदम उठा पाती?

हम समाज क्या कहेगा इस बारे में बहुत सोचते हैं और समाज में आज भी लड़कियों को लेकर अलग विचार प्रचलित हैं। आज भी समाज में आमतौर पर लड़कियों को दोयम दर्जे का माना जाता है। हालांकि कई जगह स्थितियां बदल रही हैं इससे भी इन्कार नहीं किया जा सकता परंतु एक आम धारणा आज भी लड़कियों को ससुराल में समझौता करना ही सिखाती है ससुराल के लोगों के साथ निभाकर चलना ही सिखाती है। फिर इस निभाकर चलने में लड़कियों के आत्मसम्मान और आत्मरक्षा की बात कहीं पीछे छूट जाती है। दहेज हत्या के लिए ससुरालवालों के साथ साथ पीहर वाले भी उतने ही जिम्मेदार माने जाने चाहिए। क्यों उन्हें अपनी बेटी की मौत के बाद ही पुलिस में शिकायत दर्ज कराना याद आता है?

क्यों दहेज की मांगों को वे सिरे से खारिज नहीं कर देते? क्यों शादी के बाद भी बरसों तक वे बेटी के ससुराल वालों की मांग पूरी करते रहते हैं? क्यों वे अपनी बेटी को इतनी हिम्मत देते हैं कि बेटी अपने घर वापस आकर नये सिरे से अपने जीवन की शुरूआत कर सकें क्यों विदा करते समय वे यह नहीं कहते कि यह घर आज भी तुम्हारा उतना ही अपना है जितना पहले था? कभी भी किसी भी समय उसे अपने इस घर में आने का साहस भर कर क्यों विदा नहीं करते अपनी बेटियों को? क्यों वे नहीं कहते - हम हैं हमेशा तुम्हारे साथ। ये पांच शब्द बेटियों को बहुत हिम्मत दे जाते हैं। इसके विपरीत हमारे यहां विदा करते समय कहा जाता है अब वही तुम्हारा घर है। उस घर की मान, मर्यादा और इज्जत का खयाल तुम्हें ही रखना है। अब समय आ गया है कि शादी के बाद पीहर से विदा करते समय हम लड़कियों को किसी भी परिस्थिति में पीहर के साथ का वादा करें। उन्हें यह भरोसा दिला कर भेजें कि इस घर पर उसका पहले जितना ही हक है। हम यह अच्छी तरह समझ लें कि दहेज देकर खरीदा गया लड़का किसी भी हालत में अच्छा और सुसंस्कृत लड़का नहीं हो सकता। शादी के समय बेटी को दिए जाने वाले उपहार और दहेज के अंतर को जरूर समझ लें।

**- रचना सिद्धा,**
**लेखक**

# यूरिया खाद लेने किसानों की भीड़ उमड़ी

**■ सुबह से खाद के लिए कतार में खड़े लोगों का दोपहर तक नंबर नहीं आया, जिससे लोगों ने आक्रोश जताया, मौके पर पुलिस बुलानी पड़ी**

**उदयपुर, (का.सं.)।** उदयपुर जिले के मावली ब्लॉक में यूरिया खाद को लेकर भारी भीड़ रही। वहां सुबह से खाद के लिए कतार में खड़े लोगों का दोपहर तक नंबर नहीं आया, जिससे लोगों ने आक्रोश जताया। खाद को लेकर लोगों को काफी परेशानियां हुई। मावली उपखंड के थामला गांव में थामला ग्राम सेवा सहकारी समिति केंद्र पर गुरुवार सुबह से ही खाद लेने के लिए लोग पहुंच गए। केंद्र नहीं खुला उससे पहले ही वहां किसानों की कतार लग गई थी। उपखंड में यूरिया की किल्लत बनी हुई है। ऐसे में खाद आते ही खाद डीलरों की दुकान पर किसानों की लाइन लग जाती है। जानकारी के अनुसार थामला समिति पर खाद की आपूर्ति पहुंचते ही किसानों की भीड़ लग गई। वहां सुबह 10 बजे तक करीब 300 से अधिक किसान लंबी कतारों में खड़े होकर खाद लेने की प्रतीक्षा कर रहे थे। सुबह से कतार में लगे किसानों का नंबर नहीं आने पर उनमें आक्रोश था।

अचानक बढ़ी भीड़ को देखते हुए और किसानों के आक्रोश के बीच मौके पर मावली पुलिस भी आई। बाद में पुलिस और समिति कर्मचारियों ने मिलकर किसानों को शांति से खाद वितरण कराने की अपील की लेकिन किसानों ने कहा कि वे सुबह से आए और 11 बजे गए लेकिन उनको खाद नहीं मिली।

## राशिफल 28 नवम्बर 2025

**पंडित अनिल शर्मा**

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष, अष्टमी तिथि, शुक्रवार, विक्रम सम्वत 2082, शतभिषा नक्षत्र रात्रि 2.50 तक, व्याघात योग गिन 11.05 तक, विष्टिकरण दिन 12.23 तक चन्द्रमा कुम्भ राशि में संचार करेगा।

**ग्रह स्थिति** - सूर्य-वृश्चिक, चन्द्रमा-कुम्भ, मंगल-वृश्चिक, बुध-तुला, गुरु-कर्क, शुक्र-वृश्चिक, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में संचार करेगा।

रवियोग रात्रि 2.50 से आरम्भ होगा। भद्रा दिन 12.23 तक रहेगी। आज शनि मार्गी प्रात 9.25 पर होगा। आज दुर्गाष्टमी, पंचक है।

**श्रेष्ठ चौघडिया** - चट - सूर्योदय से 8.19 तक, लाभ अमृत 8.19 से 10.56 तक, शुभ 12.15 से 1.33 तक, चट 4.10 से सूर्यास्त तक।

**राहुकाल** - 10.30 से 12.00 तक, सूर्योदय 7.00 सूर्यास्त 5.29

**मेष**

आर्थिक -वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक यात्रा सम्भव है। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बडेगी।

**वृष**

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना अच्छा रहेगा। व्यावसायिक परेशानियां दूर होने लगेगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी और व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

**मिथुन**

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

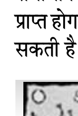

**कर्क**

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

**सिंह**

परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग समन्वय बना रहेगा। आज परिवार में धार्मिक मांगलिक कार्य संपन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

**कन्या**

कन्या - विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा।

**तुला**

तुला - व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच विचार हो सकता है। व्यावसायिक मामलों में महत्वपूर्ण परामर्श मिलेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

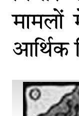

**वृश्चिक**

घर परिवार में अथितियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में सुख-सुविधाएं बडेगी। आज धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

**धनु**

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज मित्रों-रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

**मकर**

मकर - आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। घर परिवार में सुख-सुविधाएं बडेगी।

**कुंभ**

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य में सफलता से मनोबल आत्मविश्वास बडेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

**मीन**

घर-परिवार के कार्यों के कारण भाग-दौड रहेगी। परिवार में अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

# जयपुर रिंग रोड के उत्तरी हिस्से के निर्माण की कार्यवाही तीव्र करें : भजनलाल शर्मा

## प्रस्तावित ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे के जमीन अधिग्रहण को शीघ्र प्रारंभ करें : मुख्यमंत्री

**जयपुर** (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान में सड़क तंत्र को मजबूत व सुरक्षित बनाने एवं विस्तार देने के लिए डबल इंजन की सरकार बड़ी परियोजनाओं पर कार्य कर रही है।

उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण एवं सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों

■ **प्रदेश के रोड नेटवर्क की मजबूती व विस्तार हमारी प्राथमिकता : मुख्यमंत्री**

**मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को अधिकारियों की बैठक लेकर एनएचएआई के कार्यों की समीक्षा की।**

को निर्देश दिए कि गुणवत्ता का ध्यान रखते हुए आपसी समन्वय से समय-सीमा में प्रगतिरत परियोजनाओं को पूरा किया जाए। शर्मा गुरुवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में एनएचएआई के कार्यों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

उन्होंने प्रस्तावित ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे की जमीन अधिग्रहण के संबंध में एनएचएआई को निर्देश दिए कि इस कार्य को शीघ्र प्रारंभ किया जाए। साथ ही, उन्होंने अधिकारियों को जयपुर शहर की यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए रिंग रोड के उत्तरी हिस्से का निर्माण शीघ्र प्रारंभ करने के लिए जमीन अधिग्रहण के कार्य को प्राथमिकता से पूरा करने के संबंध में निर्देशित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिला कलक्टर जयपुर, जयपुर विकास प्राधिकरण, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण एवं सार्वजनिक निर्माण विभाग मिलकर जयपुर से जुड़े महत्वपूर्ण सड़क नेटवर्क पर लॉजिस्टिक पार्क, गोदाम और वेयरहाउस विकसित करने के संबंध में तथ्यात्मक रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उन्होंने 200 फीट चौराहे पर एनएचएआई द्वारा किए जाने वाले विकास कार्यों को शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए। शर्मा को जयपुर-ब्यावर-पचपदरा, जयपुर-किशनगढ़, चितौड़गढ़ बायपास और अलवर-भरतपुर-आगरा सड़क निर्माण के विकास के संबंध में एनएचएआई के अधिकारियों ने जानकारी दी। बैठक में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित मुख्यमंत्री कार्यालय, सार्वजनिक निर्माण विभाग और एनएचएआई के अधिकारी उपस्थित रहे।

## वाईएल फार्मा की एक दवा नकली

**जयपुर** । खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण आयुक्तालय ने वाईएल फार्मा की एक दवा को नकली घोषित किया है। साथ ही, पूरे राज्य में इस दवा के उपयोग एवं विक्रय पर निगरानी के लिए अलर्ट नोटिस जारी किया है। आयुक्त डॉ. टी शुभमंगला ने बताया कि वाईएल फार्मा की दवा लिवोसिट्रीजिन

■ **औषधि नियंत्रण विभाग ने इस कंपनी की अन्य दवाओं के भी नमूने लेने के दिए निर्देश**

डाइहाईक्लोराइड एण्ड मोनटेल्यूकास्ट सोडियम टेबलेट के दो स्थानों से नमूने लिए गए थे। इन नमूनों को जांच के लिए राजकीय औषधि परीक्षण प्रयोगशाला, जयपुर में भेजा गया था, जहां जांच में इस दवा में एक साल्ट मोनटेल्यूकास्ट शून्य पाया गया है। इस आधार पर इस दवा को नकली घोषित किया है। औषधि नियंत्रक, प्रथम अजय फाटक ने बताया कि समस्त सहायक औषधि नियंत्रण एवं समस्त औषधि नियंत्रण अधिकारियों को अलर्ट नोटिस जारी कर इस दवा के उपयोग एवं विक्रय पर पूरी निगरानी रखने एवं अन्य दवाओं के भी नमूने लेने के निर्देश दिए गए हैं।

## सार-समाचार

### कलेक्टर ने किया 3 ईआरओ का सम्मान

**जयपुर** । विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने गुरुवार को जिले के तीन निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारियों को सम्मानित किया। जिला कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम में शाहपुरा निर्वाचक पदाधिकारी संजीव कुमार खेदर, दूदू निवार्चक पदाधिकारी रमेश कुमार एवं बस्सी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी डॉ. गरिमा सिंह को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने बीएलओ से संवाद के दौरान उन्होंने न केवल उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन की मुक्तकंठ से सराहना की, बल्कि यह भी कहा कि उनकी यह प्रतिबद्धता पूरे जिले के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उन्होंने आग्रह किया कि वे अपने अनुभव, ऊर्जा और कार्यकुशलता से अन्य साथियों को प्रेरित कर उन्हें भी लक्ष्य प्राप्ति में मार्गदर्शन दें, ताकि पूरे जिले में पुनरीक्षण अभियान की गति और अधिक मजबूत एवं प्रभावशाली रूप में आगे बढ़ सके। उप जिला निर्वाचन अधिकारी मेघराज मीणा ने बताया कि जयपुर जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत परिगणना कार्य प्रगति पर है। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी निरंतर कार्यक्रम की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। उप जिला निर्वाचन अधिकारी मेघराज मीणा ने बताया कि 36 लाख 75 हजार 806 यानी 76.03 फीसदी से अधिक परिगणना प्रपत्रों का डिजिटलीकरण किया जा चुका है।

### डॉ. अखिल शुक्ला को मिला अवार्ड

**जयपुर** । भारत स्काउट व गाइड संगठन द्वारा देश के सर्वोच्च सम्मान सिल्वर एलीफैंट अवार्ड से राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड के राज्य आयुक्त एवं अधिवक्ता डॉ. अखिल शुक्ला को सम्मानित किया गया। यह सम्मान उत्तर प्रदेश राजभवन में आयोजित समारोह में प्रदान किया गया। समाज सेवा एवं रक्तदान जागरूकता के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए डॉ. शुक्ला देशभर में एक प्रेरक व्यक्तित्व के रूप में जाने जाते हैं। डॉ. शुक्ला वर्ष 1989 से लगातार रक्तदान जागरूकता अभियान से जुडे हुए हैं और वर्तमान में राजस्थान वॉलंटरी ब्लड डोनर्स सोसायटी के अध्यक्ष के रूप में सक्रिय हैं। इसके साथ ही वे हिंदी प्रचार प्रसार संस्थान के अध्यक्ष, राजस्थान विश्वविद्यालय के आजीवन सीनेट सदस्य, सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के सदस्य एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता भी हैं। वे राजस्थान विश्वविद्यालय छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष रह चुके हैं। उधर, भारत स्काउट व गाइड द्वारा लखनऊ में आयोजित भव्य जम्बूरी में हजारों युवा अनुशासन के साथ सहभागिता कर रहे हैं। जम्बूरी में उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी शिरकत कर चुके हैं, जबकि समापन समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के भाग लेने की संभावना है।

### बैडमिंटन लीग में मुकाबला जारी

**जयपुर** । स्पोफिट अकेडमी में 21 नवंबर से जारी डॉक्टर्स बैडमिंटन लीग में 26 नवंबर को खेले गए टीम इवेंट मुकाबलों में, बॉयज वर्ग में आँच टाइटन्स ने शॉल्डर एंड नी सर्जरी क्लीनिक को हराया। लीग संयोजक डॉ. हरीश भारद्वाज तथा लीग आयोजन अध्यक्ष डॉ. अनिल यादव ने बताया कि वरिष्ठ वर्ग में मंगलम प्लस मेडिसिटी हॉस्पिटल ने लीग मैच में एचसीजी हॉस्पिटल को 5-0 से हराया। दोनों ही टीमों ने क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। कदमटेक ने जय गणपति हॉस्पिटल को 5-0 से हराया और क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। लीग आयोजन सचिव डॉ हनुमान खोजा ने बताया कि किड्स डेंटल टीम ने अपने लीग मैचेज समाप्त कर, क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। महिला टीम इवेंट कॉर्डिनेटर प्रेम चौधरी ने बताया कि सम्भव डायग्नोस्टिक और प्रियंका हार्ट एंड जनरल हॉस्पिटल ने अपने अपने ग्रुप में 3-3 टाई जीत कर सेमीफाइनल में अपना स्थान पक्का किया।

### कृषि वैज्ञानिकों का सम्मेलन आज से

**जयपुर** । किसानों की आय बढ़ाने और सतत कृषि को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से, तीन दिवसीय अखिल भारतीय समन्वित कृषि प्रणाली परियोजना की वार्षिक समूह बैठक 28 नवंबर से राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान दुर्गापुरा जयपुर में होगी। राष्ट्रीय कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भागीरथ चौधरी, कृषि राज्य मंत्री भारत सरकार होंगे, जबकि विशिष्ट अतिथि कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीना व भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली के महानिदेशक डॉ. एम एल जाट होंगे। बैठक की अध्यक्षता श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के कुलपति डॉ पुष्पेंद्र सिंह चौहान करेंगे। इस वार्षिक बैठक में देश के 25 राज्यों में स्थापित अखिल भारतीय समन्वित कृषि प्रणाली परियोजना केंद्रों के वैज्ञानिक भाग लेंगे। जो कि कृषि प्रणाली, फसल विविधीकरण और संबंधित अनुसंधान गतिविधियों की प्रगति और उपलब्धियों को प्रस्तुत करेंगे। तीन दिवसीय आयोजन के दौरान ऑन-स्टेशन एवं ऑन-फार्म अनुसंधानों की प्रगति की समीक्षा, मॉडल वैल्यू चेन विकास, अनुसूचित जनजाति तथा अनुसूचित जाति क्षेत्रों में संचालित कार्यक्रमों की प्रगति, प्रशासनिक एवं वित्तीय पहलुओं पर विचार-विमर्श, फसल विविधीकरण कार्यक्रम की समीक्षा होगी। कार्यक्रम के दौरान वैज्ञानिकों के दल के लिए रारी दुर्गापुरा में विकसित उन्नत समन्वित कृषि मॉडल्स का फील्ड भ्रमण भी आयोजित किया जाएगा। यह वार्षिक समूह बैठक कृषि में संसाधन आधारित प्रणाली को मजबूत बनाने, किसानों की आय बढ़ाने, जलवायु परिवर्तन के प्रति अनुकूल तकनीकों को प्रोत्साहन देने तथा सतत एवं लाभकारी कृषि को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश प्रदान करेगी।

### आठवीं क्लास के छात्र ने फांसी लगाई

**जयपुर** । सांगानेर सदर थाना इलाके में गुरुवार को प्राइवेट स्कूल के 8 वीं क्लास के छात्र ने फंदे से लटककर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतार अपने कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए महात्मा गांधी अस्पताल के मुर्दाघर में भिजवाया। वहीं पुलिस ने इस मामले में मर्ग दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। थानाधिकारी अनिल जैमन ने बताया कि वाटिका रोड डेयरी योजना में रहने वाले मोक्ष यादव ने अज्ञात कारणों के चलते फंदे से लटकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतार अपने कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए महात्मा गांधी अस्पताल के मुर्दाघर में भिजवाया। पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि मोक्ष यादव हरियाणा का रहने वाला था और अपनी बुआ के पास रह कर प्रताप नगर स्थित जानकी देवी स्कूल में कक्षा 8वीं की पढ़ाई कर रहा था। पुलिस ने मामले की जानकारी मृतक के परिजनों को दे दी है। बताया जा रहा है कि गुरुवार दोपहर में मोक्ष अपने कमरे में था। काफी देर तक जब मोक्ष यादव बाहर हीं आया और कमरे से कोई हलचल नहीं हुई तो उसकी बुआ उसे देखने के लिए कमरे में गई और मोक्ष को फंदे से लटका देख चिल्लाई। चीख-पुकार की आवाज सुन आसपास के पडोसी भी मौके पर पहुंचे। जिसके बाद पूरे मोहल्ले में सनसनी फैल गई।

# तालाबी भूमि को बारानी भूमि दिखाने पर तहसीलदार सहित तीन कार्मिक निलम्बित

## सांगानेर के पालड़ी परसा गांव का मामला

**जयपुर,** (कासं)। राज्य सरकार द्वारा प्रशासनिक पारदर्शिता, जवाबदेही एवं सुशासन को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अनियमितता और गड़बड़ी करने वाले कार्मिकों के विरुद्ध जीरो टोलरेंस नीति को सख्ती से लागू किया जा रहा है।

इसी क्रम में तहसील सांगानेर के पालड़ी परसा गांव में पेटा तालाबी भूमि को बंजर अथवा बारानी भूमि के तौर पर किस्म परिवर्तन करने के प्रकरण को राज्य सरकार ने बेहद गंभीर अनियमितता माना है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशों की अनुपालना में प्रकरण में संलिप्त

■ **अनियमितता के विरुद्ध मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की जीरो टॉलरेंस नीति**

तहसीलदार सहित तीन कार्मिकों के विरुद्ध त्वरित एवं सख्त कार्यवाही अमल में लाई गई है। प्रकरण में राजस्व मंडल ने सांगानेर तहसीलदार कार्तिकेय लाटा को त्वरित प्रभाव से निलंबित कर दिया। वहीं, जांच कमेटी के रिपोर्ट के आधार पर पटवार हलका देवलिया की हाल पटवारी नयनसी वर्मा एवं पटवार हलका देवलिया के तत्कालीन पटवारी श्री हाकिम सिंह गुर्जर को पूरे प्रकरण में संलिप्तता पाए जाने पर त्वरित प्रभाव निलंबित कर दिया है। मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्देश हैं कि किसी भी लापरवाही, गड़बड़ी या अनियमितता को किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया है कि प्रत्येक शिकायत का त्वरित संज्ञान लेते हुए समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। दोषी कार्मिकों पर कठोर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाए, जिससे भविष्य में ऐसे मामलों की पुनरावृत्ति न हो।

## अफीम तस्करी करने दो गिरफ्तार

**जयपुर** । जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल जिला स्पेशल टीम (क्राइम ब्रांच सीएसटी) ने चित्रकूट थाना इलाके में ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ अफीम की सप्लाई करने वाले दो तस्करों को गिरफ्तार कर उनके पास से 260 ग्राम अवैध मादक पदार्थ अफीम भी जब्त की है। पुलिस उपायुक्त अभिजीत सिंह ने बताया कि ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत चित्रकूट थाना इलाके में कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ अफीम की सप्लाई करने नवीन कुमार और अभिषेक महरिया को गिरफ्तार किया गया है और दोनो ही आरोपित झुंझुनू जिले के रहने वाले है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 260 ग्राम अवैध मादक पदार्थ अफीम बरामद की है।

# 24 तीर्थंकरों ने मानव जाति को दिखाया सही मार्ग : मुख्यमंत्री

**जयपुर** । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि परम पूज्य सुंदर सागर महाराज ज्ञान और अहिंसा का दीपक जलाते हुए समाज का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। उनका जीवन त्याग, तपस्या और करूणा का अद्भुत समन्वय है। हमारी सरकार सभी धर्मों के विकास और संरक्षण के लिए समर्पित है। उन्होंने आमजन से आव्हान किया कि वे जैन मुनियों के उपदेशों को न केवल सुने, बल्कि उन्हें अपने जीवन में भी उतारें। शर्मा गुरूवार को सांगानेर कैम्प कार्यालय में आयोजित आचार्य सुंदर सागर महाराज की दिव्य देशना कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जैन धर्म हमें जीवन जीने की कला सिखाता है। इस धर्म के 24 तीर्थंकरों ने समय-समय पर मानव जाति को सही मार्ग दिखाया है। उन्होंने कहा कि जैन धर्म की सबसे बडी विशेषता 'अहिंसा परमो धर्म' है। ये एक वाक्य नहीं बल्कि सम्पूर्ण जीवन दर्शन है। आज पूरी दुनिया हिंसा से जूझ रही है और जैन धर्म का यह संदेश वर्तमान परिवेश में और अधिक प्रासंगिक हो जाता है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सभी संतो की पद वंदना करते हुए उनका हाथ थामे एसएफएस मानसरोवर स्थित आदिनाथ मंदिर से सांगानेर कैम्प कार्यालय के कार्यक्रम में लेकर आए। इस दौरान मार्ग में पुष्प वर्षा एवं बैंड वादन कर उनका स्वागत-अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में शर्मा को 'मातृ भू सेवक' की मानद उपाधि से अलंकृत भी किया गया।

## किसानों को निर्बाध उर्वरक आपूर्ति के लिए सरकार प्रतिबद्ध : किरोड़ी

**जयपुर** । राज्य के कृषकों को समयबद्ध एवं पर्याप्त मात्रा में उर्वरकों की सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कृषि एवं उद्यानिकी मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल ने पंत कृषि भवन के सभा कक्ष में मीडिया से रूबरू होकर राज्य सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने बताया कि प्रदेश में उर्वरकों की आपूर्ति नियमित रूप से जारी है। राज्य सरकार किसानों को उर्वरकों की निर्बाध रूप से पर्याप्त एवं समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए पूर्णत: प्रतिबद्ध हो कर प्रयासरत हैं तथा जिन जिलों में यूरिया व डीएपी की कमी की स्थिति बनी है वहां तत्काल प्रभाव से पूर्ति करवायी जा रही है।

डॉ. किरोड़ीलाल ने बताया कि प्रदेश में समय पर हुई पर्याप्त वर्षा तथा अक्टूबर माह में दो बार असमायिक वर्षा से भूमि में नमी की उपलब्धता बढ़ी, जिससे कृषकों द्वारा अग्रिम बुवाई में तेजी आई। इस वर्ष 26 नवम्बर तक गत वर्ष की तुलना में 9 लाख हैक्टेयर अधिक क्षेत्र में बुवाई की जा चुकी है। वहीं तिलहनी फसलों में 34 लाख हैक्टेयर एवं खाद्यान्न फसलों में 29 लाख हैक्टेयर क्षेत्रफल में प्रथम सिंचाई के साथ यूरिया की टॉप ड्रेसिंग भी की जा रही है, जिसके परिणामस्वरूप यूरिया की मांग में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है।

कृषि मंत्री ने बताया कि रबी सीजन के पहले दो महीनों-अक्टूबर व नवम्बर-में 7.53 लाख मैट्रिक टन की मांग के विरुद्ध 9.15 लाख मैट्रिक टन यूरिया उपलब्ध करवा दिया गया है। इसके अतिरिक्त 24 हजार मैट्रिक टन की आपूर्ति जारी है तथा आगामी दो दिनों में 31 हजार मैट्रिक टन यूरिया और उपलब्ध होने से माह के अंत तक कुल उपलब्धता 9.70 लाख मैट्रिक टन से अधिक हो जाएगी।

# उर्वरकों की कालाबाजारी व अवैध भंडारण करने वालों के लाइसेंस रद्द करें : मुख्यमंत्री

**जयपुर** (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश में इस बार अच्छी वर्षा होने से किसानों ने रबी फसलों की अग्रिम बुवाई की है। उन्होंने कहा कि किसानों की उर्वरक की मांग के अनुरूप पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध है तथा किसानों को समय पर उर्वरक आपूर्ति में किसी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी।

शर्मा गुरुवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में रबी सीजन - 2025 में उर्वरक के आवंटन, आपूर्ति एवं वर्तमान उपलब्धता की स्थिति की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने सभी जिलों में उर्वरक की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखते हुए आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

शर्मा ने कहा कि कई बार सही जानकारी के अभाव के कारण किसान आवश्यकता से पहले ही अधिक मात्रा में उर्वरक खरीदते हैं। इसलिए सभी जिलों में किसानों को उर्वरक की उपलब्धता की नियमित जानकारी दी जाए तथा विश्वास दिलाया जाए कि उन्हें सरकार समय पर पर्याप्त उर्वरक की आपूर्ति

■ **उर्वरक आपूर्ति संबंधी समस्या दर्ज कराने के लिए सम्पर्क नम्बर जारी करें : भजनलाल शर्मा**

■ **प्रदेश में उर्वरक के अवैध व्यापार व भंडारण के खिलाफ हुई उल्लेखनीय कार्रवाई**

सुनिश्चित करेगी। उन्होंने उर्वरक की आपूर्ति संबंधी समस्या दर्ज कराने के लिए सम्पर्क नम्बर जारी करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अनुदानित यूरिया के गैर कृषि कार्यों तथा अन्य औद्योगिक गतिविधियों में उपयोग पर पूरी तरह से अंकुश लगाया जाए। उर्वरकों की कालाबाजारी एवं अवैध भंडारण के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए तथा ऐसे मामलों में लिप्त विक्रेताओं के लाइसेंस रद्द किए जाएं। शर्मा ने कहा कि प्रदेश से अन्य राज्यों में उर्वरक के परिगमन को रोकने के लिये सीमावर्ती जिलों में सख्त निगरानी की जाए। साथ ही, प्रदेश में अधिक से अधिक ग्राम सेवा सहकारी समितियों के माध्यम से उर्वरक क्रय एवं वितरण के लिए समितियों का सुदृढ़ीकरण किया जाए।

बैठक में बताया गया कृषि विभाग ने उर्वरक की कालाबाजारी एवं अवैध भण्डारण के खिलाफ सख्त कार्यवाही करते हुए 1 अप्रेल 2025 से अब तक 11634 औचक निरीक्षण किए हैं। इसके अन्तर्गत कालाबाजारी के मामलों में 589 कारण बताओ नोटिस, 77 अनुज्ञापत्र निलंबन/निरस्तीकरण तथा 47 एफआईआर दर्ज की गई हैं। वहीं, अवैध भंडारण के मामलों में 30 कारण बताओ नोटिस, 24 अनुज्ञापत्र निलंबन/निरस्तीकरण एवं 27 एफआईआर दर्ज की गई हैं। इसके साथ ही, अमानक गुणवत्ता एवं उर्वरक डायवर्जन के मामलों में भी कार्रवाई की गई है। बैठक में मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित कृषि, सहकारिता एवं संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

## 5.44 करोड़ की बकाया लीज प्रकरण में नीमराना डवलपर्स को जेडीए ट्रिब्यूनल से नहीं मिला स्थगन

**जयपुर** (कासं)। जयपुर विकास प्राधिकरण (जे.डी.ए.) ट्रिब्यूनल ने मैसर्स नीमराना डवलपर्स को 5.44 करोड़ रु. की बकाया लीज राशि जमा नहीं करवाने के मामले में अंतरिम स्टे देने से इनकार कर दिया है।

इस प्रकरण में बिल्डर की ओर से अधिवक्ता एस.एस.सोलंकी ने दलील दी थी कि, उनके मुवक्किल ने एयरपोर्ट प्लाजा में भूखंड संख्या 1 की 8236.47 वर्गमीटर जमीन जेडीए से नीलामी में खरीदी थी। इस जमीन पर बनाए गए 207 फ्लैट्स में से उसने 165 फ्लैट्स लोगों को बेच दिए हैं, 25 फ्लैट्स पर इंटीरियर का काम चल रहा है। ऐसे में उससे सिर्फ उन्हीं फ्लैट्स की लीज राशि वसूली जानी चाहिए, जो उसके पास बचे हुए है। परंतु गत 14

■ **जयपुर विकास प्राधिकरण ने गत 14 नवंबर को बिल्डर को नोटिस थमाकर कुर्की की चेतावनी दी थी**

नवंबर 2025 को जेडीए ने डवलपर को नोटिस देकर 5.44 करोड़ रुपए की बकाया लीज राशि जमा करवाने का नोटिस दिया और संपत्ति कुर्क की चेतावनी दी। जबकि राज्य सरकार के नगरीय विकास विभाग ने 19 फरवरी 2020 को आदेश जारी किया था कि, भवन निर्माता द्वारा फ्लैट्स को अलग-अलग लोगों को बेचने के बाद क्रेता द्वारा ही लीज राशि चुकायी जायेगी। बिल्डर ने वर्ष 2016 में भूखंड आवंटन से लेकर वर्ष 2021 तक की बकाया लीज राशि जेडीए को जमा करवा दी थी, परंतु जेडीए प्रशासन अब यह संपूर्ण राशि डवलपर से लेना चाहता है।

बिल्डर की इस दलील का विरोध करते हुए जेडीए के अधिवक्ता अमित कुडी ने कहा कि, यह पूरी कार्रवाई भू राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 64-ए के तहत की जा रही है। ऐसी स्थिति में जेडीए ट्रिब्यूनल के पास हस्तगत मामले को सुनने का क्षेत्राधिकार नहीं है। वहीं बिल्डर ने यह भी नहीं बताया है कि उसने 165 फ्लैट्स कब-कब और किस तारीख पर लोगों को बेचे है। ऐसे में क्रेताओं पर लीज राशि की गणना किस प्रकार हो सकेगी।

## शातिर वाहन चोर गिरफ्तार

**जयपुर** । नाहरगढ़ थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दुपहिया वाहन चुराने वाले एक शातिर वाहन चोर को पकडा है और उसके पास से एक चोरी का दुपहिया वाहन भी जब्त किया है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करण शर्मा ने बताया कि नाहरगढ़ थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दुपहिया वाहन चुराने वाले शातिर वाहन चोर 38 वर्षीय रामू मीणा निवासी दौसा हाल खानाबदोश नाहरगढ़ जयपुर को गिरफ्तार किया गया है। जिसके पास से एक चोरी का दुपहिया वाहन (स्कूटी) भी बरामद की है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपित नशे का आदी है। जो नशे का शौक पूरा करने के लिए दुपहिया वाहनों की रैकी कर चुराता था।

# कॉमर्स कॉलेज में नवनिर्मित भवन का लोकार्पण किया

**जयपुर** (कासं)। राजस्थान विश्वविद्यालय से संबद्ध कॉमर्स कॉलेज में गुरूवार को नवनिर्मित भवन "ब्लॉक बी" का लोकार्पण राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े ने किया। समारोह की शुरूआत अतिथि सत्कार, राष्ट्रगान एवं विश्वविद्यालय के कुलगीत से हुई।

राज्यपाल ने कहा कि, शिक्षा में स्थापत्य कला का महत्व होता है। इस दृष्टि से वाणिज्य महाविद्यालय (कॉमर्स कॉलेज) के नवनिर्मित भवन का अत्यन्त महत्व है। वाणिज्य, व्यवसाय का महत्वपूर्ण हिस्सा होता है जिसमें बैंकिग, वित्त, विज्ञापन, प्रबन्धन आदि आते हैं। वाणिज्य से बौद्धिक क्षमता बढ़ती है तथा ध्यान से काम करने की आदत बनती है। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर प्रकाश डाला तथा कहा कि 1835-36 में अंग्रजों द्वारा दी गयी शिक्षा नीति में बदलाव कर अब शिक्षा में भारतीयता पर जोर दिया जा रहा है।

विनोवा भावे का नामोल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि देश की आजादी के साथ ही भारतीय शिक्षा नीति अपनानी चाहिए थी इसके साथ ही उन्होंने लॉर्ड मैकाले द्वारा दी गयी शिक्षा नीति की आलोचना भी की। उन्होंने उद्‌बोधन में प्राचीन भारतीय शिक्षा केन्द्रों नालंदा, विक्रमशिला और तक्षशिला का उल्लेख करते हुए कहा कि हमें अपने विश्वविद्यालय को इनसे भी आगे ले जाने की आवश्यकता है। प्राचीन ज्ञान परम्परा पर बल देते हुए उन्होंने मनोज कुमार, अभिनीत फिल्म पूरब-पश्चिम के गाने "जब जीरो दिया मेरे भारत ने, दुनियां को तब गिनती आयी" के माध्यम से कहा कि हमने अपनी संस्कृति और शिक्षा पद्धति से पूरी दुनिया को बहुत कुछ दिया है।

# बीकानेरी रसगुल्ला एवं नमकीन भंडार में लगी आग

**दमकलकर्मियों ने जेसीबी मशीन से शटर तोड़कर आग पर काबू पाया।**

**जयपुर** । श्याम नगर थाना इलाके में स्थित अजमेर रोड पर बीकानेरी रसगुल्ला,नमकी भंडार में गुरुवार सुबह अचानक से भीषण आग लग गई। जिसके बाद अफरा-तफरी का माहौल बन गया। इस भीषण आग ने पास ही मे स्थित एक मैरिज गार्डन को भी अपने आगोश में ले लिया।

बताया जा रहा है कि की लपटे इतनी तेज थी कि दूर -दूर तक दिखाई दे रही थी। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने भीड़ को साइड में हटाया और मामले की जानकारी दमकल विभाग को दी। दमकल विभान की करीब 6 गाड़ियां मौके पर पहुंची और कडी मशक्कत के बाद तीन -चार घंटे में आग पर काबू पाया। प्रथम दृष्टि से आग का मुख्य कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। पुलिस आग लगने के कारणों की जांच -पड़ताल करने में जुटी है। सूचना पर मौके पर पहुंची दमकल दमकलकर्मियों ने पाईपों को अंदर ले जाकर आग पर काबू पाया गया। दमकल विभाग ने आग पर काबू पाने के लिए काफी जोर आजमाईश की। जिस दुकान में आग लगी थी उसका शटर बंद था। दमकल विभाग के कर्मचारियों ने दुकान मालिक का इंतजार किए बिना ही जेसीबी मौके पर बुलवाई और शटर तोड़कर आग पर काबू पाया।

बताया जा रहा है कि बिना किसी जनहानि के आग पर कुछ ही घंटों में काबू पा लिया गया। लेकिन इस आग में मैरिज गार्डन और नमकीन भंडार में लाखों रुपयों का सामान आग की भेंट चढ़ गया। गनीमत रही कि मौके से 3-4 एलपीजी गैस सिलेंडर समय रहते हटा दिए, अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था।

## Fur-Free Friday: Championing Compassion Over Fashion

Fur-Free Friday, observed on the day after Thanksgiving, is a global movement dedicated to raising awareness about animal cruelty in the fur industry. On this day, activists and animal lovers unite to advocate for ethical, cruelty-free fashion choices. Through peaceful protests, social media campaigns, and educational drives, the event urges brands and consumers alike to reject real fur and embrace sustainable, humane alternatives. More than a campaign, Fur-Free Friday is a call for compassion, reminding the world that true style never comes at the cost of another creature's suffering.

#SCULPTURE

# The Story of an Ancient Roman Goat

The work exemplifies the Roman fascination with both realism and ideal beauty

In the quiet poise of marble, one of the most unexpected stars of ancient Roman sculpture takes shape, a resting goat, captured in stone with both tenderness and vitality. This remarkable piece, on view at the Kimbell Art Museum in the exhibition 'Myth and Marble: Ancient Roman Sculpture from the Torlonia Collection,' offers an intimate look at how Roman artists, and later, their Baroque admirers, infused even humble creatures with grace and grandeur.

### An Ancient Work Re-imagined

Titled 'Statue of a Resting Goat,' the sculpture dates to the Imperial Period, Trajanic Era (late 1st century CE). The work exemplifies the Roman fascination with both realism and ideal beauty. Romans often copied and adapted Greek originals, but this piece goes further, blending naturalistic anatomy with serene composure that makes the animal feel almost human in its stillness.

What makes this goat especially intriguing is its dual authorship across time. The body of the statue is ancient Roman, but the head was later reworked and attributed to none other than Gian Lorenzo Bernini (1598-1680), the Baroque master sculptor who brought marble to life with an unmatched sense of motion and emotion. Bernini's addition bridges two worlds: the classical past and the exuberant Baroque era, showing how Rome's artistic legacy was never static, but constantly reinterpreted.

### The Torlonia Collection

The piece belongs to the Torlonia Collection, one of the most important private collections of ancient sculpture in the world. Assembled by the wealthy Torlonia family in the 18th and 19th centuries, the collection preserves hundreds of Roman masterpieces that have rarely been seen outside Italy, making this exhibition a once-in-a-lifetime opportunity for museumgoers.

### The Goat as Symbol

In Roman art, animals were far more than decorative motifs. The goat, in particular, carried symbolic resonance, linked to rustic life, fertility, and the wild god Pan, whose half-goat form embodied the untamed forces of nature. In this sculpture, though, the goat rests, its wildness subdued, its pose calm and contemplative, as if it has found harmony between nature and civilization.

### Curatorial Insight

Jennifer Casler Price, senior curator of Asian, African, and Ancient American Art at the Kimbell, notes how such works reveal the deep dialogue between past and present that defines Roman sculpture. "Even something as modest as a resting goat," she explains, "can show us the Romans' extraordinary ability to observe, reinterpret, and elevate the natural world."

### Visit 'Myth and Marble'

"Myth and Marble: Ancient Roman Sculpture from the Torlonia Collection" is on view at the Kimbell Art Museum through January 25. The exhibition gathers over 90 masterpieces, from emperors and gods to animals like this remarkable goat, each one testifying to the enduring power of classical art to speak across millennia.

# Ni'mat Khan's garden of triangles

Anjali Sharma
*Senior Journalist & Wildlife Enthusiast*

Traditionally, medieval gardens have been viewed as spaces for elite enjoyment, social gatherings, relaxation and exchange of ideas. And this ideology is not only restricted to those enjoying the floral ecstasies of mother nature, but even in the landscape planning. Garden design in the period often employed trends such as astrology, geomancy, magic and numerology to enhance the experience and impact of such sensory spaces. So seriously were these factors regarded that, according to a 16th century text, a massive garden in the kingdom of Ahmednagar (present-day Maharashtra) was redone just because of triangles.

Ni'mat Khan, a courtier under Murtaza Nizam Shah I in the Indian subcontinent's Deccan region, was ordered to construct a garden and a subterranean canal. The noble immediately occupied himself with the task at hand and, according to Tabatabai, a Nizam Shahi historian who wrote about the incident in AD 1576, 'after a few days, such a garden and edifices were built that the highest paradise melted in the fire of envy.' The garden was named Farah Bakhsh (Joy Bestowing), adjacent to the Farah Bakhsh Palace.

Farah Bakhsh, however, failed to please the Shah. Historian Firishta writes, "When Murtaza Nizam Shah went to that garden for amusement, it did not appeal to him…he dismissed Ni'mat Khan from the post of superintendent of that garden, and instructed Salabat Khan to pull down the building on which immense sums of money had been spent, and constructed another in its place." Tabatabai's account adds to this information a small but significant detail, that the structure comprised numerous triangles. But why would the Shia king have such a violent reaction against a seemingly splendid garden? To understand this, two things are important, first, the knowledge that buildings were as essential to the garden as plants, in both Indic and Persianate cultures, and second requires us to take a small detour to the court of Bijapur ruled by Murtaza's brother-in-law, Ali Adil Shah I.

The Bijapuri ruler had written a significant treatise called Nujum al-'Ulum (The Stars of the Sciences). This text had a particular description for Mirrikh (Mars/Mangal), that 'his buildings are triangular (musallas).' Anyone worth his salt in medieval India would know that the planet Mirrikh was considered inauspicious in the Indic, Persianate and Hellenistic traditions. So, it's no surprise that Nizam Shah ordered the demolition of a stunning garden upon seeing triangular structures. Interestingly, such astronomical connections weren't restricted to shapes. The 6th century text Brihat Samhita prescribes specific nakshatras (constellations) for planting trees. Dr. S Natesh, who has worked extensively on plants and environment conservation, says, "Some Puranas also prescribe each person born under a specific star to plant a particular tree."

### Turning the globe

Astrology has played a perennial role in medieval gardens, starting from the cycles of planting to pruning and fertilising. Ahmednagar and Bijapur are not the only places where one finds a reference to astrology intersecting with aesthetics in the medieval world. The 17th century masnavi (collection of poems) *Falak al-Buruj* by Ruh al-Amin is also arranged around the two intersecting themes. Turning the globe further, one finds an interplay between iconography and astronomy in examining the sundials decorating the early modern Roman gardens of Villa Aldobrandini of Frascati (Italy). Aside from astrology, the discourse of gardens also pervaded other discourses, such as that of geomancy that informed the elite culture of the Ming dynasty in China, showing its manifestations in both garden design and landscape painting.

The humble administrator's garden (Suzhou) reveals the propensity for geomancy and mathematics in architecture and landscape design.

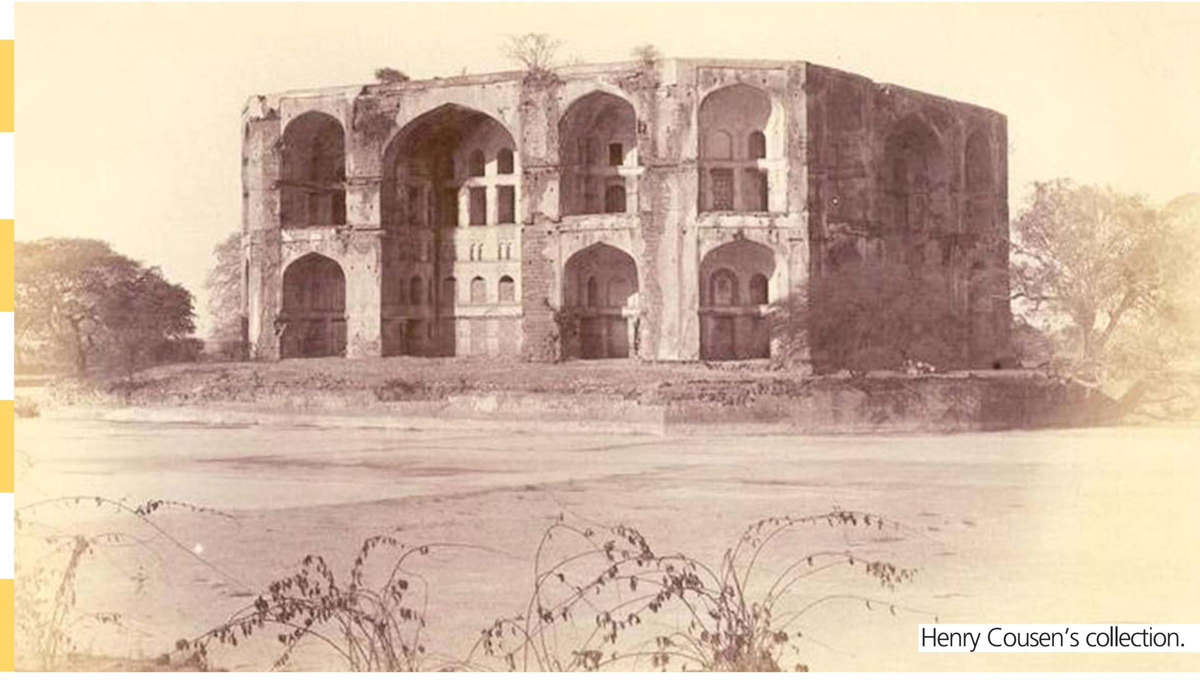

Henry Cousen's collection.

Meister des Nujûm-al 'Ulûm Manuscripts.

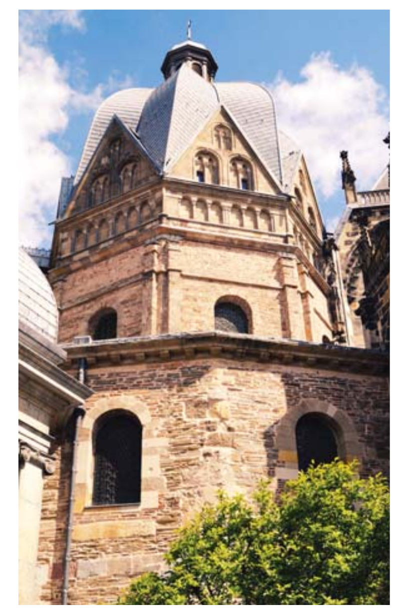

Palatine Chapel cathedral Aachen Gre portion structure.

Astronomical symbolism in the Carolingian period.

#GARDEN

Basilica di San Pietro in Vaticano.

Humble Administrator's Garden (Suzhou), the garden of Wen Zhengming's poems and paintings (15th-16th centuries) and a UNESCO World Heritage Site, reveals the propensity for geomancy and mathematics in architecture and landscape design.

Returning to Farah Bakhsh, the site of our contestations, Deccan sultanates' scholar Emma J Flatt argues that a garden could often become the space where the competency of nobles in courtly skills, like garden design and astrology, could be tested or demonstrated. She adds that "Ni'mat Khan's lack of education and low origins is dramatically revealed in the exemplary ethical and didactic space of a garden when he builds a garden 'made of triangles,' a garden that by its shape is drawing the influence of the inauspicious planet Mirrikh upon the kingdom of Ahmednagar." His garden, despite its obvious beauty, was, therefore, unacceptable and, while lacking these qualities, he couldn't be a 'real' noble.

Gardens have been significant institutions for the elites of South Asia since the Mauryan times (322-185 BCE). Popular imaginations of medieval gardens, however, constantly conjure up images of symmetrically planned, quadripartite, walled gardens with water channels, the Mughal Charbagh. Early garden sites lacking these features have been overlooked and are poorly preserved as compared to their Mughal or Timurid peers. This has, therefore, necessitated the need to find sources, other than monumental, to study the question of garden traditions of the Deccani kingdoms.

### Roots of society and culture

Scholars such as Craig Clunas and Dixon Hunt have lit a path away from the rather restricted focus on gardens as physical objects of enquiry. This makes it possible for us to interrogate literary and sculptural sources, aside from archaeological sources, which reveal the history of the garden as a cultural institution that represented the attitudes and practices of the people who patronised, constructed, took care of and experienced these gardens.

According to French historian and critic Hippolyte Taine, a lot can be revealed about the motive and psychology of people through their literature. Gardens, like literature and paintings, are most indicative of the moment and milieu in which they are borne. The story of Ni'mat Khan's garden of triangles is only one analysis of how the discourses of astrology and magic prevalent in medieval Deccan influenced garden design and practices. Studies into the actual practices of gardens can help rediscover many such sites that contribute significantly to our understanding of the cultural, social, and religious currents of South Asia.

> Astrology has played a perennial role in medieval gardens, starting from the cycles of planting to pruning and fertilising. Ahmednagar and Bijapur are not the only places where one finds a reference to astrology intersecting with aesthetics in the medieval world. The 17th century masnavi (collection of poems) *Falak al-Buruj* by Ruh al-Amin is also arranged around the two intersecting themes.

From a few sporadic pieces of news contained in studies of historical nature, we know that, with all probability, the apprentice architect in the field of Byzantine culture had to face the study of the quadrivium, i.e., arithmetic, astronomy, geometry and music. Even if it is not possible to know the degree of depth of knowledge of the various disciplines involved in the training, it is likely that notions of general knowledge were given, useful for dealing with the basic needs already identified by Vitruvius in his study.

Manuela Incerti's Astronomical Knowledge in the Sacred Architecture is the fields of research for architecture Orientation between the ninth and the tenth centuries. Calcidius Macrobius, Martianus Mineus Felix Capella, Boethius, Cassiodorus, Isidorus Hispalensis, the Venerable Bede, Iohannes Scotus Eriugena and other authors produced an important series of Latin studies. The merit of this phase of scientific culture is that of having given a certain structure to the various disciplines by condensing in the quadrivium, the surviving nucleus of ancient scientific culture. The teaching of these four disciplines is already present in the Carolingian school of thought coordinated by Alcuin (735-804) [CISAM 1972; Leonardi 1981; Frova 1974] which directed its attention towards music, astronomy, and astrology.

St. Peter's Basilica is a familiar cultural landmark, begun under the patronage of Pope Julius II by the architect Donate Bramante and substantially completed by Michelangelo. Following a common Renaissance practice, a horoscope was produced for the foundation ceremony of the great structure. It suggests several features of Renaissance astrological practice in coordinating the heavens with the earth. This essay argues that the horoscope published in 1552 is not the original horoscope but, rather, a 'rectified' chart made after the church construction had been stalled for nearly forty years; that the date had been chosen according to religious and political dictates, and so, the astrologer(s) had to work with the planetary positions that pertained on 18 April 1506; that the astrologer(s) chose the time of day, a time correctly noted not in the published horoscope but in the diary of Julius's personal secretary, because it coordinated the founding of the basilica with the important horoscopes of its patron and its region; that the primary patron of the basilica was not Julius but, rather, Christ, whose geniture was discussed in astrological texts of this era; that the coordination of the basilica's horoscope with that of Christ simultaneously coordinated the great structure with the thema mundi, the horoscope for the birth of the world; and that several putative horoscopes for Julius II seem related to those of the basilica and of Christ.

rajeshsharma1049@gmail.com

> Deccan sultanates' scholar Emma J Flatt argues that a garden could often become the space where the competency of nobles in courtly skills, like garden design and astrology, could be tested or demonstrated. She adds that "Ni'mat Khan's lack of education and low origins is dramatically revealed in the exemplary ethical and didactic space of a garden when he builds a garden 'made of triangles,' a garden that by its shape is drawing the influence of the inauspicious planet Mirrikh upon the kingdom of Ahmednagar." His garden, despite its obvious beauty, was, therefore, unacceptable and, while lacking these qualities, he couldn't be a 'real' noble.

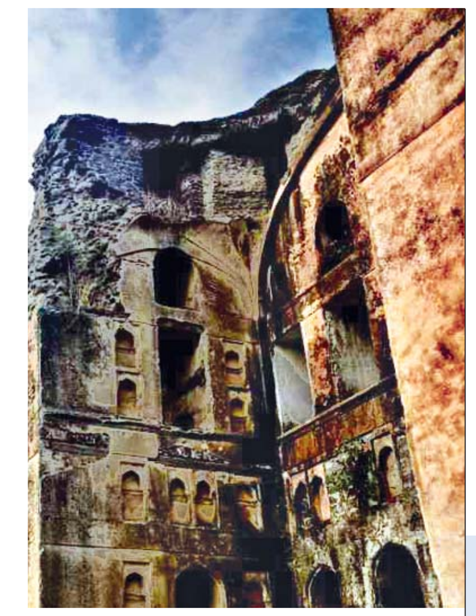

Farah Bagh as it stands today in Ahmednagar.

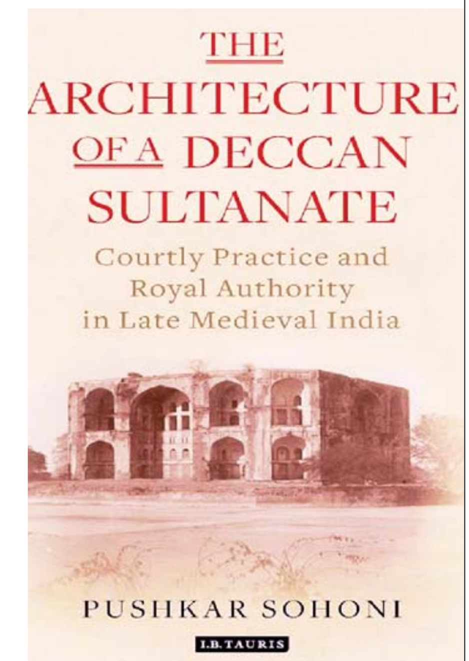

Faria Bagh, Ahmednagar.

#REMEMBERING

# Dr. B.R. Ambedkar's 1955 BBC Interview on Caste and Gandhi

Gandhi advocated for the abolition of untouchability but maintained support for the broader *varna* system

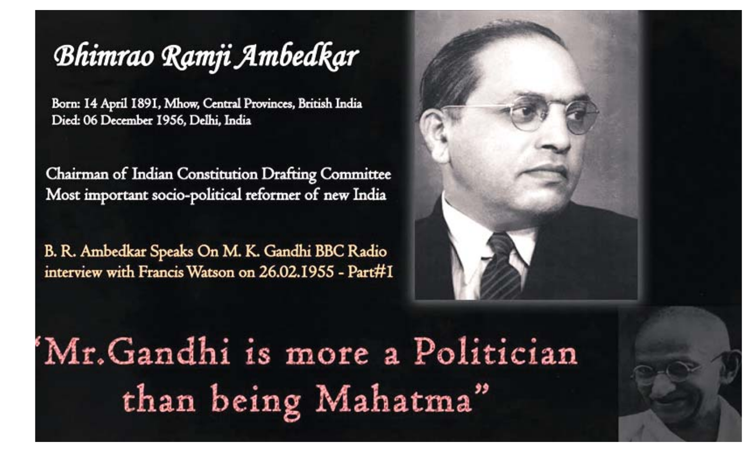


Dr. Bhimrao Ramji Ambedkar, whose ideas and activism laid the foundation for a more just and inclusive India, is remembered always. Dr. Ambedkar, born in 1891 into a Dalit family, in what is now Madhya Pradesh, rose from the most marginalized strata of Indian society to become a global voice against oppression and inequality. Ambedkar's life and ideas continue to resonate deeply with millions across the country and beyond. A fierce opponent of the caste system, he dedicated his life to fighting the social, political, and economic exclusion of Dalits, then referred to as 'untouchables.' One of the most important records of his thoughts in his own voice is a rare and remarkably candid interview he gave to the BBC in 1955, just one year before he converted to Buddhism and a year before his death.

In this historic interview, Dr. Ambedkar speaks plainly and passionately about the deep injustices of the caste system, his ideological rift with Mahatma Gandhi, and his critical view of the Indian independence movement, which, in his opinion, did not represent the interests of the oppressed classes.

### On the Caste System

Ambedkar's critique of the caste system was uncompromising. "Caste is not just a division of labour, it is a division of labourers," he asserted in various writings, a sentiment echoed in his interview. He denounced caste as a system rooted in graded inequality and hereditary status, which denied basic human rights and dignity to vast sections of Indian society.

He rejected the notion that caste could be reformed from within the Hindu social order. According to him, caste was a rigid, inhuman hierarchy sustained by religious and cultural norms that needed complete dismantling, not just cosmetic reform.

### On Mahatma Gandhi

The interview also touched upon his complex and often adversarial relationship with Mahatma Gandhi. While both leaders sought upliftment for the oppressed, their methods and ideologies starkly diverged. Gandhi advocated for the abolition of untouchability but maintained support for the broader varna system, which Ambedkar believed perpetuated inequality.

"Gandhi was never against caste. In fact, he believed in varna, and his idea was that each person should do the job they are born into," Ambedkar said. This fundamental disagreement came to a head during the Poona Pact of 1932, when Ambedkar was forced to give up his demand for a separate electorate for Dalits under immense pressure, including a hunger strike by Gandhi.

Ambedkar later wrote that the Pact was a compromise made under duress, and that Gandhi's actions, while politically effective, ultimately delayed the full political empowerment of Dalits.

### On the Freedom Struggle

While Ambedkar welcomed the end of British colonial rule, he did not romanticize the nationalist movement. He believed that the struggle for freedom had largely been led by upper-caste elites who failed to include Dalit voices or address their suffering. "What use is political freedom if the social structure remains oppressive?" he questioned in various speeches.

This point is clearly echoed in the BBC interview, where he stresses that independence did not automatically translate into social justice. The challenges of caste, landlessness, and poverty persisted, especially for India's most vulnerable communities.

### Legacy and Relevance Today

Dr. Ambedkar's 1955 interview remains deeply relevant in today's India. In an age where caste discrimination still surfaces in both overt and subtle forms, from manual scavenging and honour killings to unequal access to education and employment, his words continue to serve as a call to action.

His legacy extends beyond his role in framing the Constitution. By choosing to convert to Buddhism in 1956 along with hundreds of thousands of followers, he sent a powerful message of spiritual and social emancipation. His vision of an India built on liberty, equality, and fraternity still defines the aspirations of a democratic nation.

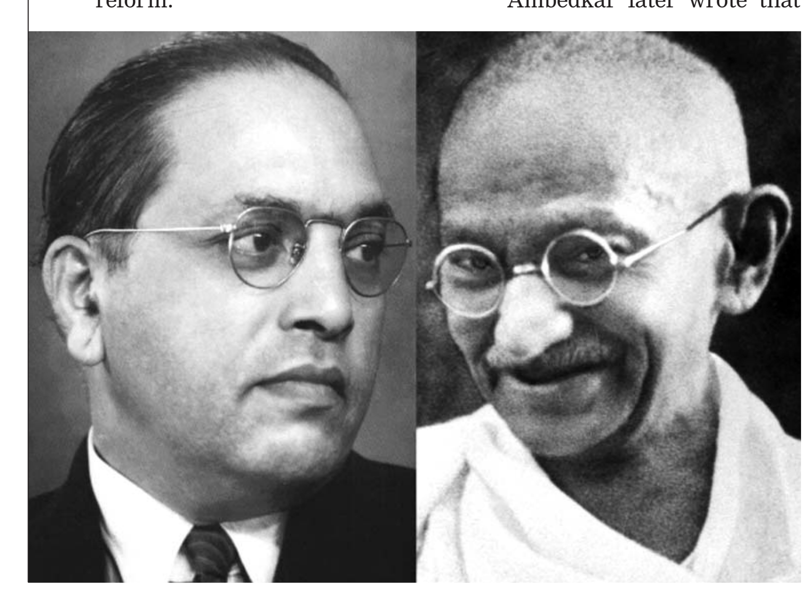

THE WALL

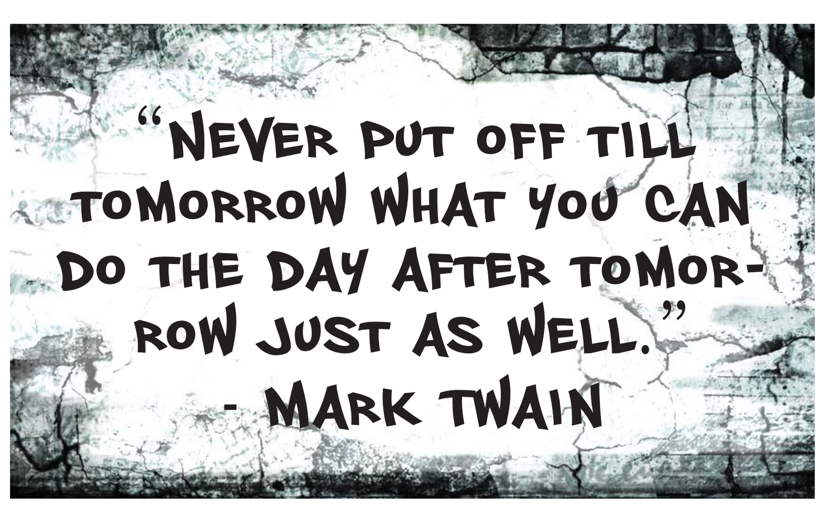


BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

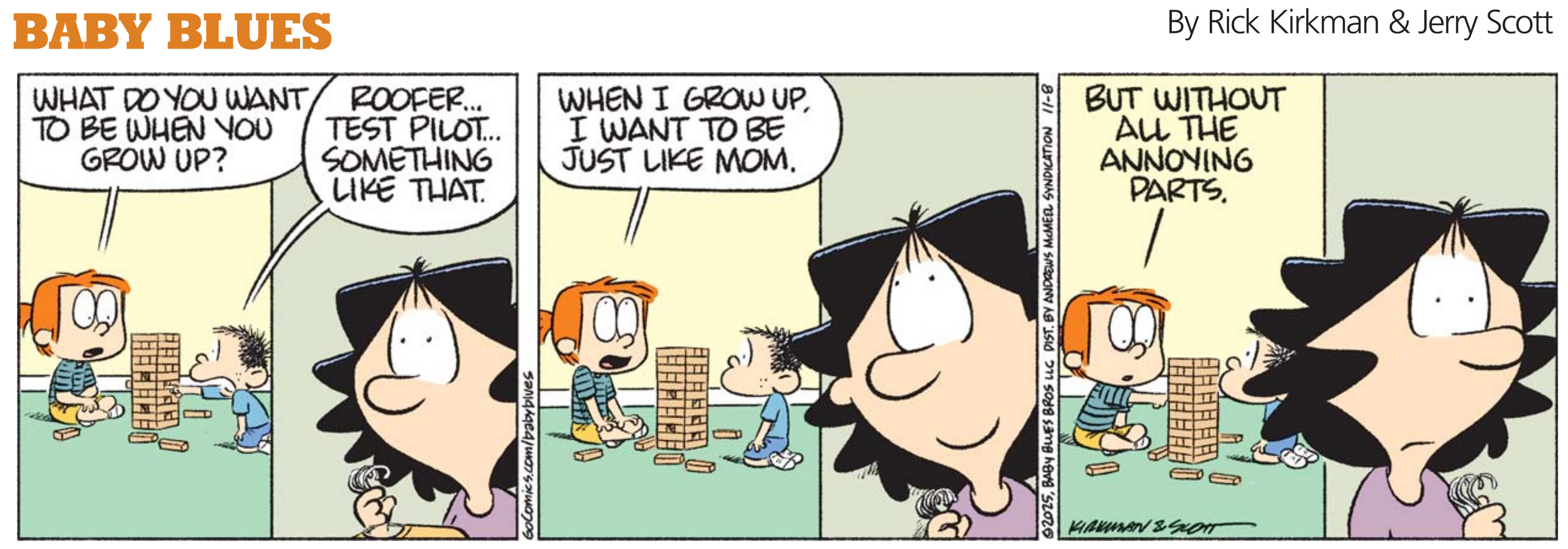


ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

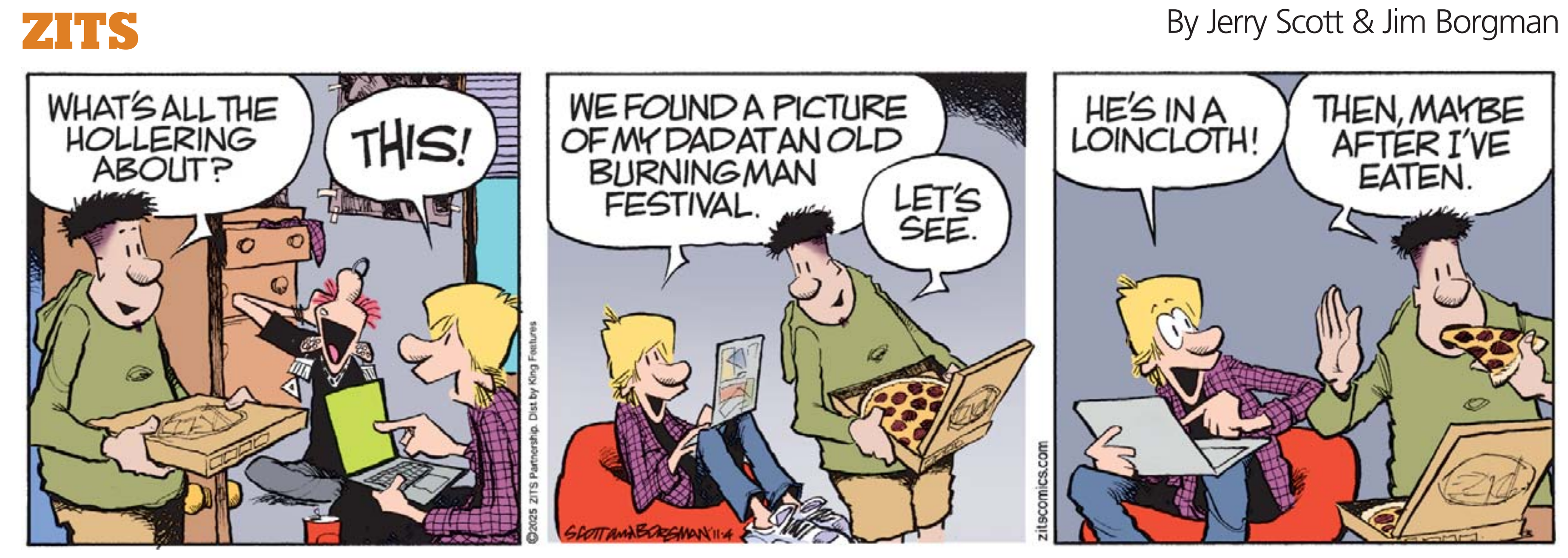

भारतीय क्रिकेट में बहुत कुछ दांव पर होता है, लेकिन कोच बल्ला लेकर खेल में नहीं उतर सकता। खिलाड़ियों को प्रदर्शन की जिम्मेदारी खुद लेनी होगी। - आर. अश्विन

भारतीय गेंदबाज, दक्षिण अफ्रीका से हारने के बाद बोलते हुए।

**आज का खिलाड़ी**

## दीप्ति शर्मा

**दीप्ति शर्मा** टाटा डब्ल्यूपीएल ऑक्शन में यूपी वरियर्ज को राइट-टू-मैच के जरिए 3.2 करोड़ रुपये में बिकने वाली दूसरी सबसे महंगी खिलाड़ी बनीं। जियोहॉटस्टार के 'मैच सेंटर लाइव ऑक्शन स्पेशल' पर बात करते हुए, दीप्ति ने फ्रेंचाइजी में वापसी को लेकर अपनी खुशी शेयर की, अपनी बैटिंग में आए बदलाव का क्रेडिट डब्ल्यूपीएल को दिया, और अपनी सबसे ज़्यादा इंतज़ार की जाने वाली नई टीममेट के तौर पर फ़ोबे लिचफ़ील्ड को चुना। अलग-अलग टीमों के नए प्लेयर्स को यूपी वरियर्ज में शामिल होते देखकर मुझे बहुत पॉज़िटिव महसूस हो रहा है।

**क्या आप जानते हैं ?...** टेस्ट क्रिकेट में साउथ अफ्रीका के लिए सबसे ज्यादा विकेट डेल स्टेन के नाम है। उन्होंने 93 मैच की 171 पारी में 439 विकेट चटकाए हैं।

### चतुर्थ डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम स्मृति टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता

## रोहन का अर्द्धशतक बेकार, जसवंत व अनामिक ने कृष्णा को 1 रन से जीत दिलाई

जयपुर, 27 नवम्बर। मैत्री क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित आज हुकम सिंह क्रिकेट ग्राउण्ड हाथोज में चतुर्थ डॉ. ए.पी.जे अब्दुल कलाम स्मृति टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत्त आज खेले गये पूल-सी के मुकाबले में कृष्णा क्रिकेट एकेडमी ने जसवंत चौहान 37 रन, 4 ओवर में 24 रन देकर 1 विकेट के ऑलराउण्ड प्रदर्शन तथा अनामिक 21 रन पर 3 विकेट की शानदार गेंदबाजी की बदौलत शास्त्री क्रिकेट एकेडमी को रोहन सिंह 56 रन के अद्धर्शतक के बावजूद रोमांचक मैच में 1 रन से हराकर महत्वपूर्ण 2 अंक अर्जित किये। टॉस जीतकर कृष्णा क्रिकेट एकेडमी पहले बल्लेबाजी करते हुए जसवंत चौहान 37 रन, दर्शन जैन 20 रन, राहुल शर्मा 20 रन, दिनेश यादव 20 रन, जितेन्द्र यादव 14 रन, अनामिक 13 रन व सौरव बद्री 12 रन नाबाद की मदद से निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट खोर 143 रन बनाये। गेंदबाजी में शास्त्री क्रिकेट एकेडमी की ओर से एस.एस. शर्मा, तनवीर खान, सुहान पठान, हर्ष सैनी व अल्तमश शेख प्रत्येक 1-1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहे। जवाबी पारी में शास्त्री क्रिकेट एकेडमी ने अपने 4 विकेट 5 ओवर में मात्र 31 रन पर गवा दिये। 5 विकेट पर रोहन सिंह 56 रन (40 गेंद, 5 चौके, 3 छक्के), मुकीम 31 रन ने मिलकर पांचवे विकेट पर 85 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी निभाकर मैच शास्त्री क्रिकेट एकेडमी के पक्ष में कर दिया। लेकिन निचले क्रम के बल्लेबाज हर्षित शर्मा 18 तथा कप्तान हर्ष सैनी 12 रन ने अपनी टीम को चौके, छक्के मारकर जीत दिलाने का भरसक प्रयास किया। लेकिन कृष्णा क्रिकेट एकेडमी के गेंदबाजों ने अनामिक 21 रन पर 3 विकेट, राहुल शर्मा 25 रन पर 2 विकेट तथा जसवंत चौहान 24 रन पर 1 विकेट ने कसी हुई गेंदबाजी करते हुये शास्त्री क्रिकेट एकेडमी की टीम को 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 142 रन तक सीमित कर दिया और बहुत ही नज़दीकी मुकाबले में मात्र 1 रन से विजय हासिल कर ली। इस मैच का मैन ऑफ दी मैच जसवंत चौहान कृष्णा क्रिकेट एकेडमी रहे।

## असम जनवरी में संतोष ट्रॉफी 2025-26 के फाइनल राउंड की मेजबानी करेगा

नई दिल्ली, 27 नवंबर। संतोष ट्रॉफी 2025-26 के लिए 79वीं नेशनल फुटबॉल चैंपियनशिप का फाइनल राउंड जनवरी 2026 में असम में होगा। ग्रुप स्टेज 15 से 26 दिसंबर तक नौ जगहों पर होंगे। ग्रुप स्टेज में 35 टीमें हिस्सा लेंगी, जिसमें नौ ग्रुप होंगे (आठ ग्रुप में चार टीमें और एक ग्रुप में तीन टीमें)। ग्रुप विनर मेजबान असम, पिछले सीज़न के चैंपियन पश्चिम बंगाल और रनर-अप केरल के साथ 12 टीमों के फाइनल राउंड में शामिल होंगे, जो ढकुआखाना और धेमाजी में होस्ट किया जाएगा। असम ने पिछली बार 2010-11 सीजन में संतोष ट्रॉफी फाइनल राउंड की मेजबानी की थी, जब पश्चिम बंगाल ने मणिपुर को हराकर गुवाहाटी में ट्रॉफी जीती थी।

## अफगानिस्तान अंडर-19 टीम ने भारत को 65 रनों से हराया

बेंगलुरु, 27 नवंबर। कप्तान महबूब खान (50) और अजीज़ुल्लाह मिआखिल (60) की अर्धशतकीय पारियों के बाद गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर अफगानिस्तान अंडर-19 टीम ने गुरुवार को त्रिकोणीय श्रृंखला के छठे एकदिवसीय मुकाबले में भारत ए अंडर-19 टीम को 65 रनों से हरा दिया। इस जीत के साथ ही अफगानिस्तान की टीम चार मैचों में तीन जीत के साथ 12 अंकों लेकर तालिका में शीर्ष पर पहुंच गयी है।

## बीसीसीआई अंडर-23 वीमेन टी-20 में राजस्थान जीती

जयपुर, 27 नवम्बर। बीसीसीआई अंडर 23 वीमेन टी 20 ट्रॉफी ( राजस्थान -जम्मू कश्मीर मैच ) राजस्थान जीती। नागपुर में आज खेले गए राजस्थान - जम्मू कश्मीर मैच में राजस्थान ने जम्मू कश्मीर को 7 विकेट से हराया। जम्मू कश्मीर पारी 114 / 4, टीम के लिए बावनदीप 43, मान्या 44 रन। राजस्थान की गेंदबाज सिद्दी शर्मा, शानू, याना 1-1 विकेट। राजस्थान पारी 117/3, टीम के लिए चंद्रज्योत्सना नाबाद 50, पार्वती 24, डिंपल कँवर 22 व अंजलि जाट नाबाद 12 रन।जम्मू कश्मीर की गेंदबाज मान्या 12 / 2 विकेट।

## अंडर-19 कूच बिहार ट्रॉफी मैच हेतु राजस्थान टीम घोषित

जयपुर, 27 नवंबर। बीसीसीआई की अंडर 19 कूचबिहारट्रॉफी (डेज) के लिए विधर्भ के विरुद आगामी मैच के लिए राजस्थान जूनियर चयन कमेटी ने राजस्थान टीम का चयन किया। अंडर 19 कूच बिहार ट्रॉफी ( डेज ) के लिए घोषित राजस्थान टीम :- कुशाग्र ओझा (कप्तान), मनय कटारिया (उपकप्तान), आदित्य सैनी, नावेदखान, जतिन सैनी, हनी प्रताप सिंह, अभिषेक मूंड, केतन देवासी, देवांश जैसवाल, रजत बघेल, रक्षित लुनावत, प्रखर शर्मा, शुभांकर त्यागी, गौरव, विनोद कुमावत।

# ऑस्ट्रेलिया ने राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेजबानी भारत को दिये जाने का किया स्वागत

### यह ग्लोबल स्पोर्टिंग प्रतियोगिता के सौ साल पूरे होने का जश्न : बेन ह्यूस्टन

ग्लासगो (स्कॉटलैंड), 27 नवंबर। ऑस्ट्रेलिया ने राष्ट्रमंडल खेल 2030 की मेजबानी भारत को दिये जाने की घोषणा का स्वागत करते हुए कहा कि यह ग्लोबल स्पोर्टिंग प्रतियोगिता के सौ साल पूरे होने का जश्न है।

कॉमनवेल्थ ऑस्ट्रेलिया के अध्यक्ष बेन ह्यूस्टन ने भारत को बधाई देते हुए कहा, अमदाबाद, हम आ रहे हैं। भारत को हमारी बधाई, एक मजबूत और सोची-समझी बोली के लिए जो कॉमनवेल्थ गेम्स के एक नए अध्याय की शुरुआत करती है, गेम्स की सौवीं सालगिरह मनाने के लिए एक मेजबानी देती है, और ऑस्ट्रेलिया के एथलीटों को ब्रिस्बेन 2032 ओलंपिक और पैरालंपिक गेम्स से केवल दो साल पहले मुकाबला करने के लिए तैयार करती है। ह्यूस्टन ने कहा, राष्ट्रमंडल खेल अभियान के लिए यह पल कितना अहम है, इसे कम आंकना मुश्किल है। उन्होंने कहा कि विक्टोरिया 2026 के कैंसिल होने से सिस्टम को झटका लगा है, जिसमें कॉमनवेल्थ के देशों ने न केवल अगले साल ग्लासगो को होस्ट करने के लिए, बल्कि 2030 के लिए एक जोशीला होस्ट और भविष्य के गेम्स का स्वागत करने के लिए तैयार और काबिल शहरों की एक लाइन के लिए भी पूरी तरह से तैयार रिस्पॉन्स देखा है।

उन्होंने कहा, हम राष्ट्रमंडल खेलों इसके एग्जीक्यूटिव बोर्ड और बिड प्रोसेस में शामिल सभी लोगों की उनकी कोशिशों के लिए तारीफ करते हैं और ऐसे भविष्य की उम्मीद करते हैं जो ऑस्ट्रेलिया के एथलीटों के लिए प्रेरणा देने वाले और असरदार मौके देगा। अहमदाबाद के 2030 का मेजबान शहर की पुष्टि होने के साथ ही राष्ट्रमंडल खेलों के लिए स्पोर्ट्स की एक शुरुआती सूची भी जारी की।

एथलेटिक्स और पैरा-एथलेटिक्स, बाउल्स और पैरा-बाउल्स, बॉक्सिंग, आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक्स, नेटबॉल, स्विमिंग और पैरा-स्विमिंग, टेबल टेनिस और पैरा-टेबल टेनिस, और वेटलिफ्टिंग और पैरा-पावरलिफ्टिंग सभी को शामिल किया गया है। अब 2030 के बाकी स्पोर्ट्स प्रोग्राम को तय करने के लिए एक सिलेक्शन प्रोसेस होगा। गेम्स में कुल 15 से 17 खेल होने की उम्मीद है, और आखिरी कार्यक्रम की 2026 में पुष्टि होगी।

## दक्षिण अफ्रीका से टेस्ट सीरीज में भारत की हार के बाद ऋषभ पंत ने माफी मांगी

नई दिल्ली, 27 नवंबर। भारत के विकेटकीपर ऋषभ पंत ने हाल ही में हुई टेस्ट सीरीज में नेशनल टीम के खराब प्रदर्शन के बाद गुरुवार को इंस्टाग्राम पर माफ़ी मांगी, और माना कि भारत ने "पिछले दो हफ़्तों में अच्छा क्रिकेट नहीं खेला" और उन्होंने मजबूत वापसी का वादा किया।

पंत ने लिखा, "इस बात से कोई इनकार नहीं कर सकता कि हमने पिछले दो हफ़्तों में अच्छा क्रिकेट नहीं खेला। एक टीम और एक व्यक्ति के तौर पर, हम हमेशा सबसे ऊंचे लेवल पर परफॉर्म करना चाहते हैं और अरबों भारतीयों के चेहरे पर मुस्कान लाना चाहते हैं। माफ करना, हम इस बार उम्मीदों पर खरे नहीं उतर सके, लेकिन खेल आपको सीखना, ढलना और आगे बढ़ना सिखाता है - एक टीम और एक व्यक्ति के तौर पर भी।"

यह मैसेज भारत की दक्षिण अफ्रीका से घरेलू टेस्ट सीरीज में 2-0 से हार के बाद आया है, इस नतीजे की फैंस और पुराने खिलाड़ियों ने कड़ी आलोचना की है। भारत को दो बड़ी हार का सामना करना पड़ा, जिसमें टेस्ट इतिहास में रनों से उसकी सबसे बड़ी हार भी शामिल है। उन्होंने कहा, भारत को रिप्रेजेंट करना हमारी ज़िंदगी का सबसे बड़ा सम्मान है। हम जानते हैं कि यह टीम क्या कर सकती है, और हम कड़ी मेहनत करेंगे, फिर से इकट्ठा होंगे, फिर से फोकस करेंगे, और एक टीम और अकेले के तौर पर और मजबूत और बेहतर वापसी करने के लिए रीसेट करेंगे।

अभी तक की वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) विनर, दक्षिण अफ्रीका ने गुवाहाटी में दूसरे और आखिरी टेस्ट में एशियन जायंट्स को 408 रनों से हराया, जहां पंत, शुभमन गिल की गैरमौजूदगी में भारत के स्टैंड-इन कैप्टन थे, जो गर्दन में ऐंठन के कारण बाहर हो गए थे। गुवाहाटी में यह हार टेस्ट क्रिकेट में रनों के मामले में भारत की सबसे बड़ी हार थी। भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज पंत दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के दौरान असर डालने में नाकाम रहे। पंत ने चार इनिंग्स में 12.25 के खराब औसत से सिर्फ 49 रन बनाए।

## सोफी डिवाइन दो करोड़ की राशि के साथ जीटी की टीम में हुई शामिल

नई दिल्ली, 27 नवंबर। सोफ़ी डिवाइन डब्ल्यूपीएल 2026 में गुजरात जायंट्स की टीम से खेलेंगी। उन्हें 2 करोड़ की बड़ी राशि के साथ टीम में शामिल किया गया है। गुजरात जायंट्स ने डब्ल्यूपीएल नीलामी में उन पर 50 लाख रुपये पर पहली बोली लगाई। इसके बाद आरसीबी ने इंट्रेस्ट दिखाया और बोली बढ़ती चली गई। 1.1 करोड़ रूपये पर दिल्ली कैपिटल्स ने एंट्री मारी थी, लेकिन गुजरात किसी हाल में पीछे हटने को तैयार नहीं थी। लगातार बोलियां लगती रहीं और अंत में गुजरात को सफलता मिली। वहीं एलिसा हीली के लिए किसी भी टीम ने बोली नहीं लगाई है। उन्हें 2023 में यूपी वॉरियर्स ने 70 लाख रुपये में खरीदा था। उल्लेखनीय है कि नवी मुंबई में 9 जनवरी को डब्ल्यूपीएल 2026 की शुरुआत होगी। टूर्नामेंट नवी मुंबई और वड़ोदरा के दो वेन्यू पर खेला जाएगा। फ़ाइनल 5 फरवरी को वड़ोदरा में होगा।

## भारतीय हॉकी टीम ने न्यूज़ीलैंड को 3-2 से हराया

इपोह, (मलेशिया), 27 नवंबर। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने गुरुवार को सुल्तान अजलान शाह कप टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड 3-2 से हराया। भारत के लिए अमित रोहिदास ने (चौथे), संजय ने (32वें), और सेल्वम कार्थी ने (54वें) मिनट में गोल दागे। वहीं न्यूजीलैंड की ओर से जॉर्ज बेकर ने (42वें और 48वें) मिनट में गोल किए। आज यहां सुल्तान अजलान शाह कप स्टेडियम में खेले गये मैच के पहले कुछ शुरुआती मिनटों में भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड पर बढ़त बनाई। भारत ने एक अच्छे मूव से अपना पहला मौका बनाया, जिससे उसे पेनल्टी कॉर्नर मिला और अमित रोहिदास ने (चौथे) मिनट में गोलकर स्कोरिंग शुरू की। पहला क्वार्टर 1-0 की बढ़त के साथ खत्म हुआ।

## भारत ने मलेशिया को 7 गोल के रोमांचक मुकाबले में हराया

इपोह, 27 नवंबर। भारतीय हॉकी टीम ने बुधवार को इपोह में सुल्तान अजलान शाह कप 2025 में मेजबान मलेशिया को 4-3 के रोमांचक मुकाबले में हराया। सेल्वम कार्थी (7'), सुखजीत सिंह (21'), अमित रोहिदास (39') और संजय (53') ने दुनिया की नंबर 7 टीम भारत के लिए गोल किए, जबकि फैजल सारी (13'), फितरी सारी (36'), और मरहान जलील (45') ने 12वीं रैंक वाली मलेशिया के लिए गोल किए। मलेशिया पर जीत के साथ भारत सुल्तान अज़लान शाह कप 2025 की स्टैंडिंग में तीन गेम में छह पॉइंट्स के साथ तीसरे नंबर पर पहुंच गया है।

## तन्वी शर्मा ने पूर्व वर्ल्ड नंबर 1 नोजोमी ओकुहारा को चौंकाया

लखनऊ, 27 नवंबर। 16 साल की तन्वी शर्मा ने सैयद मोदी इंटरनेशनल 2025 के तीसरे दिन करियर की सबसे बड़ी जीत हासिल की। उन्होंने पूर्व वर्ल्ड नंबर 1, पूर्व वर्ल्ड चैंपियन और ओलंपिक मेडलिस्ट नोजोमी ओकुहारा को तीन गेम के रोमांचक मुकाबले में हराकर तहलका मचा दिया।

वर्ल्ड जूनियर्स सिल्वर मेडलिस्ट ने जबरदस्त हिम्मत दिखाई, एक गेम से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए सिर्फ़ एक घंटे से भी कम समय में 13-21, 21-16, 21-19 से यादगार जीत हासिल की - यह उनके छोटे करियर का सबसे बड़ा नतीजा था, जिससे उन्होंने क्वार्टर फ़ाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। उलटफेर यहीं नहीं रुके। इशारानी बरुआ ने एक और ज़बरदस्त प्रदर्शन किया, उन्होंने यूक्रेन की आठवीं सीड पोलिना बुहरोवा को 21-15, 21-8 से हराया। टॉप सीड उन्नित हुड्डा ने तस्नीम मीर को 21-15, 21-10 से हराकर आराम से जीत हासिल की, जबकि रक्षिता श्री ने देविका सिहाग को 16-21, 21-19, 21-17 से हराया।

मेन्स सिंगल्स में, तीसरे दिन और भी सरप्राइज़ आए, जब मनराज सिंह ने तीसरे सीड एचएस प्रणय को 21-15, 21-18 से हराया। मिथुन मंजूनाथ ने छठे सीड थारुन मन्नेपल्ली को 21-16, 17-21, 21-7 से हराया, जबकि पूर्व चैंपियन किदांबी श्रीकांत ने सनीथ दयानंद को 21-6, 21-16 से आसानी से हराया।

टॉप सीड विमेंस डबल्स जोड़ी ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखते हुए ज़ेनिथ एबिगेल/लिखिता श्रीवास्तव को 21-17, 21-12 से हराया। जॉली ने हरिहरन अम्साकारुनन के साथ मिलकर मिक्स्ड डबल्स में दूसरे सीड रोहन कपूर/रुथविका गड्डे को 24-22, 21-15 से हराया। मेन्स डबल्स में, हरिहरन और एमआर अर्जुन ने मलेशिया के लाउ यी शेंग/लिम त्ज़े जियान को 21-12, 21-18 से हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह पक्की की।

## सिंडारोव दूसरे रैपिड गेम मेंकाले मोहरों से वेई यी को हराकर चैम्पियन बने

पणजी, 27 नवंबर। उज़्बेकिस्तान के ग्रैंडमास्टर जावोखिर सिंडारोव बुधवार को यहां टाईब्रेक में चीन के ग्रैंडमास्टर वेई यी को हराकर सबसे कम उम्र के फिडे वर्ल्ड कप 2025 चैंपियन बन गए। 19 साल के सिंडारोव दूसरे रैपिड गेम में काले मोहरों से वेई को हराकर वर्ल्ड कप जीतने वाले पहले उज़्बेक शतरंज खिलाड़ी बन गए और 120,000 डॉलर की इनामी राशि के साथ-साथ नया विश्वनाथन आनंद कप भी अपने नाम किया। फिडे वर्ल्ड कप 2025 एक सिंगल-एलिमिनेशन नॉक-आउट टूर्नामेंट की तरह खेला गया था और इसमें 82 देशों के 206 खिलाड़ियों ने एक कॉम्पिटिशन में जीत और कैंडिडेट्स 2026 में तीन जगह पाने की कोशिश की थी।

## के. श्रीकांत की धमाकेदार जीत, प्रियांशु राजावत व उन्नति हुडा भी अंतिम आठ में

लखनऊ, 27 नवंबर। स्टार भारतीय शटलर के.श्रीकांत ने सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल एचएसबीसी वर्ल्ड टूर सुपर 300 बैडमिंटन चैंपियनशिप 2025 में गुरुवार को उम्दा खेल दिखाते हुए एकतरफा जीत के साथ क्वार्टर फाइनल में स्थान सुरक्षित कर लिया। दिन के सबसे बड़े उलटफेर में पुरुष एकल में तीसरी वरीय भारत के एचएस प्रणय और महिला एकल में जापान की नोजोमी ओकुहारा आश्चर्यजनक हार के साथ बाहर हो गए। महिला एकल में शीर्ष वरीय उन्नित हुड्डा, पुरुष एकल में पिछले साल के सेमीफाइनलिस्ट प्रियांशु राजावत और महिला युगल में पिछली विजेता शीर्ष वरीय भारत की त्रिशा जॉली व गायत्री गोपीचंद पी.भी अंतिम आठ में पहुंच गए। भारतीय बैडमिंटन एसोसिएशन (बीएआई) के तत्वावधान में उत्तर प्रदेश बैडमिंटन एसोसिएशन द्वारा योनेक्स सनराइज बाबू बनारसी दास बैडमिंटन अकादमी में आयोजित चैंपियनशिप में गुरुवार कई उलटफेर भरे मुकाबलों का गवाह बना।

## आईसीसी ने पर्थ की पिच को बहुत अच्छा कहा

दुबई, 27 नवंबर। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने पर्थ में खेले गये पहले एशेज टेस्ट मैच जो कि दो दिन में सामप्त हो गया था कि पिच को बहुत अच्छी श्रेणी का करार दिया है। मैच रेफरी रंजन मदुगले की ओर से पिच को लेकर दी गई आधिकारिक रिपोर्ट में इसे बहुत अच्छा करार दिया गया है। आईसीसी के चार-टियर पिच रेटिंग सिस्टम के अनुसार, बहुत अच्छा का मतलब है ऐसी पिच जिसमें अच्छी पकड़, लिमिटेड सीम मूवमेंट, और मैच की शुरुआत में लगातार बाउंस हो, जिससे बल्लेबाज और गेंदबाज के बीच बराबरी का मुकाबला हो सके।" यह टेस्ट मैच 847 गेंदों के साथ यह ऑस्ट्रेलिया में दूसरा सबसे छोटा पूरा हुआ टेस्ट था और 1888 के बाद से फेंकी गई गेंदों के हिसाब से सबसे छोटा एशेज टेस्ट था। पहली तीन पारियों में तेज गेंदबाजों का दबदबा रहा, जिसमें मिचेल स्टार्क ने 58 रन देकर सात विकेट लिए, हालांकि पहले दिन चाय से पहले इंग्लैंड का स्कोर 160 रन पर पांच विकेट था। मेहमान टीम का अटैक फिर भी लगातार चलता रहा और आखिर में ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 123 रन पर नौ विकेट हो गया, जिसमें बेन स्टोक्स ने पांच विकेट लिए। पहले दिन 305 रन पर 19 विकेट गिरे, जबकि दूसरे दिन, ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के 205 रन के लक्ष्य को केवल एक सत्र में हासिल कर लिया। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख जेम्स ऑलसॉप ने कहा कि तीसरे और चौथे दिन के टिकट रखने वाले फैंस के लिए यह निराशाजनक था, लेकिन उन दो दिनों में कुछ जबरदस्त क्रिकेट के साथ एशेज में जान आ गई। मैच रेफरी की बहुत अच्छी रेटिंग हमारे इस विश्वास को सही साबित करती है कि पर्थ स्टेडियम ने ऐसी पिच बनाई जिसमें बल्ले और गेंद के बीच सही बैलेंस था। दोनों तरफ से कुछ शानदार तेज गेंदबाजों का दबदबा और मुकाबले का जबरदस्त माहौल का मतलब था कि मैच केवल दो दिन चला। उन्होंने कहा, "तीसरे और चौथे दिन के टिकट रखने वाले फैंस के लिए यह निराशाजनक था, लेकिन हमने कुछ शानदार पल देखे जिन्होंने बहुत सारे दर्शकों को अपनी ओर खींचा और इस गर्मी में और भी बच्चों को बल्ला और गेंद उठाने के लिए प्रेरित करेंगे।"

## हम एक-दूसरे पर भरोसा करते रहेंगे, एक-दूसरे के लिए लड़ेंगे और मजबूत होंगे : गिल

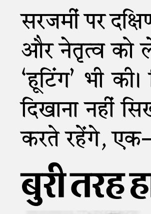

नई दिल्ली, 27 नवंबर। गर्दन की चोट के कारण दूसरा टेस्ट नहीं खेलने वाले कप्तान शुभमन गिल ने दक्षिण अफ्रीका से श्रृंखला 0-2 से हारने के बाद एकजुटता और पक्का इरादा दर्शाते हुए कहा कि इस हार के बावजूद टीम और मजबूत होगी। टेस्ट मैच की श्रृंखला शर्मनाक रही। दक्षिण अफ्रीका ने कोलकाता में पहले टेस्ट में 30 रन से और गुवाहाटी में दूसरे टेस्ट में मेजबान टीम को 408 रन से हराकर क्लीन स्वीप किया। यह भारतीय सरजमीं पर दक्षिण अफ्रीका की 25 साल में पहली जीत थी। इस हार से टीम के प्रदर्शन और नेतृत्व को लेकर आलोचना शुरू हो गई और प्रशंसकों ने कोच गौतम गंभीर की 'हूटिंग' भी की। गिल ने बुधवार को 'एक्स' पर लिखा, "शांत समुद्र आपको रास्ता दिखाना नहीं सिखाता, बल्कि तूफान ही मजबूत बनाता है। हम एक-दूसरे पर भरोसा करते रहेंगे, एक-दूसरे के लिए लड़ेंगे और आगे बढ़ेंगे, और मजबूत होंगे।

## बुरी तरह हारने के बाद प्रशंसकों ने की गंभीर की 'हूटिंग'

नई दिल्ली, 27 नवंबर। भारतीय क्रिकेट टीम का मुख्य कोच बनने के बाद पहली बार गौतम गंभीर की बुधवार को यहां बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में कुछ प्रशंसकों के समूह ने 'हूटिंग' की जो दक्षिण अफ्रीका से दूसरे टेस्ट में मिली 408 रन की हार से काफी नाराज थे। गंभीर ने 2024 में यह पद संभाला था। हार से नाराज गुस्से में प्रशंसकों ने एक स्टैंड में 'गंभीर हाय हाय, वापस जाओ' के नारे लगाने शुरू कर दिए। फिर स्टेडियम के अंदर ये नारे जोर जोर से गूंजने लगे। कोच ने कुछ देर के लिए गैलरी की तरफ देखा, फिर अपना चेहरा दूसरी तरफ कर लिया और कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। तुरंत ही खिलाड़ियों का ध्यान भी इस ओर गया। अंतिम एकादश के कई सदस्यों का ध्यान भी उनके नारों से भीड़ पर गया और वे इस हंगामे को घूर रहे थे। तभी तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने भीड़ को शांत रहने का इशारा किया। इसके तुरंत बाद सिराज और सहायक कोच सितांशु कोटक गैलरी के पास गए और उन्होंने इन खेल प्रेमियों से शांति की अपील की। समर्थकों का गुस्सा साफ दिख रहा था।

## रामबाग और लेपर्ड टीमें जीती

जयपुर, 27 नवंबर। जयपुर सीजन 2025 के अंतर्गत खेले जा रहे कोटा कप 6 गोल टूर्नामेंट में आज पीपीसी ग्राउंड पर रामबाग और सुहाना ऑल स्टार्स टीमों केब ीच मैच खेला गया। जिसमें रामबाग ने सुहाना टीम को 4 गोल के मुकाबले 9 गोलों से हराया रामबाग टीम की ओर से शमशीर अली ने अपने शानदार खेल दिखाते हुए 5 गोल किये। डेनियल ने 3 गोल और सिद्धांत शर्मा ने 1 गोल किया। जबकि सुहाना ऑल स्टार्स टीम की ओर से हूर्ट अली ने 4 गोल किये पर अफनी टीम की हार नहीं टाल पाये। दूसरे मैच में चूंडा पोलो टीम को लेपर्ड ने 8 के मुकाबले 8.5 गोल से हराया। चूंडा टीम की ओर से शुभम गुप्ता ने 1 गोल, विशाल राठौड़ ने 2 गोल और फ्रेडरिक ने बेहतरीन खेल खेलते हुए 5 गोल किये। आधे गोल का एडवॉन्टेज लेकर खेल रही लेपर्ड टीम की ओर से मयूरध्वज ने 1 गोल, मृत्युंजय सिंह ने 2 गोल और भवानी सिंह कालवी ने 4 गोल किये।

# भव्या के सातवें स्विमिंग गोल्ड ने जैन यूनिवर्सिटी की टॉप पर जगह पक्की कर दी

जयपुर, 27 नवंबर। जैन यूनिवर्सिटी की स्विमर भव्या सचदेवा ने गुरुवार को यहां सवाई मानसिंह स्टेडियम कॉम्प्लेक्स में खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स राजस्थान 2025 में इंडिविजुअल इवेंट्स में दो गोल्ड मेडल जीते और महिलाओं की 4100 मेडले रिले में एक गोल्ड मेडल जीतकर अपने कुल पदकों की संख्या सात कर ली।

भव्या, जिन्होंने कॉम्पिटिशन के पहले दो दिनों में एक इंडिविजुअल और एक रिले गोल्ड जीता था, ने गुरुवार को महिलाओं की 800मी फ्रीस्टाइल कैटेगरी में 9:37.41 की टाइमिंग के साथ अपना गोल्ड मेडल मार्च शुरू किया। इस साल की शुरुआत में एशियन एक्वेटिक चैंपियनशिप मेडल जीतने वाली पहली भारतीय महिला, कुछ मिनट बाद पूल में लौटीं और 200मी फ्रीस्टाइल इवेंट में 2:13.55 के टाइम के साथ जीत हासिल की।

जैन यूनिवर्सिटी के तैराकों ने उम्मीद के मुताबिक पूल इवेंट्स में दबदबा बनाया, 11 में से आठ गोल्ड मेडल जीतकर अपने कुल गोल्ड मेडल टैली को 20 तक पहुंचा दिया। गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी और लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के बीच मेडल टैली में दूसरे स्थान के लिए कड़ी टक्कर थी, क्योंकि लवली ने आर्चरी में तीन और शूटिंग में एक गोल्ड मेडल जीतकर अपने गोल्ड मेडल टैली को 13 तक पहुंचा दिया। गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी ने अब तक 14 गोल्ड मेडल जीते हैं, जिसमें फेंसिंग में तीनों टीम गोल्ड और गुरुवार को शूटिंग में एक गोल्ड मेडल शामिल है।

तीरंदाज अंशिका कुमारी और देवांग गुप्ता ने रिकर्व पुरुष और महिला फाइनल जीते, और फिर शाम को एलपीयू को टीम गोल्ड दिलाने के लिए लौटे। जगतपुरा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में महिला रिकर्व फाइनल में, अंशिका ने पंजाब यूनिवर्सिटी की सृष्टि जायसवाल को 6-2 से हराया, जबकि गुप्ता ने पुरुष रिकर्व फाइनल में शिवाजी यूनिवर्सिटी के साहिल शेलार को 6-4 से हराया। टीम इवेंट में, लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी की लड़कियों ने कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी को 6-0 से हराया, जबकि पुरुषों ने शिवाजी यूनिवर्सिटी को 6-2 से हराया।

हालांकि, अंशिका और गुप्ता को रिकर्व मिक्स्ड टीम फाइनल में झटका लगा, वे रानी दुर्गावती यूनिवर्सिटी की कार्तिका बिचपुरिया और दीपांशु नंदा से टाईब्रेकर में हार गए। उसी कॉम्प्लेक्स में कुछ मीटर दूर, लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के राजकंवर सिंह संधू ने 25मी रैपिड फायर पिस्टल में 29 के फाइनल स्कोर के साथ गोल्ड जीता, उन्होंने पंजाब यूनिवर्सिटी के देवांश वशिष्ठ को सिर्फ एक पॉइंट से हराया।

साक्षी पाडेकर ने खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स राजस्थान 2025 में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल व्यक्तिगत स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के लिए स्वर्ण पदक जीता। स्वर्ण जीतने के बाद भावुक साक्षी ने कहा, मुझे पता था कि परफेक्ट शॉट के लिए शांत रहना बेहद जरूरी है। मैंने बस अपने लक्ष्य पर ध्यान रखा और इस दिन के लिए बहुत मेहनत की। आज वह सब रंग लाया।

पुरुषों के 10मी एयर राइफल इवेंट में, यश वर्धन ने फाइनल में 252.7 के स्कोर के साथ मणिपाल यूनिवर्सिटी, राजस्थान के लिए गेम्स का पहला गोल्ड मेडल जीता। यश और केएलईएफ यूनिवर्सिटी के सिल्वर मेडलिस्ट मद्दीनेनी उमा महेश पूरे फाइनल में बराबरी पर थे, लेकिन फाइनल सीरीज के पहले शॉट में 10.8 के स्कोर ने उन्हें मेडल दिलाया, क्योंकि उनके सबसे करीबी विरोधी सिर्फ 9.9 ही बना पाए।

बीकानेर में दूसरी तरफ, लोगेश्वरन एस ने वेटलिफ्टिंग इवेंट्स के तीसरे दिन शानदार परफॉर्मेंस देते हुए अपना पहला खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स गोल्ड मेडल जीता। तिरुवल्लूर यूनिवर्सिटी को रिप्रेजेंट करते हुए, तमिलनाडु में जन्मे इस लिफ्टर ने पुरुषों की 79 किग्रा कैटेगरी में कुल 305किग्रा उठाकर दबदबा बनाया - 135 किग्रा स्नैच में और 170 किग्रा क्लीन एंड जर्क में - यह उनकी तीसरी केआईयूजी अपीयरेंस में एक बड़ी कामयाबी थी।

दोपहर के सेशन में पुरुषों की 88 किग्रा कैटेगरी में कड़ा मुकाबला हुआ, जिसमें देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी के परीक्षित सोनी कुल 278 किग्रा(127किग्रा स्नैच; 151 किग्रा क्लीन एंड जर्क) उठाकर टॉप पर रहे। उन्होंने आंध्र यूनिवर्सिटी के एम तरुण को हराया, जिन्होंने 276 किग्रा (126 किग्रा स्नैच; 150 किग्रा क्लीन एंड जर्क) के साथ टॉप किया, जबकि गुरु काशी यूनिवर्सिटी के विवेक ने 273 किग्रा (121 किग्रा स्नैच; 152 किग्रा क्लीन एंड जर्क) उठाकर ब्रॉन्ज मेडल जीता।

# ज्वैलर्स की दुकान में हुई 38 लाख की लूट का पर्दाफाश, एक आरोपी गिरफ्तार

## पुलिस ने आरोपी से कुछ ज्वैलरी भी बरामद की, दो बदमाशों की तलाश जारी

■ हथियार दिखाकर तीन बदमाश ज्वैलरी की दुकान से 38 लाख के जेवरात लूट कर फरार हो गये थे, पांच दिन से पुलिस तलाश कर रही थी

**अलवर, (निसं)।** अलवर में ज्वैलर की दुकान में घुसकर 38 लाख रुपए के जेवर लूटने वाले बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार किया। उसे जिला अस्पताल में मेडिकल कराने लाया गया तो तीन पुलिसवालों ने कार से उतारा। अस्पताल के अंदर मेडिकल कराने ले जाया गया।

अलवर एसपी ने बताया कि एक आरोपी को अरेस्ट कर लिया। आरोपी सागर उर्फ संजय यादव निवासी इस्माईलपुर पुलिस थाना बादली जिला झज्जर हरियाणा का निवासी है। उससे कुछ ज्वैलरी भी बरामद की है। तीनों बदमाश हरियाणा के झज्जर के आसपास के हैं। लूट की वारदात कर वापस वहीं निकल गए थे। अभी पुलिस को दो बदमाशों की तलाश है।

पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी ने जानकारी देते हुए बताया कि 22 नवंबर को दोपहर तीन बजे अलवर शहर के तिजारा रोड पर मोहनलाल सोनी की दुकान राधा ज्वैलर्स में घुसकर हथियारों के दम पर 38 लाख रुपए के जेवर लूट ले गए थे। एक बाइक पर तीन बदमाश आए थे। एक ने हेलमेट लगा रहा था। दो ने मुंह को ढका हुआ था। पहले एक बदमाश दुकान में गया। इसने जाते ही मोहनलाल के गले पर दंराती लगा दी थी। दूसरा बदमाश तिजोरी की तरफ गया। तिजोरी से जेवर अपने बैग में भरने लगा। तीसरा बदमाश बाहर कट्टा लेकर खड़ा रहा। बीच में कुछ सेकेंड तीसरा बदमाश भी दुकान के अंदर गया। उसने सोनी के साथ मारपीट भी की। करीब 1 मिनट में पूरी वारदात को अंजाम देकर बाइक से चिकानी रोड की तरफ भाग गए थे। अब 5 दिन बाद पुलिस पूरे मामले का खुलासा करने वाली है। व्यापारी से मारपीट कर दुकान की तिजोरी से करीब 38 लाख रुपए के जेवर लूटने वाले एक बदमाश को 5 दिन में पुलिस ने अरेस्ट किया है। अभी दो फरार हैं। इस मामले को लेकर 5 दिन से व्यापारी वर्ग में रोष था। दो दिन पहले जल्दी बदमाशों के अरेस्ट नहीं होने पर अलवर बंद का आव्हान किया था। एक दिन दो घंटे सर्राफा बाजार बंद रखा गया था।

**करंट लगने से किसान की मौत :** डूंगरपुर के धंबोला थाना क्षेत्र के बासिया मालीफला में एक किसान की करंट लगने से मौत हो गई। किसान खेतों में गेहूं की फसल को पानी देने गया था। बोरवेल की मोटर के पास करंट लगने से उसकी मौत हो गई। बेटी अपने पिता को देखने पहुंची तो वे मृत हालत में मिले।

धम्बोला थाना हेड कॉनि. सोहनलाल ने बताया कि जयंती उतर घना ताबियाड की करंट लगने से मौत हो गई है। जयंती बुधवार देर शाम को खेतों में गेहूं की फसल को पानी देने गया था। खेतों में बोरवेल के पास ही स्टार्टर भी लगा हुआ था। करंट लगने से जयंती ताबियाड बेहोश होकर नीचे गिर पड़ा। देर तक पिता वापस घर नहीं आए तो बेटी रविना पिता को देखने खेतों की तरफ गई। बोरवेल के पास ही पिता बेहोश हालत में पड़े हुए मिले। रविना ने चिल्लाकर लोगो को बुलाया, लेकिन जयंती की मौत हो गई थी। घटना की सूचना पर धंबोला थाने से हेड कॉनि. सोहनलाल, रोशन और विनोद की टीम पहुंची। घटना की जानकारी लेने के बाद शव को सीमलवाडा अस्पताल के मोर्चरी में रखवाया।

## तीन साल से फरार हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

**भीलवाड़ा, (निसं)।** शहर की कोतवाली थाना पुलिस ने 3 साल से फरार हिस्ट्रीशीटर स्थाई वारंटी हनुमान धाकड़ को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

कोतवाल सुनील चौधरी ने बताया कि एसपी धर्मेन्द्र सिंह यादव के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय पारस जैन के निर्देशन में एंव अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, हेमन्त कुमार के सुपरविजन में स्थाई वारंटीयों की गिरफ्तारी व आदतन अपराधियों के विरूद्ध कार्रवाई के लिये एरिया डोमीनेशन की कार्रवाई के लिये विषेष पुलिस टीम का गठन किया गया। गठीत पुलिस टीम ने सूचना के आधार पर हलेड तिराहा पर बिना नम्बरी स्कॉर्पियो कार जिसके शिशों पर काली फिल्म चढ़ी हुई सहित लम्बे समय से फरार कोतवाली थाने के हिस्ट्रीशीटर और स्थाई वारंटी हनुमान धाकड़ पिता महावीर प्रसाद धाकड़ निवासी हनुमान कॉलोनी थाना कोतवाली को गिरफ्तार किया। हनुमान धाकड़ के विरूद्ध हत्या, हत्या का प्रयास, अवैध हथियार को कब्जे में रखने, धोखाधड़ी और मारपीट के 11 प्रकरण दर्ज हैं।

■ आरोपी से बिना नम्बरी स्कॉर्पियो गाड़ी जब्त, आरोपी के खिलाफ पूर्व में 11 प्रकरण दर्ज हैं

### कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, राजस्थान राज्य कृषि विपणन बोर्ड, उदयपुर

क्रमांक :- प.46/अअ/उदय/वि.बो/बिड/2025-26/राजकाज नं. 19022496 दिनांक :- 25/11/2025

**निविदा सूचना संख्या -06/2025-26 (NIB No. AGM2526A0206)**

राजस्थान राज्य कृषि विपणन बोर्ड खण्ड उदयपुर एवं डूंगरपुर में जनजाति विकास कार्य, उदयपुर, राजसमन्द एवं डूंगरपुर में आयुर्वेदिक कॉलेज, हॉस्पिटल, डिस्पेन्सरी एवं उद्यान विभाग के कार्यो की ऑनलाइन निविदाएँ ई–प्रोक्युरमेन्ट www.eproc.rajasthan.gov.in के माध्यम से उपयुक्त कार्य हेतु दिनांक 22.12.2025 तक आमंत्रित की जाती है। बिड से सम्बन्धित विस्तृत विवरण वेबसाइट www.rsamb.rajasthan.gov.in एवं www.sppp.rajasthan.gov.in (NIB No AGM 2526A0206 & UBN No. 878 to 881 & 883 to 891) पर भी देखा जा सकता है।

राज.संवाद/सी/25/14693 अधिशाषी अभियन्ता

### कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सार्वजनिक निर्माण विभाग जिला खण्ड-II बीकानेर

क्रमांक-1124 दिनांक-20/11/2025

**ई-बोली सूचना संख्या-11/2025-2026**

Bid for Permanent Restoration Work on Various Roads SDGH & CD Work NH-62 to Kisturia at Ch 0/500 are invited from interested bidders from 24-11-2025 to 08-12-2025 6.00 PM. and to be opened 09-12-2025 02:00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state; and PWD Department website. The approximate value of the procurement is Rs 192.75 Lacs.

(महेन्द्र पाल सिंह चालिया)
अधिशाषी अभियन्ता,
सानिवि जिला खंड-II, बीकानेर

DIPR/C/17382/2025

### राजस्थान स्टेट माईन्स एण्ड मिनरल्स लिमिटेड

**ई-निविदा सूचना** दिनांक :- 26/11/2025

| निविदा संख्या एवं दिनांक | कार्य का विवरण |
|---|---|
| e-Tender no. RSMM/CO/GGM (Cont) Cont-12/2025-26 dated 25.11.2025 UBN No. MML2526WSOB00109 | झामरकोटड़ा रॉक फॉस्फेट माईन्स स्थित बैस केम्प चौराहे से वेलकम गेट तक बाऊंड्रीवाल निर्माण का कार्य। (निविदानुसार) अनुमानित लागतः रू. 26.70 लाख, धरोहर राशिः रू. 53,400/–, निविदा प्रपत्र मूल्य 1180/– |

उपरोक्त निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाईट www.rsmm.com, www.sppp.rajasthan.gov.in, www.eproc.rajasthan.gov.in अथवा वरि. प्रबन्धक (अनुबन्ध) से उपरोक्त पतें पर सम्पर्क करें।

राज.संवाद/सी/25/14690 उप महाप्रबन्धक (का.एवं प्रशा.)

### राजस्थान सरकार
### निदेशालय आयुर्वेद विभाग, राजस्थान, अजमेर

क्रमांक- प.1/आ.मि / लैब आईटम क्रय/ 2025-26/106 दिनांकः 20.11.2025

**ई- बोली विज्ञिप्त वर्ष 2025-26**

चिकित्सालय व राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से विभागान्तर्गत संचालित राजकीय आयुर्वेद औषधालयों के लिए लैब आईटम आपूर्ति हेतु प्रतिष्ठित मूल निर्माताओं / डिस्ट्रीब्यूटर्स / अधिकृत विक्रेताओं से कुल अनुमानित राशि 14424000/- रू. की ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। जिसका UBN NO.- AYU2526GLOB00318 है। लैब आईटम क्रय हेतु निविदा फॉर्म डाउनलोड प्रारंभ करने की दिनांक 20.11.2025 सायं 6:00 बजे से एवं स्वीकार करने की अंतिम दिनांक 10.12.2025 सायं 6:00 बजे तक रखी गई है। बोली से सम्बन्धित समस्त विवरण वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in, https://dipr.rajasthan.gov.in, https://sppp.rajasthan.gov.in एवं विभागीय वेबसाईट https://ayurved.rajasthan.gov.in पर भी देखी जा सकती है।

DIPR/C/17345/2025 निदेशक

## डोडा-पोस्त समेत एक गिरफ्तार

**जोधपुर, (कासं)।** शहर की चौपासनी हाउसिंग बोर्ड पुलिस ने डीपीएस सर्किल के पास नाकाबंदी में सीमेंट के कट्टों से भरे ट्रेलर को रूकवाया। गाड़ी की तलाशी में कुछ नहीं मिला मगर चालक के पास से दो किलो अवैध डोडा–पोस्त मिलने पर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उसने यह डोडा–पोस्त खुद के उपयोग के लिए लाना बताया। थानाधिकारी ईश्वर चंद पारिक ने बताया कि नाकाबंदी में एक सीमेंट से लदे ट्रेलर को रूकवाया गया। चालक के पास से दो किलो डोडा–पोस्त मिला। इस पर सहीराम विश्रोई के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में कार्रवाई कर गिरफ्तार कर लिया।

## किशोरी से दुष्कर्म

**बीकानेर, (निसं)।** 14 साल की किशोरी से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। आरोपी फरार है, जिसे कोटगेट थाना पुलिस तलाश रही है। पीड़िता की मां की ओर से पुलिस को दी गई रिपोर्ट में बताया गया है कि वह अपने पुत्र और नाबालिग पुत्री के साथ रहती है। आरोपी अशोक वेटर ठेकेदार है और पुत्र उसके साथ काम करता है। करीब 25 दिन पहले अशोक उसकी पुत्री को बहला–फुसलाकर अपने कमरे पर ले गया और दुष्कर्म किया।

# आदित्य बिड़ला हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी के सीईओ और प्रभारी जमानती वारंट से तलब

## अवमाननाकर्ता को 50 -50 हजार के जमानती वारंट से 29 दिसंबर को आयोग को समक्ष तलब किया

■ हाईकोर्ट और आयोग के आदेशों की जानबूझकर अवहेलना कर अवमानना करने पर अवमाननाकर्ता के खिलाफ यह आदेश जारी किया

**जोधपुर, (कासं)।** राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग, जोधपुर ने आदित्य बिड़ला हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) मयंक बथवाल और प्रभारी अधिकारी सौरभ चतुर्वेदी को पचास पचास रुपए के जमानती वारंट से 29 दिसंबर को आयोग के समक्ष तलब किया है।

आयोग अध्यक्ष देवेंद्र कच्छवाहा, न्यायिक सदस्य अरुण कुमार अग्रवाल और सदस्य लियाकत अली ने हाईकोर्ट और आयोग के आदेशों की जानबूझकर अवहेलना कर अवमानना करने पर अवमाननाकर्ता के खिलाफ यह आदेश जारी किया है। अनीता भरत कुमार गर्ग ने अधिवक्ता अनिल भंडारी के माध्यम से इजराय प्रार्थना पत्र पेश कर कहा कि 6 सितंबर 2023 को आयोग ने प्रार्थी के पति की मृत्यु पर एक करोड़ रुपए दावा राशि मय ब्याज दो लाख रुपए हरजाना और 50 हजार रूपए वाद व्यय अदा करने के आदेश दिए, जिसके खिलाफ बीमा कंपनी की अपील पर राष्ट्रीय उपभोक्ता आयोग ने 16 अप्रैल 2024 को स्थगन आदेश जारी कर दिया। प्रार्थी की रिट याचिका पर राजस्थान उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने गत 14 जनवरी को 50 फीसदी राशि का भुगतान 31 मार्च तक प्रार्थी को अदा करने का आदेश दिया। बीमा कंपनी की ओर से राशि जमा नहीं करने पर 12 अगस्त को खंडपीठ ने बीमा कंपनी को दो सप्ताह में आदेश की पालना करने का निर्देश दिया और इसके अभाव में प्रार्थी को विपक्षी के खिलाफ अवमानना कार्रवाई करने की छूट प्रदान की। 9 सितम्बर को विपक्षी के यह कहने पर कि उन्होंने गलत जगह का ड्राफ्ट बना दिया था, खंडपीठ ने विपक्षी को सही डिमांड ड्राफ्ट दो सप्ताह में 15 हजार की कॉस्ट के साथ जमा कराने का आदेश दिया।

अधिवक्ता भंडारी ने कहा कि विपक्षी ने न्यायालय के किसी भी आदेश की जानबूझकर पालना नहीं कर 19 नवंबर को आधी अधूरी राशि 72 लाख 27 हजार 630 रुपए राज्य उपभोक्ता आयोग के नाम से ड्राफ्ट बना कर जमा करवा दी, जबकि विपक्षी को सही राशि का ड्राफ्ट प्रार्थी के नाम से जमा करना था, सो अवमाननाकर्ता को जरिए वारंट तलब किया जाएं।

राज्य उपभोक्ता आयोग ने अपने विस्तृत आदेश में कहा कि विपक्षी ने न्यायालय के किसी भी आदेश की पूर्ण पालना नहीं की। उन्होंने कहा कि राजस्थान उच्च न्यायालय ने राज्य आयोग, जोधपुर के समक्ष राशि जमा करने का आदेश दिया था और कहा था कि राशि प्रार्थी को अदा की जाएं। उन्होंने कहा कि विपक्षी को यह जानकारी होते हुए कि राज्य आयोग का कोई बैंक खाता नहीं है, उन्होंने प्रार्थी के नाम से ड्राफ्ट नहीं बनाकर आयोग के नाम से बनाकर गलत किया है। अवमाननाकर्ता ने राजस्थान उच्च न्यायालय की खंडपीठ के किसी भी आदेश की पालना नहीं की है सो उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 की धारा 72 के तहत उनको दंडित किया जाना न्यायोचित प्रतीत हो रहा है सो अवमाननाकर्ता को 50 -50 हजार रुपए के जमानती वारंट से 29 दिसंबर को आयोग को समक्ष तलब किया जाता है।

### कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, जन स्वा. अभि. विभाग, वृत बारां

क्रमांक :- अअ/वृत/बारां/2025-26/1901 दिनांकः 17/11/2025

**निविदा सूचना संख्याः 04 से 07/2025-26**

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। विभाग में उचित श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार/कार्य के ठेकेदार तथा केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक, दूरसंचार, रेल्वे, सेना अभियांत्रिकी सेवा, अन्य राज्य सरकारों / केन्द्रीय सरकार के उपक्रमों/ संगठनों के पास सूचीबद्ध ठेकेदार, जो कि राजस्थान सरकार के "एए" श्रेणी के समतुल्य है भी कार्यो के लिये निविदा हेतु नियमानुसार विहित अठिम धनराशि देने के पश्चात् निविदा हेतु पात्र होंगे, से निर्धारित प्रपत्रो में ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है।
निविदा फार्म ऑनलाईन वेबसाईट http://www.eproc.rajasthan.gov.in से दिनांक 19.11.2025 प्रातः 10:00 बजे से डाउनलोड किये जा सकते है। ऑनलाईन निविदाएँ इसी वेबसाईट पर इच्छुक संवेदकों द्वारा दिनांक 19.11.2025 से 04.12.2025 सांय 18:00 बजे तक अपलोड किये जा सकते है। वेबसाईट पर दिनांक 05.12.2025 को इस कार्यालय में दोपहर 15:00 बजे निविदा खोली जावेगी। यदि किसी कारणवश उस दिन अवकाश रहता है तो उसके अगले दिन कार्यदिवस को उसी समय पर निविदा खोली जावेगी। निविदा शुल्क/प्रक्रिया शुल्क/धरोहर राशि निविदादाता द्वारा ई-ग्रास के माध्यम से चालान की प्रति इस कार्यालय में 05.12.2025 को दोपहर 1:00 बजे तक जमा करवाना होगा। विभाग में पजिकृत स्थाई संवेदक/फर्म पंजीयन जीवित नही होने, संवेदक/फर्म का पुनरावलोकन जीवित नहीं होने की स्थिति में निविदा मान्य नहीं होगी।
उक्त निविदा एसपीपी पोर्टल पर प्रकाशित की जा चुकी है। निविदा से सम्बन्धित विस्तृत विवरण निम्नलिखित वेबसाईट पर देखे जा सकते है :-
1. http://www.eproc.rajasthan.gov.in 2. http://sppp.rajasthan.gov.in

| निविदा संख्या | कार्य का विवरण | अनुमानित राशि (लाखों में) | धरोहर राशि 2% | धरोहर राशि ½% | निविदा/ प्रक्रिया शुल्क (रूपये में) Tender Fees | RISL Fees | कार्य पूर्ण करने की अवधि |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 04/2025-26 | Annual Rate contract for Construction & Commissioning of 200 mm & 150 mm tube wells with Submersible pump sets etc. complete work in all types of strata including defect liability period of 02 year at various villages of PHED Division Chhabra UBN No.: PHE2526 WSRC08646 | 150.00 | 3,00,000/- | 75000/- | 5000/- | 2000/- | 12 माह |
| 05/2025-26 | Annual Rate contract for Construction & Commissioning of 200 mm & 150 mm tube wells with Submersible pump sets etc, complete work in all types of strata including defect liability period of 02 year at various villages of PHED Division Baran. UBN No.: PHE2526WSRC08651 | 150.00 | 3,00,000/- | 75000/- | 5000/- | 2000/- | 12 माह |
| 06/2025-26 | Annual Rate Contract for supply & installation of Pump sets, Feeder Panels & allied works at various schemes under jurisdiction of Dn Chhabra, Dist. Baran UBN No. PHE 2526WSRC08652 | 100.00 | 2,00,000/- | 50,000/ | 2000/- | 1500/- | 12 माह |
| 07/2025-26 | Annual Rate Contract for supply & installation of Pump sets, Feeder Panels & allied works at various schemes under jurisdiction of Dn Baran, Dist. Baran UBN No.: PHE 2025-26WSRC08653 | 100.00 | 2,00,000/- | 50,000/ | 2000/- | 1500/- | 12 माह |

जल ही जीवन है

(आलोक कुमार गुप्ता)
अधीक्षण अभियंता
जनस्वा.अभि. विभाग, वृत्त बारां

DIPR/C/17307/2025

### राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड

कार्यालय मुख्य अभियंता (थर्मल डिजाईन), 602, इनवेस्टमेंट बिल्डिंग, लालकोठी, टोंक रोड, जयपुर

**ऑनलाइन निविदा आमंत्रण सूचना : TN-47 (RVU2526GLOB01681)**

रा.वि.उ.नि. के केटीपीएस, कोटा हेतु बीबीडी–4760 प्रकार के बीएचईएल लाइनर्स और एसटीपीएस, सूरतगढ़ एवं सीटीपीपी, छबड़ा के लिए कोयला पल्वराइजर्स/मिलों बीबीडी–4772 प्रकार के बीएचईएल लाइनर्स की आपूर्ति हेतु ई–निविदाएं आमंत्रित की जाती है। विस्तृत विवरण वेबसाइट www.eproc.rajasthan.gov.in (ई–निविदा हेतु), www.energy.rajasthan.gov.in/rvunl एवं www.sppp.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

राज.संवाद/सी/25/14697 RVUN/PR-4305 अधीक्षण अभियन्ता (टी.डी.-I)

# अवैध रूप से पेड़ काटने व कोयला कारोबार करने पर प्रशासन सख्त

■ जिला कलेक्टर ने 10 अधिकारियों व कार्मिकों के विरुद्ध 16 सीसीए की कार्रवाई की, चार को निलंबित किया

**भीलवाड़ा, (निसं)।** जिले में राजकीय भूमि और जंगलों पर अवैध रूप से पेड़ काटने के मामलों में जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू ने तीन अलग–अलग प्रकरणों में 10 कार्मिकों के विरुद्ध राजस्थान सिविल सेवा नियम 1958 के नियम 16 (सीसीए ) के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की है। इनमें से चार कार्मिकों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

जिला कलेक्टर ने बनेड़ा क्षेत्र में बिना नीलामी हजारों पेड़ काटे व सबूत मिटाने के लिए ट्रैक्टर को गायब करने संबंधी मामला सामने आने पर विभागीय जांच करवाई। जांच में दोषी पाए जाने पर भू अभिलेख निरीक्षक देवकरण टॉक व पटवारी (हल्का बामणिया) भगवत लाल जाट को निलंबित किया गया। साथ ही 16 सीसीए के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई भी जारी है एवं तहसीलदार बनेड़ा संतोष कुमार सुनारीवाल के विरुद्ध भी 16 सीसीए के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा रही है। जिला कलेक्टर को आसींद क्षेत्र के नारायणपुरा गांव के 200 बीघा जंगल में अवैध रूप से पेड़ कटवाने व अवैध तरीके से कोयला माफिया से मिलीभगत कर कोयला बनाकर बाहर भेजने संबंधी प्रकरण सामने आया, जिस पर जिला कलेक्टर द्वारा जांच करवाई गई। जिला कलेक्टर ने भू अभिलेख निरीक्षक नरेशनाथ योगी व पटवारी दूल्हेपुरा गारंती बाई मीणा को निलंबित किया, साथ ही 16 सीसीए के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई भी जारी है। तहसीलदार आसींद जयसिंह के विरुद्ध भी 16 सीसीए के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा रही है।

वहीं जिला कलेक्टर को जहाजपुर क्षेत्र में 300 बीघा बिलानाम भूमि पर बबूल के पेड़ काटने व अवैध कोयला कारोबार से संबंधित मामला सामने आया, जिसमें विभागीय जांच करवाई गई। जांच में दोषी पाये जाने पर तहसीलदार जहाजपुर रवि कुमार मीणा, नायब तहसीलदार खजूरी बद्रीलाल मीणा, भू अभिलेख निरीक्षक अशोक कुमार धाकड़ व पटवारी हल्का किशनगढ़ अंकित कुमार गुप्ता के विरुद्ध 16 सीसीए के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा रही है। जिला कलेक्टर ने कहा कि राजकीय संपत्ति और प्राकृतिक संसाधनों के साथ किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक संरक्षण व राजस्व भूमि सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और भविष्य में भी इस तरह की घटनाओं पर तत्काल सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

### राजस्थान सरकार
### कार्यालय नगर पालिका, सादड़ी (जिला–पाली) राज.

(आपकी सेवा में सदैव तत्पर)

पताः मैन बस स्टेण्ड, सादड़ी
Ph.-02934-285022 email: npsadri1979@yahoo.com, gmail.com

क्रमांक : न.पा.सा./2025/3785–3787 दिनांक 20.11.2025

**-:: Notice Inviting Bid ::-**

Bid for subject matters of procurement are invited from intreseted bidders upto (date)& (time). Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal. (https://sppp.rajasthan.gov.in, eproc.rajasthan.gov.in) of the state departmental website.

UBN NO :- DLB2526WSOB24772

अधिशाषी अधिकारी
नगरपालिका सादड़ी

राज.संवाद/सी/25/14660

### RajCOMP Info Services Limited (RISL)

C-Block, 1st Floor, Yojana Bhawan, Tilak Marg, C-Scheme, Jaipur

RISL द्वारा निम्न ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती हैं :–

| NIB No./ Date/ Unique bid no. | Particulars | Estimated Cost | Start of sale / Last date |
|---|---|---|---|
| 4898/26.11.2025 RIS2526GSRC00057 | RFP Regarding rate contract for supply & installation of SSL Certificates for various websites / applications. | 9.00 Lacs 18,00,000 | 02.12.2025 / 10.12.2025 |

विस्तृत जानकारी हेतु इन वेबसाईट पर सम्पर्क करें – http://risl.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in, http://doitc.rajasthan.gov.in.

Raj.Samwad/C/25/14705 General Manager

## मामूली कहासुनी में किशोर से मारपीट

■ मारपीट के बाद नमक झील क्षेत्र में किशोर को पटक कर भाग गये आरोपी युवक

**डीडवाना, (निसं)।** डीडवाना में एक कैफ़े में हुई मामूली कहासुनी ने हैवानियत का रूप ले लिया और कुछ युवकों ने एक किशोर को रामसाबास रोड़ स्थित नमक झील क्षेत्र में ले जाकर बेरहमी से पीटा। पिटाई में आरोपियों ने इतनी दरिंदगी की और पीड़ित किशोर को लाठियों और बेल्ट से इस कदर पीटा कि उसकी पीठ, पैर और कूल्हे पर चोट के गहरे लाल निशान बन गए। मारपीट के बाद आरोपी युवक, किशोर को नमक झील में पटककर मौके से फरार हो गए। वहीं पीड़ित किशोर के साथ मारपीट की सूचना मिलते ही परिजन उसे गंभीर हालत में लेकर राजकीय बांगड़ जिला अस्पताल पहुंचे, जहां चिकित्सकों द्वारा उसका उपचार किया जा रहा है। हालांकि अभी तक पीड़ित किशोर के परिजनों द्वारा पुलिस में मामला दर्ज नहीं कराया गया है।

## विवादों में रही कुलगुरु प्रो. सुनीता मिश्रा का इस्तीफा स्वीकार

**उदयपुर, (कासं)।** मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रो. सुनीता मिश्रा का इस्तीफा स्वीकार हो गया है। राज्यपाल हरिभाऊ किशनराव बागडे ने गुरुवार को इस्तीफा स्वीकार किया। लंबे समय से विवादों में रही प्रो. सुनीता मिश्रा विवादों के बाद से ही छुट्टियों पर थीं। उनके खिलाफ छात्रों ने कई प्रदर्शन भी किए थे। मिश्रा के बयान को लेकर प्रदेशभर में विरोध हुआ था। कई मंत्रियों ने भी इस पर विरोध जताया था। राजभवन से जारी पत्र में लिखा गया कि कुलगुरु के खिलाफ मिली शिकायतों पर संभागीय आयुक्त (उदयपुर) की कमेटी जांच कर रही है। उसकी रिपोर्ट के आधार पर आगे कार्रवाई होगी।

जाकनारी के अनुसार कुलगुरु सुनीता मिश्रा करीब 2 महीने पहले उस समय विवादों में आई थीं जब विश्वविद्यालय के एक कार्यक्रम में उन्होंने औरंगजेब को कुशल प्रशासक और अकबर को महान बताया। इस बयान के बाद छात्रों और शिक्षकों के बीच तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली। दो माह के लगातार दबाव के बाद उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दिया जिसे राजभवन ने स्वीकार कर उन्हें पदमुक्त कर दिया। उदयपुर में मिश्रा को सुखाडयि यूनिवर्सिटी के छात्र नेताओं ने उन्हीं के चैंबर में कैद कर दिया था। वे छह घंटे चैंबर में फंसी रहीं थी। विवाद के बाद सामने आई सुनीता मिश्रा ने कहा था कि उनके बयान को तोड़–मरोड़ कर पेश किया गया है।

## युवती से दुष्कर्म का आरोप

**जोधपुर, (कासं)।** पाक विस्थापित युवती से उसके एक परिचित ने दुष्कर्म किया। उसके फोटो–वीडियो वायरल करने की धमकी दी गई। पीड़िता पुलिस थाने पहुंची और केस दर्ज कराया। पुलिस ने बताया कि पाक विस्थापित युवती वर्ष 2014 में यहां आई। उसके साथ ही आरोपी भी 2014 में आया था। पीड़िता ने आरोप लगाया कि 23 नवंबर को उसने नशीला पदार्थ पिलाकर दुष्कर्म किया। अब उसे फोटो–वीडियो वायरल करने की धमकी दे रहा है।

### राजस्थान सरकार
### निदेशालय खान एवं भूविज्ञान विभाग, राजस्थान, उदयपुर

क्रमांक निदे/अ.ख.अ. नीलामी / निलामी (ERCC/RCC 17)/2025/ई-13391

**ई-नीलामी विज्ञप्ति संख्या (ERCC/RCC 17)/2025**

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियमावली, 2017 के नियम-36 व 37 के तहत विभाग द्वारा इस विज्ञिप्त से अप्रधान खनिजों के प्रभावशील खनन पट्टों / क्वारी लाईसेसों व परमिट क्षेत्रों से निर्गमित होने वाले खनिजों पर अधिशुल्क /अधिक अधिशुल्क, परमिट शुल्क, प्रिमीयम शुल्क, डी.एम.एफ.टी., आर.एस.एम.ई.टी. एवं अन्य शुल्क संग्रहण के कुल 44 ठेके खुली ई-नीलामी के माध्यम से दिये जाने हेतु इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म पर इच्छुक बोलीदाताओं से बोली आमंत्रित की जाती है। ठेकों से संबंधित विस्तृत विवरण जैसे-ठेका क्षेत्र, खनिज, अमानत राशि, बोली प्रस्तुत करने की तिथि व समय इत्यादि का विवरण व ई-ऑक्शन की प्रक्रिया एवं मुख्य शर्तें विभागीय वेबसाइट www.mines.rajasthan.gov.in एवं इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म प्रदाता कंपनी MSTC की वेबसाइट www.mstcecommerce.com पर उपलब्ध है।

DIPR/C/17396/2025 (महावीर प्रसाद मीणा) निदेशक

### कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड सांचौर

क्रमांकःअअ / सांचोर /2024-25/3011 दिनांकः 20.11.2025

**निविदा सूचना संख्याः 12/2025-26**

**NIB No.: PWD2526A4414**

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से विभिन्न सड़को के निर्माण कार्य हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवम् दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में कार्य जिनकी लागत राशि रू. 261.60 लाख है

| | |
|---|---|
| निविदा आवेदन | 25 नवम्बर 2025, 9:30 बजे से 15 दिसम्बर 2025, सांय 6:00 बजे तक |

निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट http://dipr.rajasthan.gov.in http://sppp.rajasthan.gov.in http:// eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। सम्पूर्ण निविदा प्रक्रिया http://eproc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाईन सम्पादित की जायेगी। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट पर http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है। कार्यवार यू.बी.एन संख्या निम्नानुसार है।

UBN No.
1.UBN PWD2526WS01317413
2.UBN PWD2526WS01317416

(प्रदीप पंवार)
अधिशाषी अभियंता
सा.नि.वि. खण्ड सांचौर

DIPR/C/17381/2025

# 480 दिन के लम्बे इन्तजार के बाद भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा

## पुराने कार्यकर्ताओं के स्थान पर नए लोगों को मिली जगह

-कार्यालय संवाददाता-

■ कार्यकारिणी में 9 उपाध्यक्ष, 4 महामंत्री, 7 मंत्री, 1 कोषाध्यक्ष, 1 सहकोषाध्यक्ष, 1 प्रकोष्ठ प्रभारी और 7 प्रवक्ता, मीडिया प्रभारी, आईटी व सोशल मीडिया प्रभारी सहित कार्यालय सचिव बनाए गए हैं।

■ इस कार्यकारिणी में दो विधायकों को प्रवक्ता बनाया गया है, जबकि मुख्य टीम में विधायक और सांसदों को शामिल नहीं किया है।

**जयपुर।** प्रदेश भाजपा ने लम्बे इन्जार के बाद अपनी प्रदेश कार्यकारिणी घोषित कर दी है। प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के बनने के 480 दिन बाद प्रदेश की कार्यकारिणी की घोषणा की गई । इस कार्यकारिणी में कुल 34 नाम शामिल हैं।

कार्यकारिणी में 9 उपाध्यक्ष, 4 महामंत्री, 7 मंत्री, 1 कोषाध्यक्ष, 1 सहकोषाध्यक्ष, 1 प्रकोष्ठ प्रभारी और 7 प्रवक्ता, मीडिया प्रभारी, आईटी व सोशल मीडिया प्रभारी सहित कार्यालय सचिव की घोषणा की गई है। इस कार्यकारिणी में दो विधायकों को प्रवक्ता बनाया गया है जबकि मुख्य टीम में विधायक व सांसदो को शामिल नही किया है। इससे ऐसा माना जा रहा है कि विधायक और सांसदों को राजनीतिक नियुक्तियों में जगह दी जाएगी, जबकि प्रदेश की कार्यकारिणी में भाजपा के कार्यकर्ताओं को मौका दिया गया है। हालांकि पिछली कार्यकारिणी में सांसद और विधायकों को प्रदेश टीम में शामिल किया गया था। प्रदेश भाजपा की इस नई टीम में वरिष्ठ लोगों को दरकिनार करके नए लोगों को शामिल किया है।

इस कार्यकारिणी में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, पूर्व संगठन महामंत्री चन्द्रशेखर, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया सहित तीनो केंद्रीय मन्त्रियों सहित कुछ संघ से जुड़े लोगों को प्रदेश कार्यकारिणी में शामिल किया है।

मदन राठौड़ की प्रदेश कार्यकारिणी में 9 उपाध्यक्ष बनाए गए है। पहले 10 उपाध्यक्ष काम कर रहे थे। उपाध्यक्ष में 6 नए चेहरे शामिल किए गए हैं। जिनमे पूर्व मंत्री सुरेन्द्र पाल सिंह टीटी, बिहारीलाल विश्नोई, छगन माहुर, हकरू माईडा, अल्का मुन्दड़ा और सरिता गेना उपाध्यक्ष के रूप में नए चेहरे शामिल किए गए हैं। वही नाहर सिंह जोधा, मुकेश दाधीच, डॉ. ज्योति मिर्धा को फिर से उपाध्यक्ष बनाया गया है। यह मौजूदा कार्यकारिणी मे भी उपाध्यक्ष थे।

इसके साथ ही विधायक (तिजारा) बाबा बालकनाथ, सरदार अजयपाल सिंह, पूर्व राज्यसभा सांसद नारायण पंचारिया, राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया, पूर्व मंत्री प्रभुलाल सैनी, पूर्व सांसद सीआर पाटिल और मोतीलाल मीणा को कार्यकारिणी में जगह नहीं मिली है।

मदन राठौड़ ने अपनी टीम में महामंत्रियों की संख्या भी कम की है। मौजूदा कार्यकारिणी में 5 महामंत्री काम कर रहे थे। नई कार्यकारिणी में 4 महामंत्री बनाए गए हैं।

इनमें भी पिछली कार्यकारिणी के महामंत्रियों में से केवल एक को रिपीट किया गया है। ये श्रवण सिंह बगड़ी हैं। चार को बाहर कर दिया गया है।

इनके अलावा कैलाश मेघवाल, भूपेन्द्र सैनी और मिथिलेश गौतम को महामंत्री बनाया गया है। विधायक जितेन्द्र गोठवाल, सांसद दामोदर अग्रवाल, पूर्व सांसद संतोष अहलावत और देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष ओमप्रकाश भडाणा को बाहर किया गया है।नई टीम में मौजूदा टीम में काम कर रहे नेताओं में कुछ को प्रमोट भी किया गया है।

मौजूदा कार्यकारिणी में मंत्री रहे भूपेन्द्र सैनी और मिथिलेश गौतम को प्रमोट करके महामंत्री बनाया गया है।

एससी मोर्चे के अध्यक्ष कैलाश मेघवाल को प्रमोट करके प्रदेश कार्यकारिणी में महामंत्री और एसटी मोर्चा के अध्यक्ष नारायण मीणा, ओबीसी मोर्चा की टीम से सीताराम पोसवाल को प्रदेश मंत्री बनाकर प्रमोट करते हुए प्रदेश कार्यकारिणी में मंत्री बनाया गया है।

# भाजपा के नवनियुक्त पदाधिकारियों ने की मुख्यमंत्री से मुलाक़ात

**जयपुर।** प्रदेश भाजपा के नवनियुक्त पदाधिकारियों ने गुरूवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से सीएमओ में मुलाक़ात की। उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार जताया। इन पदाधिकारियों में प्रदेश महामंत्री श्रवण बगड़ी, भूपेंद्र सैनी, मिथलेश गौतम एवं प्रदेश मंत्री अजीत मांडण, अपूर्वा सिंह ,एकता अग्रवाल, नारायण मीणा, प्रवक्ता स्टेफ़ी चौहान एवं प्रदेश कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक सम्मिलित थे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सभी पदाधिकारियों से पार्टी को बूथ स्तर पर मज़बूती लेने के निर्देश दिए और कहा कि राज्य सरकार की शानदार योजनाओं को लाभार्थियों और आमजन तक पहुंचाएं और इसकी कार्ययोजना बनाए। करीब 45मिनट की मुलाक़ात में मुख्यमंत्री ने सभी को मिठाई खिलाकर बधाई दी। प्रदेश के अलग अलग क्षेत्रों से नियुक्त हुए पदाधिकारियों को आम कार्यकर्ता एवं आम जनता के बीच में रहने की सलाह भी दी।

## लिखित परीक्षा पास करने के बावजूद चयन प्रक्रिया से बाहर करने पर जवाब मांगा

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने कॉलेज शिक्षा विभाग में शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक भर्ती में लिखित परीक्षा पास करने के बावजूद अभ्यर्थी को चयन प्रक्रिया से बाहर करने पर उच्च शिक्षा सचिव, कॉलेज शिक्षा आयुक्त और आरपीएससी से जवाब तलब किया है। इसके साथ ही अदालत ने याचिकाकर्ता को साक्षात्कार में शामिल करने के आदेश दिए हैं। जस्टिस अशोक कुमार जैन की एकलपीठ ने यह आदेश पंकज कुमार सैन की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने अदालत को बताया कि आरपीएससी ने 1

# भिवाड़ी में 32 और हनुमानगढ़ में 160 फ्लैट्स बनाएगा राजस्थान हाऊसिंग बोर्ड

## आवासन मंडल के सभी रिकॉर्ड तत्काल डिजिटलाइज़ करें : देबाशीष पृष्टि

■ जयपुर के प्रताप नगर-सेक्टर 22 में भी सामुदायिक केन्द्र बनाने का निर्णय हुआ

**जयपुर ( कासं )।** राजस्थान हाऊसिंग बोर्ड दिसंबर माह में अरावली विहार, भिवाड़ी में 32 और डीटीओ, हनुमानगढ़ में 160 फ्लैट्स की आवासीय योजना लाएगा। इसके साथ ही जयपुर के सेक्टर-22 प्रताप नगर में भी सामुदायिक केंद्र बनाया जायेगा। इसकी जानकारी नगरीय विकास विभाग के प्रमुख शासन सचिव एवं हाऊसिंग बोर्ड अध्यक्ष देबाशीष पृष्टि ने दी है। उन्होंने गुरूवार को जयपुर स्थित आवासन मंडल मुख्यालय में परियोजना समिति की 175वीं बैठक ली, जहां कई महत्वपूर्ण निर्णय हुए।

नगरीय विकास विभाग के प्रमुख शासन सचिव एवं हाऊसिंग बोर्ड अध्यक्ष देबाशीष पृष्टि ने गुरूवार को परियोजना समिति की 175वीं बैठक ली।

मंडल अध्यक्ष देबाशीष पृष्टि ने अफसरों को निर्देश दिए कि, राजस्थान आवासन मंडल के सभी अभिलेखों को चरणबद्ध तरीके से पूर्णतः डिजिटाइज करें। उन्होंने कहा कि पुराने रिकॉर्ड से लेकर वर्तमान योजनाओं से जुड़े सभी दस्तावेजों को डिजिटल प्रारूप में सुरक्षित किया जाए, जिससे कार्यप्रणाली में पारदर्शिता बढ़े, अभिलेखों की खोज और सत्यापन में सरलता आए तथा सभी विभागीय गतिविधियों की गति में भी तेजी आए। डिजिटाइजेशन से भविष्य में किसी भी प्रकार की रिकॉर्ड संबंधी विसंगतियों को समाप्त करने में सहायता मिलेगी और मंडल की कार्यशैली और अधिक सुचारु एवं तकनीक-आधारित बनेगी।

बैठक में अरावली विहार योजना, भिवाड़ी में उच्च आय वर्ग (जी प्लस8) के 32 फ्लैट्स की आवासीय योजना लाने का निर्णय लिया गया। इस स्कीम से अलवर, भिवाड़ी, तिजारा एवं आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले मध्यम एवं उच्च आय वर्ग के आवासीय विकल्पों को बढ़ावा मिलेगा। इसी प्रकार मण्डल की डीटीओ हनुमानगढ़ योजना में मध्यम आय वर्ग- के 160 फ्लैट्स के लिए भी मण्डल अध्यक्ष द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई, जिससे हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर एवं समीपस्थ क्षेत्रों के मध्यम आय वर्ग के लोगों को आधुनिक फ्लैट उपलब्ध हो सकेगा। यह दोनों योजनाओं के लिए पंजीकरण दिसंबर माह में शुरू किया जाएगा। इसके साथ ही सेक्टर-22 प्रताप नगर, जयपुर में प्रस्तावित सामुदायिक केंद्र के निर्माण को भी अनुमोदित किया गया, जिससे योजना के आवंटियों सहित आमजन को एक महत्वपूर्ण सामुदायिक सुविधा उपलब्ध होगी। यह केंद्र प्रताप नगर एवं आसपास के क्षेत्रों के सभी आय वर्ग के निवासियों के लिए लाभकारी सिद्ध होगा। इसका निर्माण कार्य जनवरी माह में शुरू किया जाएगा । परियोजना समिति की सदस्य सचिव एवं अतिरिक्त मुख्य नगर नियोजक रिंकू बंसल ने मानचित्रों के माध्यम से सभी योजनाओं का विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया और संबंधित जानकारियां साझा की। बैठक में मुख्य अभियंता अमित अग्रवाल, प्रतीक श्रीवास्तव, टी.एस. मीणा, अतिरिक्त मुख्य नगर नियोजक रिंकू बंसल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

## पाक निवासी नकली नोट तस्कर को कारावास

**जयपुर ।** एनआईए मामलों की विशेष अदालत ने पाकिस्तान से नकली भारतीय मुद्रा लाकर अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करने वाले पाक निवासी अभियुक्त रान सिंह को दस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने पाकिस्तान के स्वास्थ्य विभाग से रिटायर इस अभियुक्त पर तीस हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक तेज प्रकाश ने बताया कि लैंड कस्टम स्टेशन, मुनाबाव, बाड़मेर के अधिकारियों से गोपनीय सूचना पर 16 मार्च, 2019 को थार लिंक एक्सप्रेस से भारत आते अभियुक्त को पकड़ा था। टीम को उसके कब्जे से 94 हजार रुपए के भारतीय नकली नोट मिले। वहीं टीम ने उससे एक मोबाइल व 2600 रुपए की पाकिस्तानी मुद्रा भी बरामद की। इस पर उसे गिरफ्तार किया गया। जांच में पता चला कि अभियुक्त 2015 में पाकिस्तान के स्वास्थ्य विभाग से रिटायर हुआ था। इसके बाद वह अपने परिवार सहित टर्म वीजा पर आकर मोरबी में रहने लगा। इस दौरान ही अभियुक्त ने भारत थार लिंक एक्सप्रेस का उपयोग षड्यंत्र रचते हुए पाकिस्तान से भारत देश में नकली नोट लाने के लिए किया। पाकिस्तान में अभियुक्त दूसरे आरोपी कूपजी से मिला और उसने अभियुक्त को भारतीय नकली मुद्रा दी। जांच के बाद एनआईए ने अभियुक्त के खिलाफ आरोप पत्र पेश किया। मामले में आरोपी कूपजी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी हैं और वह पुलिस की गिरफ्त से दूर चल रहा है।

## बर्खास्तगी के खिलाफ विभागीय अपील 14 साल लंबित रखना दुखद

**जयपुर ।** राजस्थान हाईकोर्ट ने कर्मचारी के बर्खास्तगी आदेश की विभागीय अपील को 14 साल में भी तय नहीं करने पर नाराजगी जताई है। इसके साथ ही अदालत ने जेवीवीएनएल को कहा है कि वह एक माह में अपील का निस्तारण करे। वहीं अदालत ने जेवीवीएनएल पर एक लाख रुपए का हर्जाना लगाते हुए दो सप्ताह में हर्जाना राशि याचिकाकर्ता को अदा करने को कहा है।


प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
**कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर**
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 558/2025
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि श्रीमती शशि प्रभा निवासी प्लॉट नं. 200, पी.टी.टी.एन. मिश्रा मार्ग, निर्माण नगर, जयपुर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत सेन्ट्रल एकेडमी एजुकेशनल सोसायटी, गोरखपुर कार्यालय पता-प्लॉट नं. 200, पी.टी.टी.एन. मिश्रा मार्ग, निर्माण नगर, जयपुर ने राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखाने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नही की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जाच ठासित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 25/11/25 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 29/1/26
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग जयपुर



प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
**कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर**
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 560/2025
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
चूंकि श्री हिमांशी गहलोत निवासी 49, सिविल लाइन्स जयपुर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत हन्वेटिव हैल्पिंग हैण्ड सोसाइटी कार्यालय पता-576 सेक्टर 9 ई, चित्रकूट योजना, वैशाली नगर, जयपुर ने राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन पत्र दिया है।
अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 25.11.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 29.01.2026
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग जयपुर



**इत्तलानामा वास्ते जाहिर करने वजह न जारी होने डिक्री के**
(आर्डर 21 रूल 22 जाब्ता दीवानी)
न्यायालय किराया अधिकरण, जयपुर महानगर द्वितीय, जयपुर।
**राजकुमार जैन बाबत अनिरूद्ध गोयल**
डिग्री बाबत - वसूली व कब्जा प्राप्ति
इजराय संख्या 34/25 CIS No. 48/2025
बनाम :-
मुसम्मी अनिरूद्ध गोयल पुत्र श्री राधेश्याम गोयल, जाति महाजन, उम्र लगभग 54 वर्ष, दुकानदार दुकान नं. 16, मकान नं. 2042 के नीचे, घी वालो का रास्ता, जौहरी बाजार, जयपुर एवं निवासी मकान नं. 501, अवध बिहारी जी की गली, गोविन्द राव जी का रास्ता, चांदपोल बाजार, जयपुर।
चूंकि ने डिग्री अदालत किराया अधिकरण-2 ACMM-05 Jaipur Metro-1 मवर्खे व मुकदमें नम्बर 292 सन 2015 (139/13) की इजराय के लिए दरख्वास्त पेश की है इसलिए आपको इत्तला दी जाती है कि आप इस अदालत में वार तारीख 17 माह 12 सन 2025 को हाजिर होकर अगर कोई उजर वास्ते आपके खिलाफ इजराय किये जाने डिग्री रखते हो तो पेश करो।
आज व तारीख 25.11.2025 व सब्त मेरे दस्तखत व मुहर अदालत के जारी किया गया।
मोहर अदालत
आज्ञा से रीडर
**किराया अधिकरण जयपुर महानगर-द्वितीय**



प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
**कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर**
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/889
चूंकि प्रार्थी श्री SATYANARAYAN GAUTAM, WARD NO 24, VILLAGE SHEEL KI DUNGRI CHAKSU JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास सह-सहयोग संस्था VILLAGE MANPUR, DUNGRI POST SHEEL KI DUNGRI CHAKSU JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा पूदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 21/11/2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 30/01/2026
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम



**कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी, नगर विकास न्यास, सवाईमाधोपुर**
क्रमांक-LU2012/SWM/2025-26/100260 **लोक सूचना** दिनांक-26.11.2025
श्री RAM SINGH MEENA पुत्र श्री JANSIRAM MEENA जाति MEENA निवासी 9, DAUSA ROAD JAWAHAR NAGAR COLONY SAWAI MADHOPUR ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का वाणिज्य प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है अर्थात-

| क्र. सं. | ग्राम तहसील व जिले का नाम | खातेदार का नाम | खसरा सं. | क्षेत्रफल (वर्गमीटर) | क्षेत्रफल (हैक्टे.) |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | धुड़ासी सवाईमाधोपुर (सवाई माधोपुर) | RAM SINGH MEENA | 1852/1850 | 2325 | 0.2325 |
| | | | | कुल | 0.2325 |

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर अपनी एसएसओ आईडी से लॉग इन कर 90-A For Development Authority (UDH) आईकॉन पर जाकर समर्थक दस्तावेज को अपलोड कर अपना आक्षेप दर्ज कर सकते है। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 26.11.2025 को जारी की गयी।
प्राधिकृत अधिकारी, नगर विकास न्यास, सवाईमाधोपुर


## तीन साल वाले बीपीएड कोर्स को करने वाले पीटीआई भर्ती के लिए पात्र

**जयपुर ।** राजस्थान हाईकोर्ट ने पीटीआई तृतीय श्रेणी भर्ती-2018 से जुडे मामले में उन अभ्यर्थियों को भी पात्र माना है, जिन्होंने तीन साल वाला बीपीएड कोर्स कर रखा है।

इसके साथ ही अदालत ने मामले में एकलपीठ के आदेश को रद्द करते हुए अपीलार्थियों को दो माह में समस्त परिलाभ सहित नियुक्ति देने के आदेश दिए हैं। एक्टिंग सीजे संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस मनीष शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश विमला देवी व 6 अन्य अपीलों पर संयुक्त रूप से सुनवाई करते हुए दिए।अपील में अधिवक्ता आरडी मीणा और अधिवक्ता राजेन्द्र सोनी ने बताया कि कर्मचारी चयन बोर्ड ने साल 2018 में पीटीआई तृतीय श्रेणी के पदों पर भर्ती निकाली थी। जिसमें याचिकाकर्ता मेरिट में आए थे, लेकिन उन्हें एक साल के बजाए तीन साल का बीपीएड योग्यता रखने के आधार पर चयन से बाहर कर दिया था। इस पर एकलपीठ में याचिका दायर की गई थी। जिसे एकलपीठ ने 2013 में खंडपीठ की ओर से दिए एक आदेश का हवाला देते हुए खारिज कर दिया था। इस आदेश को चुनौती देते हुए कहा गया कि साल 2014 में एनसीटीई ने एक परिपत्र जारी कर पीटीआई तृतीय श्रेणी भर्ती के लिए तीन साल के बीपीएड पाठ्यक्रम करने वालों को भी पात्र माना है। इस परिपत्र में राज्य सरकार ने स्थानीय स्तर पर संशोधन नहीं किया है और यह वर्तमान में भी प्रभावी है। अपील में कहा गया कि एनसीटीई शैक्षिणक पाठ्यक्रम तय करने की विशेषज्ञ और सर्वोच्च संस्था है। इसके अलावा एकलपीठ में सुनवाई के समय एनसीटीई ने अपने जवाब में याचिकाकर्ताओं को नियुक्ति के लिए पात्र माना था। ऐसे में उन्हें पीटीआई तृतीय श्रेणी भर्ती-2018 में नियुक्ति दी जाए। वहीं राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि राजस्थान अधीनस्थ शिक्षा सेवा नियम, 1971 में तीन साल वाले बीपीएड योग्यता वालों को पीटीआई ग्रेड 3 के लिए पात्र नहीं माना गया है। दोनों पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने एकलपीठ का आदेश रद्द कर अपीलार्थियों को समस्त परिलाभ सहित दो माह में नियुक्ति देने को कहा है।


**जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर | प्रस्तावित भू-उपयोग परिवर्तन**
क्रमांक : जविप्रा/उपा./जोन-12/2025/ दिनांक : 27.11.2025
आवेदक श्री अमित भगेरिया पुत्र श्री बृजकिशोर भगेरिया द्वारा ग्राम नींदड तहसील आमेर के खसरा नं. 736/1, 736/2 में जारी पैट्रोल पम्प विस्तार (क्षेत्रफल 398.36 वर्गमीटर व प्लान्टेशन कॉरिडोर 890.15 वर्गमीटर) के स्थान पर वाणिज्यिक में भू-उपयोग परिवर्तन करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। नगरीय विकास विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा राजस्थान नगरीय क्षेत्र भू-उपयोग परिवर्तन नियम 2010 के अन्तर्गत जारी अधिसूचना दिनांक 24.02.2021 राजस्थान नगरीय क्षेत्र भू-उपयोग परिवर्तन (संशोधन) नियम-2021 एवं भू-उपयोग परिवर्तन हेतु नगरीय विकास विभाग की अधिसूचना दिनांक 06.11.2024 के क्रम में भू-उपयोग परिवर्तन पैट्रोल पम्प विस्तार (क्षेत्रफल 398.36 वर्गमीटर व प्लान्टेशन कॉरिडोर 890.15 वर्गमीटर) के स्थान पर वाणिज्यिक प्रयोजनार्थ किया जाना प्रस्तावित है। पैट्रोल पम्प विस्तार के स्थान पर उक्त भूखंड का वाणिज्यिक प्रयोजनार्थ उक्त आवेदन / भू-उपयोग परिवर्तन किये जाने पर किसी को कोई आपत्ति हो तो इस विज्ञप्ति प्रकाशन के 15 दिवस की अवधि में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय जोन-12, जविप्रा में अपने दस्तावेजों सहित आपत्ति प्रस्तुत करें। उक्त कालावधि में आपत्ति / सुझाव प्राप्त नहीं होने पर नियमानुसार आगामी कार्यवाही अमल में लायी जावेगी। सूचित रहे। यह विज्ञप्ति आज दिनांक 27.11.2025 को जारी की गई है।
उपायुक्त जोन-12, जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर



**राजस्थान आवासन मण्डल, वृत-तृतीय**
जे.एल.एन. मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर -0141-4901853
क्रमांक-4517 दिनांक-20/11/25
**आम जाहिर सूचना** राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर द्वारा आवास संख्या-14/एच/308 इन्दिरा गांधी नगर, जगतपुरा, जयपुर, क्षेत्रफल 128.00 वर्ग मीटर का आवंटन श्री नरेश राय पुत्र स्व. श्री श्याम सुन्दर को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 811 दिनांक 25.04.2011 जारी किया गया था। उनके द्वारा आवास के पंजीयन प्रपत्रो का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक जयपुर अष्टम मे दिनांक 17.11.2016 को करवाया गया। श्री नरेश राय पुत्र स्व. श्री श्याम सुन्दर के द्वारा उक्त आवास का मुख्त्यारनामाआम श्री राम सिंह यादव पुत्र श्री रिशाल सिंह यादव को नियुक्त कर, मुख्त्यारनामाआम का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर अष्टम मे दिनांक 17/11/2016 को करवाया गया। तत्पश्चात मुख्त्यारनामाआम धारक श्री राम सिंह यादव पुत्र श्री रिशाल सिंह यादव के द्वारा आवास का बेचान जरिये विक्रय पत्र के श्रीमती सन्तोष चौधरी पत्नी श्री पन्ना लाल भादु को कर, विक्रय पत्र का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर अष्टम् में दिनांक 10/05/2017 को करवाया गया। श्रीमती सन्तोष चौधरी पत्नी श्री पन्ना लाल भादु के द्वारा आवास का मूल आवंटी के नाम पंजीयन हो जाने के बाद पश्चातवर्ती अंतिम क्रेता का नाम मण्डल अभिलेख मे दर्ज करने बाबत निवेदन किया गया है। अतः नाम दर्ज के संबंध मे किसी भी व्यक्ति / बैंक / संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञिप्त प्रकाशन के 07 दिवस मे व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि मे कोई आपत्ति प्राप्त नही होने पर उक्त आवेदनकर्ता श्रीमती सन्तोष चौधरी पत्नी श्री पन्ना लाल भादु का नाम मण्डल रिकार्ड मे दर्ज कर दिया जायेगा।
सम्पदा प्रबन्धक, वृत तृतीय, रा.आ.म. जयपुर



**आम सूचना** यह सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि दो संपत्तियाँ प्लॉट नंबर A-9(2) तथा प्लॉट नंबर A-9(1), योजना "मधुबन कॉलोनी" स्थित नाका मदार, ग्राम अजमेर, तहसील अजमेर, जिला अजमेर, राजस्थान में स्थित हैं, जिनके स्वामी धर्मेंद्र जैन पुत्र स्व. महेंद्र कुमार जैन है। उपरोक्त संपत्तियों के संबंध में प्रारम्भ में पत्र संख्या 9899 दिनांक 16.12.1971 निर्माण कार्य संबंधी) जारी हुआ तथा उसके बाद पत्र संख्या 9898 शहरी सुधार न्यास, अजमेर द्वारा जनार्दन प्रसाद शर्मा के पक्ष में दिनांक 16.12.1971 को जारी किया गया। इसके पश्चात आदेश संख्या 987 शहरी सुधार न्यास, अजमेर द्वारा जनार्दन प्रसाद शर्मा के पक्ष में दिनांक 10.10.1994 को जारी किया गया। तत्पश्चात लीज छूट प्रमाण पत्र शहरी सुधार न्यास, अजमेर द्वारा जनार्दन प्रसाद शर्मा के पक्ष में दिनांक 10.10.1994 को जारी किया गया। इसके बाद आवेदन संख्या 15244 शहरी सुधार न्यास, अजमेर द्वारा दिनांक 13.01.1995 को जारी किया गया। इसके पश्चात विक्रय पत्र (सेल डीड) जनार्दन प्रसाद शर्मा पुत्र बनमाली प्रसाद शर्मा द्वारा महेंद्र कुमार जैन पुत्र जय कुमार जैन के पक्ष में दिनांक 18.03.1995 को निष्पादित किया गया। जिसका पंजीकरण दिनांक 02.05.1995 को उप-पंजीयक कार्यालय अजमेर में किया गया। उपर्युक्त सभी दस्तावेज़ अर्थात् उपर्युक्त पत्र एवं दिनांक 02.05.1995 को पंजीकृत विक्रय पत्र गुम हो गए हैं, जिनके संबंध में यह सार्वजनिक सूचना प्रकाशित की जा रही है। आगे, महेंद्र कुमार जैन पुत्र स्व. जय कुमार जैन का दिनांक 17.06.2009 को देहांत हो गया तथा उपरोक्त संपत्तियाँ उनके कानूनी वारिसों के कब्जे में चली गईं। इसके उपरांत कुसुम जैन पत्नी स्व. महेंद्र कुमार जैन का दिनांक 03.01.2016 को देहांत हो गया। इसके बाद त्यागपत्र (रिलीज डीड) रोमा जैन पत्नी अतुल कुमार जैन (पुत्री स्व. महेंद्र कुमार जैन), पिंकी जैन पत्नी सजल जैन (पुत्री स्व. महेंद्र कुमार जैन), मीनाक्षी जैन पत्नी अंशु जैन (पुत्री स्व. महेंद्र कुमार जैन), निक्की जैन पत्नी अमित जैन (पुत्री स्व. महेंद्र कुमार जैन) तथा शिल्पी जैन पत्नी मनीष जैन (पुत्री स्व. महेंद्र कुमार जैन) द्वारा धर्मेंद्र जैन पुत्र स्व. महेंद्र कुमार जैन के पक्ष में दिनांक 06.02.2020 को निष्पादित किया गया, जिसका पंजीकरण 06.02.2020 को उप-पंजीयक कार्यालय अजमेर-1 में (प्लॉट नंबर A-9(2) हेतु) किया गया। इसके आधार पर नामांतरण पत्र संख्या 2020-21/544 नगर निगम अजमेर द्वारा धर्मेंद्र जैन पुत्र महेंद्र कुमार जैन के पक्ष में दिनांक 30.09.2020 को जारी किया गया (प्लॉट नंबर A-9(2) हेतु)। इसी प्रकार, उपरोक्त सभी वारिसों द्वारा धर्मेंद्र जैन पुत्र स्व. महेंद्र कुमार जैन के पक्ष में त्यागपत्र दिनांक 06.02.2020 निष्पादित किया गया, जिसका पंजीकरण 06.02.2020 को उप-पंजीयक कार्यालय अजमेर-1 में (प्लॉट नंबर A-9(1) हेतु) किया गया। इसके आधार पर नामांतरण पत्र संख्या 2020-21/546 नगर निगम अजमेर द्वारा धर्मेंद्र जैन पुत्र महेंद्र कुमार जैन के पक्ष में दिनांक 30.09.2020 को जारी किया गया (प्लॉट नंबर A-9 (1) हेतु)। जो उक्त संपत्ति की क्रय-विक्रय के लिए ADITYA BIRLA CAPITAL बैंक से ऋण प्राप्त कर रही है। अत: यदि किसी व्यक्ति को इस संपत्ति पर किसी प्रकार का स्वामित्व, अधिकार, बंधक, या आपत्ति का दावा हो, तो वह इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 7 दिनों के भीतर अपने प्रमाणिक दस्तावेज़ों सहित लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा यह माना जाएगा कि संपत्ति पर किसी को कोई आपत्ति नहीं है और क्रेता को उक्त संपत्ति पर निर्बाध स्वामित्व का अधिकार प्राप्त होगा।
मुकुंद पंचारिया ( एडवोकेट )
दिनांक : 27.11.2025 मो. 7793033590, 9829290229



**आम सूचना**
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल केसर राम गोदारा पुत्र स्व श्री पूरणाराम गोदारा एवं उनकी पत्नी श्रीमती लक्ष्मी देवी पत्नि केसर राम गोदारा निवासी ग्राम बछरारा पोस्ट देवीदासपुरा तहसील सूरजगढ जिला गंगानगर राजस्थान हाल निवासी प्लॉट नंबर 202-203, नेमी नगर विस्तार, आम्रपाली रोड़ वैशाली नगर, जयपुर का रहने वाला हूँ तथा मै एक सीनियर सिटीजन व्यक्ति हूँ मेरे पौत्र 1. जयदीप गोदारा 2. रायभान गोदारा उर्फ अर्जुन आये दिन के होने वाले लडाई झगडें, व्यवहार व आचरण से पीडित है तथा वह हमारे कहेनुसार नहीं चल रहे है संपत्ति को लेकर उन्होंने मेरे मुवक्किल का जीना दुश्वार किया हुआ है तथा ये लोग मेरे मुवक्किल को बहुत ज्यादा दुःखी करते है। इसलिए मेरे मुवक्किल इन्हें अपनी चल व अचल संपत्ति व विधिक अधिकारों से बेदखल कर दिया गया है। मेरे मुवक्किल की चल व अचल संपत्ति में इनका कोई हक नहीं है यदि कोई व्यक्ति या संस्था इनसे संपत्ति बाबत इनसे किसी प्रकार का कोई लेन, देन या व्यवहार करता है तो उसकी जिम्मेदारी मेरे मुवक्किल की नहीं होगी।
जयपुर (मोहम्मद रूमान खान) एडवोकेट
दिनांक:27/11/2025 मो.नं. 9309300000



**नम्बर मिलाइए 9587884433**

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।


## कांस्टेबल गिरफ्तार

**जयपुर।** भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की भिवाडी टीम ने पुलिस थाना पनियाला जिला कोटपूतली-बहरोड के पुलिस कांस्टेबल प्रवीण बागोरिया को 20 हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया। महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने बताया कि एसीबी भिवाडी टीम को परिवादी ने शिकायत दी कि उसके भाई का पुत्र व पुत्री नांगल चौधरी से घर आ रहे थे। तब उनके आगे चल रही अन्य गाडी को ओवरटेक करते समय उसके खरोंच आ गई।


**खोया पाया**
मेरे राजस्थान आवासन मंडल के मकान नंबर 12/296 मालवीय नगर जयपुर का मूल अलॉटमेंट कहीं खो गया है मिलने पर सम्पर्क करें - जितेन्द्र शर्मा, 6371201595

**नाम परिवर्तन**
मैने सभी उद्देश्यों के लिए अपना नाम राजेश कुमार सुरोलिया से बदलकर राजेश सुरोलिया रख लिया है, R/o T-10 शांति पथ संजय कॉलोनी गली नंबर 6 नेहरू नगर शास्त्री नगर जयपुर


# "सहकार गैलेरी" में दिखेगी सहकारी आंदोलन यात्रा की आकर्षक झलक

■ सहकारी आन्दोलन की गौरवशाली यात्रा और उपलब्धियों को आकर्षक रूप में किया गया प्रदर्शित

**जयपुर ( कासं )।** सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने गुरुवार को राजस्थान सहकारी शिक्षा एवं प्रबंधन संस्थान (राइसेम) परिसर में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025 के अंतर्गत स्थापित की गई सहकार गैलेरी का फीता काटकर उद्घाटन किया। उन्होंने गैलेरी का अवलोकन कर प्रदर्शित की गई जानकारी की सराहना की। सहकारिता विभाग द्वारा एनसीसीएफ के सहयोग से स्थापित की गई सहकार गैलेरी में सहकारी आन्दोलन की यात्रा को आकर्षक रूप में प्रदर्शित किया गया है।

सहकारिता राज्य मंत्री गौतम कुमार दक ने सहकार गैलेरी का उद्घाटन करने के बाद इसका अवलोकन किया।

दक ने इस अवसर पर कहा कि सहकारिता की गौरवशाली यात्रा को दर्शाती यह गैलेरी आगन्तुकों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बनेगी। यहां प्रदर्शित सामग्री न केवल सहकारिता के इतिहास, उपलब्धियों और नवाचारों को दर्शाती है, बल्कि यह भी बताती है कि कैसे छोटे-छोटे सामूहिक प्रयासों से बड़े सामाजिक परिवर्तन संभव हैं। सहकार गैलेरी में सहकारिता से जुड़ी जानकारियों को क्लिप बोर्ड्स, एक्रेलिक शीट्स, विनायल प्रिन्ट, फोटो फ्रेम्स एवं डिजिटल स्क्रीन्स के माध्यम से आकर्षक रूप में राजस्थानी संस्कृति की थीम पर प्रदर्शित किया गया है। गैलेरी के एक भाग में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष का परिचय एवं सिद्धान्त, सहकारिता के सिद्धान्त एवं उद्देश्य तथा विशिष्ट व्यक्तियों के उद्धरणों को प्रदर्शित किया गया है। इसी तरह अन्य एक भाग में सहकारिता के उद्भव एवं विकास से जुडी जानकारी प्रदर्शित की गई है, जिसमें प्राचीन भारतीय लोकाचार में सहकारिता के बीज, विश्व में सहकारी आन्दोलन का शुभारम्भ, भारत में सहकारी आन्दोलन का शुभारम्भ, राजस्थान में सहकारी आन्दोलन का शुभारम्भ, राजस्थान में स्वतंत्रता पूर्व एवं स्वतंत्रता पश्चात् सहकारी विधि का विकास की जानकारी शामिल है।


**कार्यालय सचिव राज. मेडीकेयर रिलिफ सोसायटी, सामु. स्वा० केन्द्र ईशरोदा (तिजारा)**
क्रमांक :2025/253 **खुली निविदा सूचना** दिनांक-03/11/2025
सचिव राजस्थान मेडीकेयर रिलिफ सोसायटी प्राथ०स्वा०केन्द्र ईशरोदा (तिजारा) खैरथल- तिजारा द्वारा निम्न सेवायें उपलब्ध कराने हेतु अधिकृत संस्था से निम्नानुसार निविदा आमंत्रित की जाती है।

| क्र.सं. | कार्य का नाम | कार्य की अनुमानित लागत (लाखों में) | अमानत राशि रू | निविदा शुल्क रूपये | बोली प्रपत्र प्राप्ती की अंतिम तिथि व समय | बोली प्रपत्र जमा कराने की अंतिम तिथि व समय | बोली प्रपत्र खोलने की तिथि व समय |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| 1 | कम्प्यूटर ऑपरेटर मैन विद मशीन( ihms संविदा।) | 180000/- | 3600.00/- | 100/- | 02.12.2025 12.00 PM | 02.12.2025 1.00 PM | 02.12.2025 2.00 PM |
| 2 | सफाई कार्य (24x7) | 360000/- | 7200.00/- | | 02.12.2025 12.00 PM | 02.12.2025 1.00 PM | 02.12.2025 2.00 PM |

नियम एवं शर्ते-
1. निविदाएँ दोहरी बिड प्रणाली अनुसार प्रस्तुत करनी होगी। पहला लिफाफा (क) तकनीकी बिड का होगा जिसमें अमानत राशि का डीडी/बैंकर्स चैक, समस्त वांछित डॉक्युमेंट की प्रमाणित छाया प्रति मय निविदा फार्म लगाया जायेगा। डीडी/बैकर्स चैक राजस्थान मेडिकेयर रिलीफ सोसाइटी, ईशरोदा के नाम से व तिजारा शाखा पर देय होगा। दूसरा लिफाफा (ख) वित्तीय बिड का होगा जिसमें सिर्फ प्रस्तावित दरें ही दी जावेगी। तकनीकी बिड में सफल निविदादाताओं की ही वित्तीय बिड खोली जावेगी।
2. प्राप्त निविदाएँ दिनांक 02.12.2025 को दोपहर 1.00 तक जमा की जायेगी तथा 02.12.2025 को दोपहर 2.00 निविदा समिति के सदस्यों द्वारा उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोली जावेगी।
3. तकनीकी विवरण एवं निविदा की शर्ते निविदा प्रपत्र के साथ उपलब्ध है। जो कार्यालय समय में निर्धारित शुल्क जमा करा प्राप्त की जा सकती है।
4. अधिक जानकारी http://sppp.rajasthan.gov.in वेबसाईट पर उपलब्ध है।
5. निविदा को स्वीकृत / अस्वीकृत करने के सम्बन्ध में समस्त अधिकार कमेटी के पास रहेगा।

-सचिव राज मेडीकेयर रिलिफ सोसायटी प्राथ0 स्वा0 केन्द्र ईशरोदा, तिजारा

## संक्षिप्त

### 20 लाख रुपए की स्वीकृति जारी

**मनोहरपुर, (निसं)।** ग्राम लोचुकाबास स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में गुरुवार को जिला खनिज निधि ट्रस्ट योजना के तहत कक्षा कक्ष मय बरामदा व फर्श निर्माण के लिए इंजीनियरों की टीम भौतिक निरीक्षण के लिए विद्यालय पहुंची। भाजपा नेता गणपत वर्मा ने बताया कि विद्यालय के कुछ कक्षा कक्ष क्षतिग्रस्त होने से विद्यार्थियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। जिस पर जिला कलेक्टर जितेंद्र सोनी ने जिला खनिज निधि ट्रस्ट योजना के तहत 20 लाख रुपए के राशि स्वीकृत की है। इस निर्माण कार्य को मूर्त रूप देने के लिए जिला परिषद के अधिशाषी अभियंता विजय जलोवा, सहायक अभियंता शंकरलाल, कनिष्ठ अभियंता जितेंद्र यादव, संजय वर्मा सहित अन्य सदस्य पहुंचे। उन्होंने निर्माण कार्य रूपरेखा को अंतिम रूप देते हुए विद्यालय के कमरा नं0 6 व 7के उपर कक्षा कक्ष का निर्माण तथा कमरा नंबर 15 एवं 16 की छत की पटिटया हटाकर आरसीसी का निर्माण कार्य करवाने की बात कही।इस दौरान प्रधानाचार्य उमेश चंद्र शर्मा, उप प्रधानाचार्य मनोज शर्मा, बंशीधर पटवारी, सहित मौजूद थे।

### संविधान दिवस मनाया

**शाहपुरा, (निसं)।** अजित कुमार हींगर एवं सचिव पवन कुमार जीनवाल के निर्देशानुसार तालुका विधिक सेवा समिति शाहपुरा अध्यक्ष ललिता शर्मा अपर जिला एवं सत्र सैशन न्यायाधीश प्रथम की अध्यक्षता में न्यायालय परिसर में संविधान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर एडीजे ललिता शर्मा ने संविधान की प्रस्तावना का सभी उपस्थित कर्मचारी गणों एवं एडवोकेट्स को वाचन करवाकर उनको शपथ दिलाई गई। भारत के संविधान के बारे जानकारी प्रदान की। इस कार्यक्रम में शाहपुरा सहायक नाजिर मुकेश कुमार शर्मा, विधिक सेवा प्रभारी अमन मीणा, अधिकार मित्र दिनेश कुमार शर्मा, लीगल कर्मी ममता पलसानिया एवं समस्त शाहपुरा न्यायालय के कर्मचारीगण, अधिवक्तागण, वरिष्ठ प्रो.बोनो, अधिवक्ता सीताराम नोसादर, शिवकुमार शर्मा, गिरधारी लाल यादव, रवि शंकर अग्रवाल, नरेश कुमार शर्मा, मुकेश कुमार व्यास एवं अन्य अधिवक्ता गण उपस्थित थे।

### गौवंश से भरी पिकअप जब्त

**टोंक, (निसं)।** अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में वृत्ताधिकारी उनियारा अनुज डाल के सुपरविजन में एवं निवाई सदर थानाधिकारी के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा बुधवार रात्रि को गश्त के दौरान निवाई क्षेत्र के भजईयां की ढाणी प्रतापपुरा रोड से ग्राम सुरया की तरफ जा रही एक पिकअप को चैकिंग के दौरान वाहन में गोवंश भरे मिलने पर मौके पर ही अवैध रूप से गोवंश परिवहन करते हुये पाये जाने पर पिकअप को जप्त किया गया। कार्यवाही के दौरान चालक मौके का फायदा उठाकर फरार हो गया।

### 1 रूपया लेकर दहेज का किया त्याग

**टोंक, (निसं)।** वर्तमान में जहां दहेज एक दानव की तरफ फैलता जा रहा है, वही मुख्यालय के खोजा बावडी में हुए एक शादी के दौरान दुल्हे ने दहेज के नाम पर केवल लगन, टीका और शादी में एक रुपया, पौधा व कलश लेकर के समाज का नाम रोशन किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार खोजा वाबडी निवासी प्रताप मल बैरवा की लड़की पूजा सिसोदिया का विवाी रामप्रसाद बैरवा निवासी वीरपुर तहसील खंडार जिला सवाईमाधोपुर हुआ है, जिसमें दुल्हे ने दहेज को समाज में एक कुरीति बताते हुए बहिष्कार कर दिया। वहीं दुल्हे ने इस अवसर पर केवल लगन, टीका और शादी में एक रुपया लेकर रिश्ता निभाया तथा समाज में ऐसे रीति को हटाने तथा हर घर व अपने आस पास पौधा लगाने का संदेश दिया।

### वन्दे मातरम् का सामूहिक गान

**टोंक, (निसं)।** राष्ट्रीय गीत वन्दे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जिला प्रमुख कक्ष मे जिला प्रमुख सरोज बंसल ने गीत का सामूहिक गान किया। इस दौरान वन्दे मातरम् की ऐतिहासिक यात्रा, राष्ट्रीय चेतना और स्वतंत्रता संग्राम में इसके अमूल्य योगदान पर चर्चा की गई। जिला प्रमुख ने बताया कि वंदे मातरम् स्वदेशी आंदोलन से आत्मनिर्भर भारत तक 1905 में वंदे मातरम् बंगाल विभाजन और स्वदेशी आंदोलन का सबसे बड़ा नारा बना देशवासियों ने लगाकर स्वदेशी सामान को अपनाया।

# विराटनगर के सूरजपुरा को ग्राम पंचायत नहीं बनाने पर विरोध प्रदर्शन किया

- ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि ग्राम सूरजपुरा आबादी और अन्य सभी मापदंडों को पूरा करता है, फिर भी ग्राम पंचायत नहीं बनाया जा रहा
- चौथे दिन भी धरना प्रदर्शन व आमरण अनशन रहा जारी

**पावटा, (निसं)।** विराटनगर क्षेत्र के ग्राम सूरजपुरा को ग्राम पंचायत का दर्जा न दिए जाने पर ग्रामीणों द्वारा चौथे दिन भी धरना व विरोध प्रदर्शन एवं आमरण अनशन कर प्रदर्शनकारियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और अपनी मांगों को पूरा करने की अपील की।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि ग्राम सूरजपुरा आबादी और अन्य सभी मापदंडों को पूरा करता है, फिर भी इसे ग्राम पंचायत नहीं बनाया जा रहा है। उनका कहना था कि कुछ अन्य ग्राम पंचायतों को, जो मापदंड पूरे नहीं करतीं, उन्हें भी यह दर्जा दिया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि जब तक हमारी मांगे ग्राम सूरजपुरा को स्वतंत्र ठााम पंचायत घोषित किया जाए, पंचायत पुनर्गठन प्रस्ताव की निष्पक्ष समीक्षा की जाए, नियमों के हिसाब से ग्राम सूरजपुरा ग्राम पंचायत के लिए संपूर्ण मापदंड पूरे करता है, ग्राम सूरजपुरा में पंचायत भवन हेतु पर्याप्त सरकारी भूमि उपलब्ध है। पूरा नहीं किया जाता है तब तक पंचायत गठन सूरजपुरा के अन्याय व न्याय तक संघर्ष जारी रखते हुए धरना प्रदर्शन व आमरण अनशन जारी रहेगा।

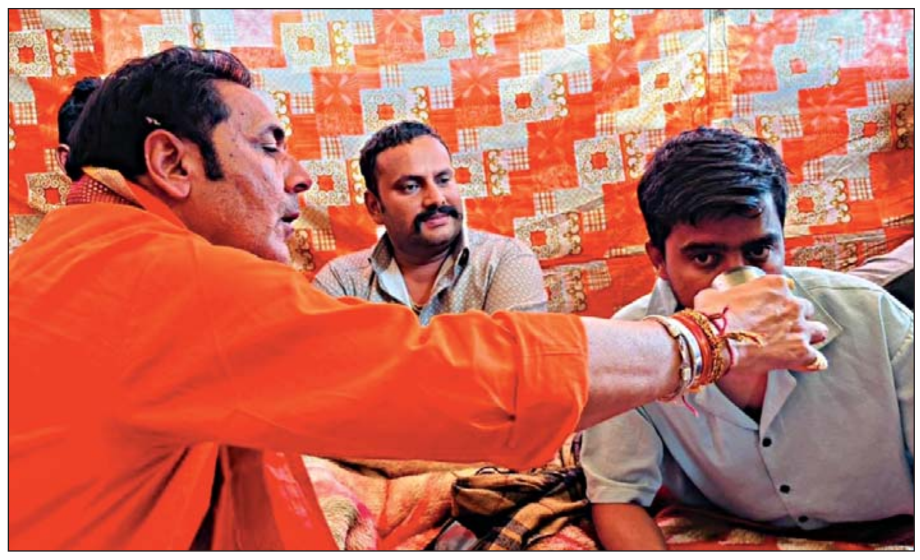

विधायक कुलदीप धनकड ने आमरण अनशन पर बैठे चार लोगों को जूस पिलाकर आमरण अनशन व लोगों को आश्वासन देकर धरना समाप्त करवाया।

कांग्रेस पावटा ब्लॉक अध्यक्ष महादेव प्रसाद ने कहा कि वास्तव में यह अत्यंत दुखद एवं चिंताजनक है कि आम जनता अपनी न्यायोचित मांगों को मनवाने के लिए इस स्तर तक मजबूर हो रही है, फिर भी उनकी आवाज़ सत्ता के कानों तक नहीं पहुँच रही। भाजपा के पदाधिकारियों एवं प्रशासन से मज़बूत आग्रह नहीं, बल्कि आग्रह के साथ आव्हान करता हूँ कि मानव जीवन की गंभीरता को समझें, जनता की भावनाओं का सम्मान करें, संवाद स्थापित कर तुरंत समाधान निकालें, इस भूख हड़ताल एवं धरने को शीघ्र समाप्त करवाएँ। सबकी यही अपेक्षा है कि जनता हित में सकारात्मक निर्णय लिया जाए, समस्याओं का त्वरित समाधान हो जिससे क्षेत्र की शांति एवं स्वास्थ्य की रक्षा हो। दोनों गाँवों को अलग-अलग पंचायत का दर्जा दिया जाए क्योंकि ऐसा होने से दोनों क्षेत्रों का विकास तेज़ी से होगा, प्रशासनिक सुविधाएँ लोगों तक सीधी पहुँचेंगी, किसी भी गाँव को उपेक्षित महसूस नहीं होगा, जनता को बेहतर योजनाएँ और संसाधन मिल सकेंगे और सबसे महत्वपूर्ण दोनों गाँवों के बीच जो तनाव बढ़ रहा है, वह शांत होगा। अलग-अलग पंचायत बनने से दोनों गाँवों का विकास होगा, भाईचारा बढ़ेगा और क्षेत्र में सकारात्मक माहौल बनेगा। वहीं गुरुवार को विधायक कुलदीप धनकड ने धरने पर पहुंचकर ग्रामीणों सेसमझाइश कर जन भावनाओं को देखते हुए पूर्ण रूप से सहयोग करते हुए ग्राम सूरजपुरा को ग्राम पंचायत बनाए जाने या कोई अन्य तरीके से समस्या के समाधान का आश्वासन दिया। इस दौरान विधायक कुलदीप धनकड ने आमरण अनशन पर बैठे चार लोगों हितेंद्र सिंह, नवदीप सिंह, हितेंद्र, सुभाष को जूस पिलाकर आमरण अनशन व आश्वासन देकर धरना समाप्त करवाया। इस मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण व महिलाएं मौजूद रही।

## विष्णु ग्राम सेवा सहकारी समिति पलेई में खाद की मारामारी

- किसानों को समय पर पर्याप्त मात्रा में नहीं मिल रहा है यूरिया खाद

**निवाई।** विष्णु ग्राम सेवा सहकारी समिति पलेई में खाद की मारामारी के चलते किसानों को समय पर खाद नहीं मिलने से किसानों को मायूस होकर लौटना पड़ रहा है। इस दौरान यूरिया खाद लेने के किसान विष्णु ग्राम सेवा सहकारी समिति में अपने कीमती समय में सिंचाई के कार्य को छोडकर लम्बी-लम्बी कतारों में दिनभर खडे रहते है।

इस अवसर पर किसान महापंचायत के ब्लॉक अध्यक्ष दशरथसिंह पलेई ने बताया कि विष्णु ठााम सेवा सहकारी समिति में दो दिन पहले यूरिया खाद की गाडी आई थी। लेकिन उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण और प्रशासन की नाकामी को देखते हुए। खाद का वितरण व्यवस्थित रूप से नहीं हो पा रहा है। टोकन मिलने के बाद भी बिना लाइन के ही खाद वितरण किया जा रहा है।

जिससे किसानों में भारी आक्रोश व्याप्त है। उन्होंने बताया कि किसान प्रात: 5 बजे से ही सर्दी में घर का काम छोड़कर लाइनों में खडे रहते हैं और खाद लेने के लिए आपस में धक्का मुक्की करते रहते हैं। किसानों को उनकी जरूरत के अनुसार खाद नहीं मिल रहा है और जो मिल भी रहा है वह ऊंट के मुंह में जीरे के समान हैं। जिससे किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

इस अवसर पर किसान पंचायत के महामंत्री शंकरलाल मीणा, महासचिव गोविंदराम चौधरी, अध्यक्ष दशरथ सिंह, गोपाल सिंह, रामेश्वर चौधरी, रामावतार मीना, गोविंदसिंह चौहान, खेमराज मीणा, रामस्वरूप चौधरी, प्रभुलाल मीणा, नरेश मीणा व रामनिवास बैरवा सहित कई किसानों ने प्रशासन से किसानों को समय पर पर्याप्त मात्रा में खाद दिलवाने की मांग की है।

## दूषित पानी की सप्लाई से वार्डवासी परेशान

**पावटा।** कस्बे के वार्ड नंबर 11 के लोग कई दिनों से काले रंग व झाग वाले दूषित पानी की सप्लाई से परेशान हैं। जलदाय विभाग की ओर से सप्लाई होने वाला पानी इतना गंदा है कि इससे बदबू आती है। पानी का रंग काला है व पानी में झाग भी बन रहे हैं।

राधेश्याम सोनी, हिमांशु गोयल, डॉ ओमप्रकाश गौड, संतोष सोनी, योगेश गोयल, नीरज सैन, वीरेंद्र बंसल, रामेश्वर यादव, मुकेश जिंदल, श्रवण बंसल सहित वार्डवासियों ने बताया कि इसके चलते पानी की टंकियां भी गंदी हो गई है। लोगों को टंकियों की सफाई करानी पड़ रही है। वैसे भी पानी की सप्लाई बहुत कम होती है। घंटों तक लोगों को पानी का इंतजार करना पड़ता है। लेकिन अब जो पानी की सप्लाई हो रही है, वह किसी काम की नहीं है। जलदाय विभाग के अधिकारियों के द्वारा लोगों की सेहत से पूरी तरह खिलवाड़ किया जा रहा है।

वार्ड नंबर 11 के लोग दूषित पानी की सप्लाई से परेशान।

मजबूरी में लोगों को पानी खरीद कर पीना पड़ रहा है। पानी इतना गंदा आ रहा है कि उस पानी का इस्तेमान घर की साफ-सफाई में भी नहीं किया जाता। जहां एक ओर घर के नलों में काले रंग का दूषित पानी आ रहा है, वहीं दूसरी ओर पानी में झाग भी बन रहे हैं। वार्ड में बदबूदार पानी की सप्लाई होने से लोगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। वही मुकेश सोनी ने बताया कि कॉलोनी के मकानों में बदबूदार पानी सप्लाई किया जा रहा है। पानी काला, दूषित व झागदार होने से इतनी ज्यादा बदबू आती है कि उसे बयां करना मुश्किल है।

## परमात्मा पूजा से नहीं पुरुषार्थ से मिलेंगे : प्रबुद्ध सागर

- धार्मिक कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

**निवाई।** सन्त निवास नसियां जैन मंदिर में सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में आचार्य वर्धमान सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में कई धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जहां सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ जमा रही। सर्व प्रथम प्रात:काल में जिनोदय युवा संघ एवं श्रद्धालुओं द्वारा भक्तिभाव के साथ संघ को श्रीफल भेंट किया।

जैन समाज के प्रवक्ता सुनील भाणजा एवं हितेश छाबड़ा ने बताया कि भगवान शांतिनाथ, आदिनाथ व पाश्र्वनाथ का अभिषेक एवं शान्तिधारा की गई। इसके पश्चात आचार्य शांतिसागर महाराज व वीर सागर महाराज के चित्र समक्ष दीप प्रज्ज्वलित किया गया। कार्यक्रम का मंगलाचरण णमोकार महिला मण्डल द्वारा किया गया। मुनि प्रबुद्ध सागर महाराज ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन की मूल समस्याओं का समाधान अध्यात्म द्वारा ही संभव है। अध्यात्म मानव चेतना को उसे अनंत ऊंचाई तक ले जाता है। जहां से पुन: लौटना नहीं होता, आगम शब्दों में जिसे निर्वाण और मोक्ष कहा जाता है। उन्होंने निर्वाण और मोक्ष की परिभाषा बताते हुए कहा कि मन से वासना का बाण निकल जाना ही निर्वाण है और मोह का अभाव ही मोक्ष है। मोक्ष विरासत में अथवा उत्तराधिकारी के रूप में मिलने वाली संपत्ति नहीं है। उसे अपने ही श्रम से अर्जित करना पडता है। भगवान महावीर की संस्कृति को श्रमण संस्कृति कहा गया है।

## राजकीय मेडिकल कॉलेज का प्रथम बैच प्रारम्भ

**टोंक, (निसं)।** राजकीय मेडिकल कॉलेज टोंक ने अपने पहले एमबीबीएस बैच के आगमन के साथ एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। इस अवसर पर कॉलेज के विद्यार्थियों व परिजनों ने व्हाइट कोट सेरेमनी हर्षोल्लास से आयोजित की गई, यह समारोह चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में जिले के लिए नए युग की शुरुआत का प्रतीक है।

इस कार्यक्रम में आई.एम.ए. सचिव डॉ. राजीव बंसल, डॉ. शानू बंसल, शशि चौधरी, दिलीप चौधरी तथा प्रधानाचार्य एवं नियंत्रक डॉ. लोकेंद्र शर्मा उपस्थिति रहे। कार्यक्रम में अधिकारियों ने नव-प्रवेशित विद्यार्थियों को चिकित्सकीय दायित्वों एवं आचार-संहिता से परिचित कराया। इस मौके पर डॉ. राजीव बंसल ने विद्यार्थियों को एम.एस.एन. (मेडिकल स्टूडेंट नेटवर्क) की कार्यप्रणाली, उद्देश्य एवं महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी तथा बताया कि एम.एस.एन. चिकित्सा विद्यार्थियों के लिए एक सशक्त मंच है, जो उन्हें अकादमिक, अनुसंधान, नेतृत्व तथा सामाजिक चिकित्सकीय सेवाओं में आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करता है। वही डॉ. शानू बंसल ने विद्यार्थियों को चिकित्सकीय नैतिकता, मानवता तथा रोगी-सेवा के मूल्यों पर आधारित सफेद कोट की परंपरा का महत्व समझाया।

## चोरी की घटनाओं से रोष

**पावटा।** विराटनगर क्षेत्र के ग्राम आंतेला में बुधवार की रात चोरों ने कई घरों में चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया। इन चोरी की घटनाओं से ग्रामीणों में रोष व्याप्त है। एक ही रात में अज्ञात चोरों ने घर में सो रहे लोगों के कमरों की कुंदी बंद कर चोरी की वारदातों को अंजाम दिया। वही दुकानों को निशाना बनाते हुए नकदी व सामान की चोरी की घटना को अंजाम दिया। ठााम आंतेला में बीती रात चोरों ने 5 जगह चोरी की वारदात को अंजाम दिया जिसमें 3 घरों व 2 दुकान में हुई चोरी से इलाके में हड़कंप मच गया। वही लोग पुलिस की सुरक्षा व गस्त व्यवस्था पर सवाल उठाते नजर आए। सूचना पर भाबरु थाना पुलिस मौके पर पहुंची व मौका मुवायना किया। वही चोरी की घटना सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हो गई है। चोरों ने ठााम आंतेला निवासी योगेश सैनी के घर से करीब 12 लाख रुपए के जेवरात चुरा ले गए। वही महेंद्र मीणा व ताराचंद की डीजे व परचून की दुकान से लाखों की डीजे मशीन व परचून का सामान व मालीराम बुनकर के घर से करीब 25 हजार नकदी व जेवरात चुराकर फरार हो गए अन्य घरों में भी चोरी का प्रयास किया गया लेकिन ग्रामीण जाग गए। लगातार हो रही चोरी से ग्रामीणों में दहशत है। सुबह जब वह नींद से उठे तो घरों व दुकानों मे चोरी होने का पता चला। जिसके बाद उसने पुलिस को सूचित किया।

## बाल विवाह मुक्त भारत अभियान को लेकर महिलाओं को शपथ दिलाई

**राजगढ़, (निसं)।** कस्बे के पुलिस थाना परिसर में महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र पर बाल विवाह मुक्त भारत अभियान को लेकर महिलाओं को शपथ दिलाई। महिला अधिकारिता विभाग अलवर की ओर से बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के 1 वर्ष पूर्ण होने पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर पर्यवेक्षक अभिलाषा शर्मा ने बताया कि महिला अधिकारिता विभाग की ओर से अनुदानित महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र व गणनायक विकास संस्था जयपुर की

- महिलाओं से ग्रामीण क्षेत्र में बाल विवाह नहीं करने के बारे में जन चेतना जागृत करने की अपील की

पुलिस थाना परिसर में महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र पर बाल विवाह मुक्त भारत अभियान को लेकर महिलाओं को शपथ दिलाई।

ओर से आयोजित किस कार्यक्रम में ठाामीण महिलाओं को बाल विवाह नहीं करने की शपथ दिलाई। इस अवसर पर इस अभियान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए जनसंपर्क का आ ान किया गया। महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र की विधि सलाहकार उषा जाजू मैं बाल विवाह को गंभीर अपराध बताते हुए इसके कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बाल विवाह करने वाले एवं सहयोग करने वालों पर दंड का प्रावधान है।

इस दौरान महिला सलाहकार ज्योति शर्मा ने बाल विवाह को लडके एवं लड़की के विकास में बाधक बताया। उन्होंने उपस्थित महिलाओं से ग्रामीण क्षेत्र में बाल विवाह नहीं करने के बारे में जन चेतना जागृत करने की अपील की। इस अवसर पर ग्रामीण महिलाएं एवं अन्य मौजूद रहे। संघ के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष बृजेंद्र सिंह बबेली ने बताया कि पंचायती राज के संयुक्त विधि परामर्शी गिरवर सिंह शेखावत से सहायक विकास अधिकारी से अतिरिक्त विकास अधिकारी एवं सहायक विकास अधिकारी से विकास अधिकारी पद पर पदोन्नित बाबत स्थाई वरीयता सूची जारी करने की मांग की। इस पर उन्होंने शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। इस अवसर पर संगठन के महामंत्री रामचंद्र मीणा, सोहनलाल, हरफूल मीणा, जयपुर जिला अध्यक्ष योगेंद्र सिंह जादौन, सुबे सिंह शर्मा, एवं अन्य मौजूद रहे।

## सार-समाचार

### भूमाफियाओं से मिलीभगत का आरोप

**अलवर, (निसं)।** देसूला गांव के पटवारी दिनेश कुमार ने दावा किया था वे अपने क्षेत्र की गोचर भूमि पर अवैध प्लाटिंग नहीं होने देंगे, लेकिन उनके दावों की आज भूमाफियाओं ने हवा निकालते हुए आज फिर प्लाटिंग शुरू कर दी। वहीं ग्रामीणों का आरोप है कि पटवारी के सारे दावे झूठे हैं। पटवारी और तहसीलदार की मदद से ही यहां प्लाटिंग की जा रही है। वहीं जब तहसीलदार से फोन पर बात की तो उन्होंने फोन नही उठा कर यह दर्शा दिया वे इस बारे में कोई सफाई नहीं देना चाहती है। यहां पर उल्लेखनीय है कि शहर के नजदीक गांव देसूला में गोचर भूमि पर लगातार प्लाटिंग जारी है और यहां एक तो भवन भी पूरी तरह बन चुका है। इसकी सूचना जब ग्रामीणों ने मीडिया को दी तो मीडिया ने मौके पर जाकर जानकारी जुटाई तो पाया कि खसरा नं 534 पर अवैध प्लाटिंग की जा रही है। जिस पर मीडिया ने पटवारी दिनेश कुमार को इसकी जानकारी दी तो उन्होंने शाम को फोन पर बताया और दावा किया कि उन्होंने जाकर काम रूकवा दिया है। अधिकारियों को सूचित कर दिया है। आगे से उनके क्षेत्र में कोई भी भूमि पर प्लाटिंग नहीं की जा सकती। उनके बयान को आधार बना कर मीडिया में खबर चलाई गई। लेकिन पटवारी के दावे की दूसरे दिन ही भूमाफियाओं ने हवा निकाल दी। यहां बुधवार को भी काम जोरों से चलता दिखाई दिया। जब सुबह करीब दस बजे पटवारी को इस निर्माण कार्य की सूचना दी तो पटवारी दिनेश कुमार ने कहा कि उन्होंने अधिकारियों को सूचित कर दिया है। कार्रवाई और एफआईआर का काम तो उच्च अधिकारी ही करेंगे। पटवारी की बात को आधार मानते हुए जब अलवर तहसीलदार रश्मि शर्मा से फोन पर बात करने के कई बार प्रयास किए गए लेकिन उन्होंने एक बार भी फोन रिसीव नहीं किया। ग्रामीणों ने पटवारी और तहसीलदार पर आरोप लगाते हुए कहा है कि बिना अधिकारियों की शह से कोई भी भूमाफिया प्लाटिंग नहीं कर सकता है। यह सारी प्लाटिंग का खेल पटवारी तहसीलदार सहित उच्च अधिकारियों की देखरेख में किया जा रहा है।

### एनसीसी दिवस मनाया

**टोंक, (निसं)।** मुख्यालय स्थित राजकीय महाविद्यालय में प्राचार्य लोकेश कुमार शर्मा की अध्यक्षता में एनसीसी दिवस मनाया गया, जिसमें कैडेट्स ने उत्साह पूर्वक हिस्सा लिया। इस दौरान प्राचार्य शर्मा ने कहा कि एनसीसी युवाओं में राष्ट्रभक्ति, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और संवेदनशील नागरिकता का भाव जगाने वाला एक सशक्त मंच है। यह एक ऐसा प्रशिक्षण है जो शिक्षा, फिटनेस और नैतिक मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा देती है। उन्होंने विभिन्न युद्धों एवं आपदाओं के समय एनसीसी की भूमिका को रेखांकित करते हुए कैडेट्स में देशभक्ति, राष्ट्रनिर्माण व सेवा भावना का संदेश दिया।

### एम-सैंड फैक्ट्री का शुभारम्भ

**निवाई।** राज्य सरकार की एम-सैंड पॉलिसी एवं आरआईपीएस पॉलिसी के अंतर्गत गांव गुंसी में एम-सैंड निर्माण इकाई सारथी जियोटेक प्राइवेट लिमिटेड का विधिवत शुभारम्भ किया गया। एम-सैंड का शुभारम्भ प्रमुख उद्योगपति ओ.पी. गुप्ता, फैक्ट्री निदेशक कुशाठा गुप्ता व जीएम संजय जैन ने विधिवत पूजा-अर्चना करके फीता काटकर किया। डायरेक्टर कुशाठा गुप्ता ने बताया कि बजरी की लगातार कमी और एक सार क्वालिटी उपलब्ध नहीं होने की समस्या का समाधान एम-सैंड होगा। उन्होंने बताया कि प्राकृतिक बजरी में क्वालिटी की समानता संभव नहीं हो पाती, जबकि एम-सैंड एक वैज्ञानिक प्रक्रिया से बनकर अधिक टिकाऊ और बेहतर गुणवत्ता प्रदान करती है। इससे नदी संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा। डीआईसी के जीएम संजय जैन ने बताया कि राज्य सरकार ने सभी सरकारी कार्यों में 25 प्रतिशत एम-सैंड का उपयोग अनिवार्य कर दिया है तथा इसे भविष्य में 50 प्रतिशत तक बढ़ाने का प्रस्ताव है।

### ड्राइवर से मारपीट, बस के शीशे तोड़े

**अलवर, (निसं)।** अलवर शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र में बुधवार देर रात रोडवेज बस ड्राइवर से मारपीट करने का वीडियो सामने आया है। कुछ युवकों ने रोडवेज ड्राइवर प्रीतम के साथ जमकर मारपीट की। कुछ युवकों ने रोडवेज ड्राइवर प्रीतम के साथ जमकर मारपीट की और बस के शीशे तोड़ दिए। घटना के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। पीड़ित ड्राइवर प्रीतम ने शिकायत में बताया कि वह दिल्ली से अलवर बस लेकर लौट रहा था। जब बस बिजली घर चौराहे के पास पहुंची तो एक स्कूटी सवार युवक लगातार बस के आगे स्टंट कर रहा था। स्कूटी पर युवक के साथ दो लड़कियां भी सवार थीं। लापरवाही इतनी थी कि स्कूटी बस से टकराने से बाल-बाल बची। ड्राइवर ने जब उन्हें रोका-टोका तो बहस हो गई। उसी दौरान करीब आठ युवक वहां आ गए और उसके साथ लात-घूंसे और डंडों से हमला कर दिया। आरोपी युवकों ने बस के शीशे भी चकनाचूर कर दिए। मारपीट के बाद सभी युवक मौके से भाग निकले। सूचना पर पहुंची पुलिस ने हालात का जायजा लिया और ड्राइवर की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस आरोपियों की पहचान के लिए आस-पास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाल रही है।

### पेयजल संकट, ग्रामीण परेशान

**निवाई।** गांव चनानी में बीसलपुर पेयजल योजनांतर्गत एक महीने से पेयजल की सप्लाई नहीं हो रही है जिससे ग्रामीणों को पीने का पानी नहीं मिल रहा है। ग्रामीण मनभर यादव, गीता प्रजापत, काली मीणा, बादाम प्रजापत, सीता यादव, शायर मीणा, गोरा बैरवा व सुरज्ञान गुर्जर ने बताया कि गांव में बीसलपुर परियोजना के तहत लगाए गए पॉइंट में करीब एक सप्ताह से पानी नही आ रहा है। जिससे ग्रामीणों को पेयजल संकट से जूझना पड़ रहा है। जिसको लेकर महिलाओं को करीब एक किलोमीटर दूर स्थित कुएं से पानी भरकर लाना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने लगातार पेयजल सप्लाई करने की अधिकारियों से मांग की है।

### लवणीय झील में झपोक डेम के नजदीक बनेगी ''टेंट सिटी''

**सांभरझील, (निसं)।** सांभर लवणीय में आने वाले कुछ समय में झपोक बांध के नजदीक टेंट सिटी बनने जा रही है। जानकारी में आया है कि योजना के तहत टूरिज्म विभाग (या राज्य पर्यटन निगम) इसे पीपीपी मॉडल पर करना चाहता है। लगभग 100 बीघा जमीन (करीब हेक्टेयर) पर एक टेंट सिटी बनाए जाने का प्रस्ताव है जिस पर करीब चार करोड रुपए खर्च होने की संभावना है। यह टेंट सिटी, गुजरात के रण ऑफ कच्छ की तर्ज पर यानी पर्यटन माहौल विकसित करने का विचार है। जानकारी में आया है कि अभी कुछ तकनीकी व अन्य कारणों से टेंट सिटी का चल रहा काम कुछ दिनों के लिए रोक दिया गया है लेकिन शीघ्र ही इसको गति मिलने लग जाएगी। झील और उसके आसपास इलाकों में सर्दियों में बड़ी संख्या में प्रवासी पक्षी आते हैं। इस तरह, लेक-टूरिज्म पक्षी-प्रेक्षण, प्राकृतिक सौंदर्य झील-वैकल्पिक अनुभव टेंट सिटी बनने के बाद आने वाले पर्यटकों को होंगे। पर्यटक अनुभव विकसित करना इसका मुख्य उद्देश्य है।

### भूमिका सैनी ने 1250 फीट की ऊंचाई से पैराशूट जम्प किया

**सांभरझील, (निसं)।** भाजपा के पूर्व पार्षद दंपति शंभू दयाल-पुष्पा देवी सैनी व माली समाज के अध्यक्ष रहे भगवान सहाय माली की दोहेती भूमिका सैनी ने 1250 फीट ऊंचाई से पैराशूट जंप कर सभी को आश्चर्यचकित कर दिया। इनकी माता मोना सैनी साधारण गृहणी है जबकि पिता गुढा साल्ट में फोटो व वीडियोठााफी के व्यवसाय से जुड़े हैं। बता दें कि राजकीय शाकम्भर पीजी कॉलेज सांभर की छात्रा भूमिका सैनी फर्स्ट राज बटालियन एनसीसी, जयपुर की एकमात्र ऐसी कैडेट है जिनका चयन देश के प्रतिष्ठित नेशनल पैरा बेसिक कैंप के लिए हुआ है सम्पूर्ण देश से कुल 60 कैडेट्स जिनमें राजस्थान से केवल तीन सर्वश्रेष्ठ छात्राओं और एक छात्र का राष्ट्रीय स्तर पर चयन हुआ था। यह बताना भी जरूरी है कि नेशनल पैरा बेसिक कैंप एनसीसी का सबसे कठिन और गौरवशाली प्रशिक्षण कार्यक्रम माना जाता है जिसका आयोजन एयरफोर्स की पैराट्रूपर स्कूल, आगरा द्वारा किया जाता है। इसमें कैडेट्स को एयरबोर्न ट्रेनिंग, ठााउंड ट्रेनिंग तथा वास्तविक पैराशूट जंप की तैयारी करवाई जाती है। भूमिका सैनी ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर राजस्थान का प्रतिनिधित्व करने का अनुभव बहुत अद्भुत रहा।

### बीएल सैनी को दी श्रद्धांजलि

**शाहपुरा, (निसं)।** पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सड़क मार्ग से पटेल नगर अमरसर शाहपुरा में पहुंचे जहां पर राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड अजमेर के पूर्व सदस्य बीएल सैनी की प्रतिमा के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित उनको श्रद्धांजलि दी। राजकीय शिक्षक बीएल सैनी का विगत दिनों आकस्मिक निधन हो गया था। गहलोत के साथ शाहपुरा विधायक मनीष यादव, कांग्रेस के नेता प्रवीण व्यास, संदीप चौधरी आदि मौजूद रहे।

# धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देना राज्य सरकार की घोषित नीति है- भजनलाल

## मुख्यमंत्री भजनलाल ने प्रवासी राजस्थानी दिवस के क्रम में पर्यटन के प्रीसमिट सम्मेलन को संबोधित किया

जयपुर, 27 नवम्बर। गुरुवार को एक निजी होटल में प्रवासी राजस्थानी दिवस के क्रम में आयोजित पर्यटन विभाग की प्री-समिट को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि यह आयोजन राजस्थान को वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर एक प्रमुख केन्द्र के रूप में स्थापित करने की हमारी सामूहिक

- मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार के प्रयासों से प्रदेश में पर्यटन का निरंतर विकास हो रहा है। इस वर्ष अगस्त माह तक राज्य में 15 करोड़ से अधिक देशी पर्यटक और 12 लाख विदेशी पर्यटक आ चुके हैं।

प्रतिबद्धता का प्रतीक है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से न केवल प्रवासी राजस्थानियों को अपनी मातृभूमि से भावनात्मक रूप से जुड़ने का अवसर मिलता है, बल्कि उन्हें राज्य के विकास में सहभागिता का भी मौका मिलता है।

*मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को प्रवासी राजस्थानी दिवस के क्रम में आयोजित पर्यटन विभाग की प्री-समिट का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उप-मुख्यमंत्री दीया कुमारी, राजस्थान धरोहर प्राधिकरण अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत मौजूद थे।*

मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यटन के आधारभूत ढांचे को और सुदृढ़ करने के लिए राज्य सरकार शीघ्र नई पर्यटन नीति लाएगी। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने पर्यटन एवं हॉस्पिटलिटी सेक्टर को उद्योग का दर्जा प्रदान किया है।

शर्मा ने कहा कि राजस्थान अपार संभावनाओं का प्रदेश है। भव्य किले, महल, हवेलियां, थार का मरुस्थल, वन्यजीव अभयारण्य, आस्था धाम और झीलों की उपलब्धता राजस्थान को पर्यटन के क्षेत्र में निराला प्रदेश बनाती है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में पर्यटन का निरंतर विस्तार हो रहा है। इस वर्ष अगस्त तक राज्य में 15 करोड़ से अधिक देशी तथा करीब 12 लाख विदेशी पर्यटक आ चुके हैं। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकास के साथ-साथ विरासत के मूल मंत्र को आत्मसात् करते हुए, राज्य सरकार धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा दे रही हैं। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार की स्वदेश दर्शन 2.0 और प्रसाद 2.0 योजना के अंतर्गत, खाटूश्याम जी, करणी माता मंदिर, मालासेरी डूंगरी समेत, अनेक धार्मिक स्थलों का विकास कार्य किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने सांस्कृतिक धरोहर और पर्यावरण-अनुकूल पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 5 हजार करोड़ रुपये का राजस्थान टूरिज्म इंफ्रास्ट्रक्चर एंड कैपेसिटी बिल्डिंग फंड गठित किया है।

प्री-समिट में उप-मुख्यमंत्री दीया कुमारी, राजस्थान धरोहर प्राधिकरण अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, केंद्रीय पर्यटन अपर सचिव एवं महानिदेशक सुमन बिल्ला, पर्यटन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रवीण गुप्ता, हिन्दुस्तान जिंक के सीईओ अरुण मिश्रा सहित, संबंधित विभाग के वरिष्ठ अधिकारीगण एवं उद्यमी उपस्थित थे।

## 'स्वतंत्र यूट्यूब चैनलों की जवाब देही तय की जाए'

नयी दिल्ली, 27 नवंबर। उच्चतम न्यायालय ने मीडिया तथा ओटीटी संस्थाओं द्वारा अपनाये गये मौजूदा स्व-नियमन ढांचे पर असंतोष व्यक्त किया है और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अश्लील, आपत्तिजनक या अवैध सामग्री की निगरानी के लिए एक ''तटस्थ, स्वतंत्र और स्वायत्त'' नियामक निकाय की आवश्यकता पर बल दिया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ गुरूवार को पॉडकास्टर रणवीर इलाहाबादिया और अन्य की याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। इन याचिकाओं में ऑनलाइन शो ''इंडियाज गॉट लैटेंट'' से संबंधित कथित अश्लील सामग्री को लेकर दर्ज प्राथमिकी को एक साथ करने की मांग की गयी है। । इससे पहले न्यायालय ने ऑनलाइन अश्लीलता पर व्यापक दिशानिर्देश तैयार करने के लिए मामले के दायरे को बढ़ाया था। मुख्य न्यायाधीश ने स्वतंत्र कंटेंट क्रिएटर्स के लिए किसी भी नियामक ढांचे की अनुपस्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए टिप्पणी करते हुए कहा, ''तो मैं अपना चैनल बनाता हूं, मैं किसी के प्रति जवाबदेह नहीं हूं... किसी को तो जवाबदेह होना चाहिए!'' उन्होंने कहा कि बोलने की स्वतंत्रता महत्वपूर्ण है, लेकिन इसे ''विकृति'' को सही ठहराने के लिए नहीं बढ़ाया जा सकता।

# लॉरेंस बिश्नोई गैंग का हार्डकोर सदस्य प्रदीप गुर्जर गिरफ्तार

## एंटी गैंग्स्टर टास्क फोर्स ने नाटकीय तरीके से गुरुग्राम की पॉश सोसायटी में उसे पकड़ा

जयपुर, 27 नवम्बर। एंटी गैंग्स्टर टास्क फोर्स राजस्थान (एजीटीएफ) की टीम ने कार्रवाई करते हुए, लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े एक सक्रिय सदस्य और हार्डकोर बदमाश प्रदीप गुर्जर को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी प्रदीप रावतों की ढाणी, वार्ड नंबर 15, कोटपूतली, का रहने वाला है। उसे गुड़गांव की एक पॉश सोसायटी से गिरफ्तार किया गया।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एजीटीएफ दिनेश एमएन ने बताया कि हार्डकोर बदमाश प्रदीप गुर्जर कुख्यात 6161 गैंग का सरगना है। यह गैंग मुख्य रूप से हाईवे पर स्थित होटल संचालकों को निशाना बनाकर उनसे जबरन रंगदारी वसूलने के लिए कुख्यात है। एजीटीएफ की यह कार्रवाई राज्य में संगठित अपराध और लॉरेंस बिश्नोई नेटवर्क के खिलाफ एक महत्वपूर्ण सफलता मानी जा रही है।

प्रदीप पर रंगदारी, बैंक लूट, डकैती, हत्या और हत्या के प्रयास जैसे तीन दर्जन से अधिक संगीन अपराधों

- पुलिस के अनुसार, हार्डकोर बदमाश प्रदीप गुर्जर कुख्यात 6161 गैंग का सरगना है। यह गैंग मुख्यतः हाईवे पर स्थित होटल संचालकों से जबरन रंगदारी वसूलने में लिप्त है।

के मुकदमे दर्ज हैं। सात आपराधिक मुकदमों में फरार चलने के कारण एसपी कोटपुतली द्वारा उसकी गिरफ्तारी पर 25 हजार का इनाम घोषित किया गया था।

एडीजी दिनेश एमएन के निर्देशन और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सिद्धांत शर्मा के सुपरविजन में, एक विशेष टीम को इस हार्डकोर बदमाश को पकड़ने का जिम्मा सौंपा गया, जिसका नेतृत्व इंस्पेक्टर राम सिंह द्वारा किया गया। टीम ने मुखबिरों को एक्टिव किया। इसके बाद हेड कांस्टेबल सुधीर कुमार को उसके गुरुग्राम में होने की पुख्ता जानकारी मिली।

यह एक चुनौतीपूर्ण मिशन था, जहाँ टीम ने करीब 150 सीसीटीवी फुटेज खंगाले और रेकी की। आरोपी गुड़गांव के खेड़कीदोला थाना क्षेत्र की एक विशाल और लग्ज़री सोसायटी एम आर पाम हिल के एक फ्लैट में छिपा हुआ था।

टीम ने सोसायटी के नाकों पर सदस्य तैनात किए और गार्ड बनकर हेड कांस्टेबल सुधीर ने अंदर पल-पल की जानकारी हासिल की। सटीक स्थिति का पता चलते ही टीम ने फ्लैट पर छापा मारा और गैंग्स्टर प्रदीप रावत को घेर कर दबोच लिया। टीम आरोपी को कोटपूतली लेकर आई है और उसे थाना पुलिस को सौंप दिया गया है। पुलिस द्वारा उससे गहनता से पूछताछ की जा रही है, जिससे कई अन्य मामलों के खुलासे की पूरी संभावना है।

# 'अगर इमरान ज़िंदा हैं तो मिलने क्यों नही दिया जा रहा'

## इमरान की पार्टी के लोगों ने इमरान की हत्या की आशंका जताई

रावलपिंडी, 27 नवंबर। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के जीवित होने को लेकर सस्पेंस और भी ज्यादा गहरा गया है। पिछले 3 हफ्ते से इमरान खान के बारे में उनके परिवार और परिजनों को कोई खबर नहीं दी गई है। पाकिस्तान के सोशल मीडिया और जापानी मीडिया में इमरान खान की जेल में मौत होने की खबरें आग की तरह फैल रही हैं। इस बीच पाकिस्तान ने साढ़े पांच बजे नेशनल असेंबली की आपात बैठक बुला ली है। इससे बड़ी अनहोनी की आशंका जन्म ले रही है। इन्हीं आशंकाओं के बीच खैबरपख्तूनख्वा राज्य के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी बृहस्पतिवार को जब इमरान से मिलने अडियाला जेल पहुंचे तो उन्हें मिलने से रोक दिया गया।

मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी ने कहा कि उन्हें इमरान खान से जेल में मिलने से मना कर दिया गया। इसलिए वे जेल के बाहर ही धरने पर बैठ गए हैं। पिछले कई दिनों से इमरान खान की मौत हो जाने की अफवाहें पाकिस्तान से लेकर

- असल में अफगानिस्तान मीडिया ने बुधवार को दावा किया कि पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की रावलपिंडी की अडियाला जेल में हत्या कर दी गई है, उसके बाद से ही भारी अफरातफरी का माहौल है।

विदेशी मीडिया तक में हाहाकार मचा रही हैं। इमरान खान की पार्टी पीटीआई की खैबरपख्तूनख्वा में सरकार है। सोहेल अफरीदी इमरान खान की पार्टी के इकलौते मुख्यमंत्री हैं। मगर उन्हें भी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की सरकार ने मिलने से रोक दिया है। इमरान खान का परिवार और पीटीआई के कार्यकर्ता, शहबाज शरीफ और पाक आर्मी चीफ असिम मुनीर पर इमरान खान की जेल में ही हत्या करवाने का आरोप लगा रहे हैं। पिछले कई दिनों से हजारों इमरान समर्थक अडियाला जेल के बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं। अब धीरे-धीरे यह प्रदर्शन अन्य शहरों में भी फैलता जा रहा है।

दरअसल अफगानिस्तान के मीडिया ने दावा किया है कि पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की रावलपिंडी की आदियाला जेल में हत्या कर दी गई है। इससे पाकिस्तान में अफरातफरी के हालात बन गये हैं। इमरान खान के समर्थकों की मांग है कि अगर इमरान खान सुरक्षित और जीवित हैं तो उन्हें मिलने क्यों नहीं दिया जा रहा है। सोशल मीडिया पर भी लोग शहबाज शरीफ की सरकार के खिलाफ गुस्सा निकाल रहे हैं। हालांकि फवाद चौधरी ने भारतीय मीडिया से बात करते हुए इमरान खान की मौत की रिपोर्ट को बकवास बताया है, लेकिन मुश्किल समय में इमरान खान को छोड़कर भागने की वजह से समर्थकों को उनकी बातों पर यकीन नहीं है।

## स्पीकर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के शीर्ष नेतृत्व ने पूरी तरह से सत्ता पर अपनी पकड़ मजबूत करने पर ध्यान केन्द्रित किया है। दोनों उपमुख्यमंत्री, सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा, इस समय दिल्ली में डेरा डाले हुए हैं। उनके दिल्ली हवाई अड्डे पर आगमन पर भाजपा समर्थकों द्वारा एक असामान्य गर्मजोशी से उनका स्वागत किया गया, जो आमतौर पर राज्यस्तरीय मंत्रियों को राजधानी में नहीं मिलता।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने उनके लिए विशेष रात्रिभोज का आयोजन किया, इसके बाद गृह मंत्री अमित शाह के निवास पर कई पूर्व-निर्धारित बैठकें हुईं। यह सब इस बात को दर्शाता है कि पार्टी बिहार के बदलते राजनीतिक ढांचे को लेकर काफी गंभीर है। गृह मंत्रालय पर तो भाजपा का नियंत्रण है ही, और अब वह स्पीकर पद पर काबिज होने की तैयारी में है, जिससे पार्टी के पास अब कानून-व्यवस्था और विधायी प्रक्रिया, दोनों का नियंत्रण होगा। यह दोहरा कब्जा भाजपा को बिहार में सत्ता का केन्द्र बना देता है, जिसके चलते नीतीश कुमार के पास काम करने की सीमित गुंजाइश ही बचती है।

पर्यवेक्षकों का कहना है कि ये घटनाक्रम भाजपा प्रेरित शासन के एक नए युग का संकेत हैं, जहां नीतीश मुख्यमंत्री के पद पर बने रह सकते हैं, लेकिन सत्ता की गाड़ी का स्टीयरिंग व्हील अब भाजपा के हाथों में है।

## सुप्रीम कोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु, केरल और पश्चिम बंगाल में स्पेशल इन्टैंसिव रिवीज़न (एसआईआर) को चुनौती देने वाली याचिकाओं की सुनवाई का कार्यक्रम तय कर दिया है। पीठ ने चुनाव आयोग से 1 दिसंबर तक जवाब दाखिल करने को कहा है। याचिकाकर्ता उसके बाद अपनी प्रतिक्रिया दाखिल कर सकेंगे, और मामले की शीघ्र सुनवाई का निर्णय लिया जाएगा।

इससे पहले, कुछ याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि एसआईआर लोकतांत्रिक भागीदारी को लेकर मौलिक चिंताएं उत्पन्न करता है। उन्होंने कहा कि एसआईआर सामान्य मतदाताओं पर असंवैधानिक दबाव डालता है, जिनमें से कई निरक्षर हैं।

उन्होंने कहा, ''फॉर्म भरना मतदाता की जिम्मेदारी नहीं है। बहुत से लोग निरक्षर हैं और उन्हें पढ़ना-लिखना नहीं आता। अगर वे फार्म नहीं भर सकते, तो उन्हें (मतदाता सूची से) हटा दिया जाएगा, उन्होंने अदालत से संविधानिक सुरक्षा उपायों पर ध्यान केन्द्रित करने की अपील की।''

उन्होंने कहा कि एक बार किसी मतदाता का नाम मतदाता सूची में शामिल हो जाने के बाद, उसकी वैधता की मान्यता स्वत: ही बन जाती है, जब तक राज्य इसका विरोध नहीं करता। ''किसी भी बहिष्करण की प्रक्रिया उचित और निष्पक्ष होनी चाहिए।''

सिब्बल ने यह भी कहा कि जब आधार नागरिकता का निर्णायक प्रमाण नहीं है, यह धारक के पक्ष में एक अनुमान है। उन्होंने कहा, ''तो मेरे पक्ष में भी एक अनुमान है। मेरे पास आधार है। वह मेरा निवास है। आप इसे हटाना चाहते हैं... तो इसे एक प्रक्रिया से हटाइए और इसे इस कोर्ट में साबित होने दीजिए।'' हालांकि, न्यायमूर्ति बागची ने मृत मतदाताओं को सूची से हटाने की आवश्यकता पर जोर दिया, यह बताया कि सूची पंचायतों और सरकारी वेबसाइटों पर सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित की जाती है। उन्होंने कहा, ''हम शून्य में निर्णय नहीं करते। सुनवाई गुरुवार को जारी रहेगी।

## हम प्रदूषण पर तुरंत समाधान की उम्मीद नहीं करें- सुप्रीम कोर्ट

नयी दिल्ली, 27 नवंबर। उच्चतम न्यायालय दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण (एमसी मेहता मामला) से संबंधित मामले को अगले सोमवार को तत्काल सूचीबद्ध करने पर सहमत हो गया है लेकिनद्ध न्यायालय ने आगाह किया कि न्यायपालिका से इस स्तर के संकट का तुरंत समाधान देने की उम्मीद नहीं की जा सकती है।

- सर्वोच्च न्यायालय ने कहा तदर्थ न्यायिक निर्देशों की बजाय वैज्ञानिक व विशेषज्ञ जानकारी पर निर्भर रहना चाहिये।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने गुरूवार को इस मामले की तत्काल सूचीबद्धता के उल्लेख की सुनवाई करते हुए टिप्पणी की कि दिल्ली की बिगड़ती वायु गुणवत्ता एक ''स्वास्थ्य आपातकाल'' है। पीठ ने हालांकि इस बात पर जोर दिया कि न्यायालय को तदर्थ न्यायिक निर्देशों के बजाय, वैज्ञानिक और विशेषज्ञ जानकारी पर निर्भर रहना चाहिए।

राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण की ''खतरनाक'' स्थिति को उजागर करने वाली न्याय मित्र वरिष्ठ अधिवक्ता अपराजिता सिंह से मुख्य न्यायाधीश ने कहा, ''हम समस्या जानते हैं। हमें सभी कारणों की पहचान करने की आवश्यकता है। कोई एक अकेला कारण नहीं है, ऐसा सोचना गलती होगी।''

न्यायपालिका की सीमाओं का उल्लेख करते हुए, मुख्य न्यायाधीश ने पूछा, ''कोई अदालत क्या जादुई छड़ी चला सकती है? मुझे बताएं, हम क्या निर्देश दें, ताकि तुरंत स्वच्छ हवा मिल जाए?'' पीठ ने इस बात पर ज़ोर दिया कि यह समझना आवश्यक है कि सरकार ने कौन सी समितियां बनाई हैं, वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग क्या कर रहा है, और विभिन्न क्षेत्रों में कौन से समाधान व्यावहारिक हैं।

## मुंबई में सीट बंटवारे पर ठाकरे बंधुओं में मतभेद हुआ

मुंबई, 27 नवंबर। मुंबई नगर निगम चुनावों से पहले शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के बीच 75 सीटों को लेकर एक बड़ा गतिरोध पैदा हो गया है। सूत्रों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे ) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने गतिरोध दूर करने के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक के लिए मनसे प्रमुख राज ठाकरे से मध्य मुंबई स्थित उनके आवास शिवतीर्थ पर पूर्वाह्न में मुलाकात की।

# एसआईआर भरते हुए बंगलादेशी गिरफ्तार

कोलकाता, 27 नवंबर। पश्चिम बंगाल में हुगली जिले के डानकुनी शहर में 15 साल से रह रहे बॉग्लादेशी नागरिक को एक मृत व्यक्ति के नाम पर विशेष गहन पुनरीक्षण(एसआईआर) के तहत गणना पत्र भरने के आरोप में गिरफ्तार किया गया।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, आरोपी को मृत व्यक्ति के परिवार के सदस्यों ने पकड़ लिया और स्थानीय पुलिस के हवाले कर दिया। उन्होंने बताया

- बंगलादेशी नदीम 15 साल पहले भारत आया था और आधार कार्ड बनवा कर रह रहा था।

कि नदीम सरदार करीब 15 साल पहले भारत आया था और उसने गोबरा क्षेत्र के रोबिन नामक एक व्यक्ति को 4,000 रुपये देकर अपना आधार कार्ड बनवाया था और तब से कोलकाता के पास डानकुनी में रह रहा था। वह तब पकड़ा गया, जब उसने स्थानीय ब्लॉक स्तरीय अधिकारी (बीएलओ) से नौ साल पहले मर चुके मोहसिन खान का गणना पत्र हासिल किया और उसे भरने की कोशिश कर रहा था। माथुर डांगी गाँव के वार्ड नंबर 20 के मोहसिन खान के परिवार के सदस्यों ने विवरण देखने के बाद इस धोखाधड़ी को भांप लिया और उसे पकड़कर डानकुनी पुलिस के हवाले कर दिया।

## उपभोक्ता आयोग ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है। ऐसे में इसमें केसर मिलाने का दावा भ्रामक है। परिवाद में बताया गया कि विज्ञापन में दाने-दाने में केसर का दम दिखाकर दुष्प्रचार किया जा रहा है। इससे एक ओर निर्माता कंपनी करोड़ों रुपए का व्यापार कर रही है और दूसरी ओर आमजन हानिकारक और स्वास्थ्य के लिए घातक गुटखे का सेवन कर कैंसर जैसी बीमारी को न्यौता दे रहे हैं। परिवाद में गुहार की गई है कि विमल गुटखा के उत्पादन और विज्ञापन पर तत्काल रोक लगाई जाए।

मामले पर सुनवाई करते हुए आयोग ने तीनों अभिनेताओं और अभिनेत्री सहित निर्माता कंपनी को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

## दिल्ली विस्फोट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ताकि उनका इस्तेमाल हमलों में किया जा सके।

एजेंसी के मुताबिक, वानी के खिलाफ सबूतों से पता चलता है कि उसने 10 नवंबर को लाल किला ब्लास्ट में मदद के लिए आतंकवादी नेटवर्क को टेक्निकल सपोर्ट देना जारी रखा। ये गतिविधियां बड़े हमलों की साजिश का हिस्सा थीं। इस मामले में आगे की जांच चल रही है। एनआईए टीम वानी से दूसरे संभावित साथियों, ड्रोन सप्लाई नेटवर्क और टेक्निकल मॉड्यूल के बारे में पूछताछ करेगी।

## इण्डो-अमेरिकन व्यापारिक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इन परिस्थितियों में समझौता होगा या नहीं, और यदि होगा तो किस रूप में, यह काफी हद तक दोनों देशों की राजनीतिक इच्छा और समझौते की तैयारी पर निर्भर करेगा। सवाल यह है कि क्या कोई पक्ष नरमी दिखाने के लिए तैयार है?

- दूसरी ओर अमेरिका भी भारतीय मार्केट में डेयरी प्रोडक्ट्स बेचने की मांग पर कोई समझौता करने को तैयार नहीं।
- भारत अगर कुछ नर्म पड़ा तो ज्यादा से ज्यादा सेब, बादाम आदि कुछ ''कृषि उत्पादों'' को बेचने की सीमित छूट दे सकता है।
- लगभग यह ही स्थिति भारत के औद्योगिक उत्पाद, जैसे स्टील, ऑटोपार्ट्स, टैक्सटाइल्स के बारे में है।
- अतः तुरंत, आनन-फानन में ''ट्रेड डील'' हो जाए, मुमकिन नहीं लगता। कुछ छोटी-मोटी मिनी ''ट्रेड डील'' जरूर हो सकती है।

कुछ संकेत ऐसे मिल रहे हैं कि थोड़ी गुंजाइश मौजूद है। भारत कृषि व डेयरी क्षेत्र को व्यापक रूप से खोलने के पक्ष में नहीं है, लेकिन सेब, बादाम, अखरोट, कुछ प्रोसैस्ड फूड और गैर-जीएम अमेरिकी उत्पादों को सीमित मात्रा में अनुमति देने के लिए तैयार दिख रहा है। यह संकेत है कि भारत पूरी तरह बाजार खोले बिना, सीमित और नियंत्रित पहुंच देने पर विचार कर सकता है। दूसरी ओर, अमेरिका ने भारतीय उत्पादों (स्टील, ऑटो कॉम्पोनैंट्स) पर पहले ही भारी शुल्क लगा रखा है, जिससे यह दबाव बढ़ सकता है, खासकर उन सैक्टर्स की तरफ से, जो भारतीय सप्लाई चेन पर निर्भर हैं, कि व्यापक समझौते के बजाय सीमित छोटा समझौता स्वीकार कर लिया जाए।

फिर भी नज़दीकी समय में किसी बड़े नरम रुख की संभावना कम ही दिखती है। भारत के लिए कृषि और डेयरी सिर्फ आर्थिक क्षेत्र नहीं हैं, बल्कि ग्रामीण आजीविका और खाद्य सुरक्षा का आधार हैं। ऐसे में इन क्षेत्रों में सुरक्षा कम करने पर तीखी घरेलू प्रतिक्रिया हो सकती है। वहीं अमेरिका की कृषि लॉबी और खेती के सामान के निर्यातक भी भारतीय बाजार में बड़े पैमाने पर पहुंच की मांग छोड़ने वाले नहीं हैं।

ऐसे में सबसे अधिक संभावना यही है कि एक सीमित या ''मिनी-डील'' बन सकती है, जिसमें औद्योगिक व गैर-संवेदनशील क्षेत्रों में शुल्क संबंधी रियायतें शामिल होंगी, और कुछ चुनिंदा कृषि उत्पादों को नियंत्रित एवं सीमित शर्तों के साथ अनुमति दी जा सकती है। यह राजनीतिक और व्यापारिक रूप से दोनों देशों के लिए पर्याप्त होगा या नहीं, यह अभी स्पष्ट नहीं है।

संक्षेप में, भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता आगे बढ़ रही है, लेकिन सबसे बड़ी रुकावटें खेती, डेयरी और रैगुलेटरी ऑटोनोमी में हैं। दोनों पक्षों के लिए समझौता नामुमकिन नहीं है, लेकिन यह आर्थिक फायदों और राजनीतिक संवेदनशीलता के बीच सही संतुलन बनाने पर निर्भर करेगा।

## क्या बुलेट ट्रेन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ईसीटीएस-2 सिग्नलिंग को लागू करने का इरादा भी किया है, लेकिन इस पर विचार-विमर्श जारी है। जून में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम के तहत, राष्ट्रीय उच्च गति रेल निगम लिमिटेड (एनएचआरसीएल) - जो एमएएचएसआर की कार्यान्वयन एजेंसी है - ने सिग्नलिंग और टेलीम्यूनिकेशंस कार्यों के लिए डीआरए-इन्फ्राकॉम सीमन्स संयुक्त उपक्रम को 4140 करोड़ रुपये का अनुबंध सौंपा। सीमन्स ने भारतीय रेलवे के प्रबंधकों को यह आश्वासन दिया है कि ''ड्यूल-यूज़'' सिग्नलिंग सिस्टम प्रदान किए जाएंगे, ताकि अगर भारत के सार्वजनिक परिवहन ने बाद में लीकी केबल सिस्टम को अपनाने का निर्णय लिया तो वह इसके लिए तैयार हो गया।

दिल्ली- मेरठ रैपिड रेल और दिल्ली मेट्रो के लिए अपनाई गई रणनीतियों के अनुरूप, भारतीय रेलवे 320 किमी/घंटा की गति वाली ट्रेनसेट्स के लिए ''वेंडर न्यूट्रल'' सिग्नलिंग सिस्टम प्राप्त करने की योजना बना रहा है, साथ ही इंटरऑपरेबिलिटी की भी व्यवस्था की जाएगी। हालांकि, इन बिड्स को बाद में जारी किए जाने की संभावना है। हालांकि, भारतीय रेलवे की पश्चिमी देशों से प्रौद्योगिकी या उपकरण खरीदने की मंशा जापान के साथ विवाद पैदा कर सकती है, जो परियोजना के वित्तपोषक हैं। दिसंबर 2015 के समझौता ज्ञापन (एमओयू) के तहत, एक सेट वस्त्रों को जापान से खरीदना अनिवार्य होगा। शेष सामग्री के लिए जापान की स्वीकृति आवश्यक होगी। एमएएचएसआर पर कार्य कर रहे ठेकेदार पहले ही जापान की हठधर्मी के कारण पश्चिमी देशों से आयात किए गए सामान को मंजूरी देने में समस्या का सामना कर रहे हैं। एक कंपनी ने इस साल जर्मनी से आयातित कुछ घटकों को स्वीकृति नहीं मिलने के कारण लगभग 50 करोड़ रुपये का नुकसान बताया है। इस कंपनी ने अब यूरोपीय निर्माताओं से और अधिक आयात करने की योजना रोक दी है।

## असम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बिल में पॉलीगैमी की स्पष्ट परिभाषा भी दी गई है, यदि कोई व्यक्ति तब शादी करता है, जब उसका जीवनसाथी अभी जीवित है और उससे कानूनी रूप से तलाक नहीं हुआ है या उनकी शादी कानूनी रूप से रद्द नहीं हुई है, तो यह बहुविवाह माना जाएगा।

## कर्नाटक के मुख्यमंत्री ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यह कदम सिद्धारमैया और शिवकुमार के बीच गहरे मतभेदों को दर्शायेगा, जिनके बीच कांग्रेस की 2023 की बड़ी जीत के बाद से ही मुख्यमंत्री पद को लेकर टकराव है।

संभावित विकल्प के रूप में गृह मंत्री जी. परमेश्वर का नाम सामने आया है। वे सिद्धारमैया समर्थक और प्रभावशाली दलित नेता हैं। उन्होंने हाल में कहा, ''मैं हमेशा से मुख्यमंत्री पद की दौड़ में रहा हूं,'' जिससे राजनीतिक हलकों में हलचल बढ़ गई।

यह रणनीति बुधवार को पीडब्ल्यूडी मंत्री सतीश जारकीहोली की अगुवाई में हुई बैठक में तय की गई। जारकीहोली सिद्धारमैया के करीबी हैं। उन्होंने एनडीटीवी को बताया कि पार्टी के दिल्ली नेतृत्व को यह सवाल अब निपटाना ही होगा। जारकीहोली की शिवकुमार से भी मुलाकात हुई, लेकिन बैठक का विवरण सामने नहीं आया।

खड़गे और गांधी परिवार गुरुवार या शुक्रवार को इस मसले पर अंतिम चर्चा कर सकते हैं। खड़गे ने पत्रकारों से कहा, ''सोनिया, राहुल और मैं इस समस्या का समाधान कर देंगे।''

योजना यह है कि खड़गे-गांधी बैठक के बाद, सिद्धारमैया और शिवकुमार, दोनों को दिल्ली बुलाया जाएगा।

उधर डीके शिवकुमार ने अब तक टकराव की स्थिति नहीं बनाई है और राजनीतिक रूप से संतुलित बयान दिए हैं। उन्होंने तो अपने प्रतिद्वंद्वी को उस पद, जिसे वे चाहते हैं, पर बने रहने का समर्थन भी सार्वजनिक रूप से किया है और अपने समर्थन में आए बयानों - जैसे रामनगर के विधायक इकबाल हुसैन का ''200 प्रतिशत पक्का'' वाला बयान, को भी हल्का किया है।

लेकिन उन्होंने कई बार संकेतों में तीखी बातें भी कही हैं, जिनमें वादों को निभाने की याद दिलाना शामिल है। माना जाता है कि उनका इशारा सीधे सिद्धारमैया की तरफ था।

सिद्धारमैया-शिवकुमार विवाद कांग्रेस की 2023 जीत के बाद शुरू हुआ। पार्टी ने मुख्यमंत्री पद के लिए सिद्धारमैया को चुना, जबकि शिवकुमार का मानना था कि जीत दिलाने में उनकी सबसे बड़ी भूमिका रही, इसलिए यह पद उन्हें मिलना चाहिए था।

इसके बजाय उन्हें उपमुख्यमंत्री बनाया गया, पर प्रदेश अध्यक्ष का पद भी उनके पास रहने दिया गया। कांग्रेस का ''एक व्यक्ति, एक पद'' नियम इस मामले में ढीला किया गया। उसी समय एक 'समझौता' चर्चा में था, जिसका जिक्र शिवकुमार ने ''हम पांच-छह लोगों के बीच हुआ गुप्त समझौता'' कहकर किया था, जिसके अनुसार, आधे कार्यकाल के बाद सिद्धारमैया पद छोड़ देंगे।

पांच साल के कार्यकाल का मध्य बिंदु पिछले सप्ताह पार हो गया। तब से शिवकुमार खेमे के विधायक परिवर्तन की मांग जोर-शोर से उठा रहे हैं। शिवकुमार ने भी स्पष्ट कर दिया है कि वे पद चाहते हैं और उन्होंने पिछले दिनों कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष पद छोड़ने का संकेत भी दिया था, जो मुख्यमंत्री पद पाने की इच्छा का प्रतीक है।

## ईडी ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अधिकारियों को गोपनीय निरीक्षण विवरण लीक करने के एवज में रिश्वत दी गयी थी। आरोप है कि इस जानकारी के लीक होने से मेडिकल कॉलेजों को जरूरी मापदंडों में हेरफेर करने और अवैध रूप से अनुमोदन लेने में मदद मिली। जिन परिसरों की तलाशी ली जा रही है, उनमें सात मेडिकल कॉलेज और निजी आरोपियों के ठिकाने शामिल हैं।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908